नई दिल्ली। मंगलवार, 01 सितम्बर, 2026
भाद्रपद कृष्ण पक्ष चतुर्थी सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 237/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल: कप्तान तिलक वर्मा...
@ विचार सरसंघ चालक मोहन भागवत के विचार समय सापेक्ष...
@ व्यापार भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में बंद...

विश्व केसरी खबर झरोखा

भारतीय अर्थव्यवस्था ने भरी रफ्तार, पहली तिमाही में 7.8% की जोरदार वृद्धि

भारत की अर्थव्यवस्था ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 7.8 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की है। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल-जून तिमाही में निवेश और विनिर्माण गतिविधियों में तेजी के साथ मजबूत उपभोक्ता मांग ने देश की आर्थिक वृद्धि को गति दी। यह आंकड़ा अर्थशास्त्रियों के अनुमान से काफी बेहतर रहा क्योंकि अप्रैल-जून तिमाही के लिए 7.1 प्रतिशत सालाना वृद्धि का अनुमान लगाया गया था। हालांकि, यह पिछले तीन महीनों में दर्ज संशोधित 8.6 प्रतिशत की वृद्धि से कम है। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने पहली तिमाही में GDP वृद्धि दर 7 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया था। एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के लिए वित्त वर्ष की शुरुआत ऐसे समय में हुई है, जब वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितताएं बनी हुई हैं। अमेरिका-ईरान युद्ध से उत्पन्न तनाव के कारण तेल की कीमतों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को लेकर भी चिंताएं बढ़ी हैं। इसके बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूत गति बनाए रखी है।

पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि का पालन करे भारत : स्थायी मध्यस्थता न्यायालय

हेग स्थित स्थायी मध्यस्थता न्यायालय (Permanent Court of Arbitration) ने सोमवार को कहा कि भारत को पाकिस्तान के साथ जल बंटवारे की उस संधि का पालन करना चाहिए, जिसे उसने द्विपक्षीय तनाव के बीच निलंबित कर दिया था। न्यायालय ने कश्मीर क्षेत्र में भारत द्वारा बनाए जा रहे एक जलविद्युत संयंत्र पर निर्माण कार्य सीमित रखने की भी बात कही है। सिंधु जल संधि के तहत पाकिस्तान के करीब 80 प्रतिशत कृषि क्षेत्रों को जल आपूर्ति सुनिश्चित होती है। भारत ने पिछले साल अप्रैल में इस संधि को निलंबित कर दिया था।

भारत ने यह कदम कश्मीर में एक पर्यटन स्थल पर हुए हमले के बाद उठाया था। अप्रैल 2025 में हुए इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। भारत ने हमले में शामिल तीन हमलावरों में से दो को पाकिस्तानी नागरिक बताया था।

सितंबर में सामान्य से कम बारिश का अनुमान

भारत में सितंबर के दौरान सामान्य से कम मानसूनी बारिश होने का अनुमान है। मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने सोमवार को कहा कि अगस्त में देश में बारिश सामान्य से 16 प्रतिशत कम रही, जिससे कृषि उत्पादन और एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की वृद्धि को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने बताया कि सितंबर में बारिश दीर्घकालिक औसत (LPA) के 91 प्रतिशत से कम रहने का अनुमान है। मानसून भारत की अर्थव्यवस्था के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि देश की बड़ी आबादी की आजीविका कृषि पर निर्भर है। बारिश में कमी से फसलों की पैदावार प्रभावित होने के साथ ग्रामीण मांग और आर्थिक गतिविधियों पर भी असर पड़ सकता है।

महंगे कच्चे तेल की आशंका से शेयर में गिरावट

कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और अमेरिका में ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका के बीच भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। निवेशकों की धारणा पर दबाव के साथ बाजार में कुछ शेयरों में तेज उतार-चढ़ाव भी देखने को मिला। देश का प्रमुख सूचकांक निफ्टी 50 0.39 प्रतिशत गिरकर 24,080.40 अंक पर बंद हुआ, जबकि बीएसई सेंसेक्स 0.4 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76,957.27 अंक पर आ गया। अगस्त के दौरान निफ्टी 50 में 1.2 प्रतिशत और सेंसेक्स में 1.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

त्रासदी के 12 दिन पहले चीन किया था अलर्ट; अब तक 955 मौतें

नेपाल से बहकर उत्तर प्रदेश पहुंचे 17 शव

एजेंसी ■ काठमांडू

नेपाल में 26 अगस्त को आई बाढ़ में बहे लोगों के 17 शव उत्तर प्रदेश में गंडक नदी से मिले हैं। इनमें 13 शव कुशीनगर के खड्डा और तमकुही राज तहसीलों में मिले।

वहीं, महाराजगंज से मिले 4 शव को सोमवार को नेपाल प्रशासन को सौंप दिए गए, जिनमें 3 महिलाएं थीं। अधिकारियों के मुताबिक, पहचान न होने पर पोस्टमॉर्टम के दौरान DNA सैंपल लिए गए हैं। उधर, बाढ़ से पहले जरूरी डेटा साझा न करने के आरोपों पर चीन ने कहा कि उसके वर्ल्ड मेट्रोलॉजिकल सेंटर ने 12 दिन पहले ही नेपाल को ईमेल भेजकर भारी बारिश, भूस्खलन और अचानक बाढ़ की चेतावनी दी थी।

नेपाल-तिब्बत में अब तक 955 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें नेपाल में 939 और तिब्बत में 16 मौतें हुई हैं, जबकि 3900 से ज्यादा लोग अब भी लापता हैं।

अमेरिकी दूतावास ने यात्रा से बचने की सलाह दी

नेपाल में अमेरिकी दूतावास ने बाढ़ और भूस्खलन के खतरे को देखते हुए रसुवा जिले के धुंचे गांव के उत्तर में गैर-जरूरी यात्रा टालने की सलाह दी है। दूतावास ने कहा कि 26 अगस्त की बाढ़ के बाद इलाके में सर्च, रेस्क्यू और राहत अभियान जारी है। आने वाले दिनों में भारी बारिश से अचानक बाढ़, भूस्खलन और यातायात बाधित होने का खतरा बना हुआ है।

नेपाल में बाढ़ से मौतों का आंकड़ा 939 पहुंचा

नेपाल में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 939 हो गई है। इससे पहले जारी आंकड़ों में मृतकों की संख्या 903 बताई गई थी। वहीं, लापता लोगों की संख्या में 300 से ज्यादा की कमी आई है। नेपाल की आपदा प्रबंधन एजेंसी के मुताबिक, अब 3,925 लोग लापता हैं। इससे पहले यह संख्या 4,247 थी।

बिश्केक में पीएम मोदी की पुतिन से मुलाकात कहा- भारत शांति के सभी प्रयासों का समर्थक

एजेंसी ■ बिश्केक

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिश्केक में आयोजित शंघाई शहयोग संगठन (एससीओ) समिट में शामिल होने के लिए किर्गिस्तान दौरे पर हैं। इसी बीच, पीएम मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। द्विपक्षीय बैठक की शुरुआत में पीएम मोदी ने यूक्रेन युद्ध को लेकर कहा कि हमें कभी न खत्म होने वाले युद्ध से निकलकर इसके अंत की तरफ बढ़ना होगा, क्योंकि इसी में मानवता की भलाई है।

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन के साथ द्विपक्षीय वार्ता की शुरुआत से पहले कहा, 'मेरे दोस्त आपसे मिलकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। पिछले वर्ष आपकी भारत यात्रा बहुत ही सफल और यादगार रही। हमने कई घंटे साथ में बिताए। विशेष तौर पर रूस की व्यवसायिक दुनिया लेकर यहां आए थे। आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाई और ज्यादा विस्तार देने का काम भी हमारी चर्चा में हुआ। मुझे खुशी है कि हमारी चर्चा का जो परिणाम निकला है, उसे लागू करने के लिए हमारी दोनों टीमें पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।' उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए गहरे संतोष का विषय है कि हमारा सहयोग निरंतर नई ऊंचाइयों पर आगे बढ़ रहा है। दोनों देशों की भलाई के लिए हम मिलकर काम कर रहे हैं। राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखकर आगे बढ़ना हम दोनों की सोच रही है। आगे भी यही हमारा मूलमंत्र होगा। रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर उन्होंने कहा, 'यूक्रेन के विषय पर भी हम चर्चा करते रहे हैं। पिछली बार भी जब हम मिले थे तो आपने विस्तार से मुझे जानकारी दी थी। भारत शांति के सभी प्रयासों का समर्थन करता है और शांति के हर प्रयास के लिए आगे भी समर्थन करता रहेगा। युद्ध में बिताया एक-एक दिन मानवता को पीछे धकेलता है और शांति की तरफ बढ़ाया गया एक-एक कदम नई आशा और उमंगों से भर देती है।'

अन्ना हजारे अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें सोमवार को मुंबई के बॉम्बे अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्हें वायरल संक्रमण के साथ शरीर में पानी की गंभीर कमी और किडनी से जुड़ी समस्या बताई गई है। अन्ना हजारे को उनके गांव के देखभाल करने वाले लोगों के साथ कार्डियक एंबुलेंस से अस्पताल लाया गया। फिलहाल उन्हें अस्पताल के आईसीयू में रखा गया है, जहां डॉक्टर उनकी निगरानी कर रहे हैं।

जेएसएससी ने इंटरमीडिएट स्तर संयुक्त परीक्षा 2023 रद्द की

एजेंसी ■ रांची

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) ने इंटरमीडिएट स्तर (कंप्यूटर ज्ञान एवं कंप्यूटर में हिंदी टंकण अर्हता धारक पद) संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2023 को रद्द कर दिया है। नियमित और बैकलॉग दोनों पदों के लिए होने वाली यह परीक्षा अब नहीं होगी। इसके जरिए राज्य के अलग-अलग विभागों में लिपिक के करीब 836 पदों पर नियुक्ति होनी थी।

जेएसएससी ने कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग की ओर से अधियाचना वापस लिए जाने के बाद यह फैसला लिया है। कार्मिक विभाग ने 29 जुलाई 2026 को आयोग को पत्र भेजकर दोनों परीक्षाओं से संबंधित अधियाचनाएं वापस लेने की जानकारी दी थी। आयोग ने 31 अगस्त को परीक्षा रद्द करने की सूचना जारी की। इस भर्ती के लिए आयोग ने विज्ञापन संख्या 15/2023 और 16/2023 जारी किए थे। दोनों विज्ञापनों के तहत नियमित और बैकलॉग पदों पर नियुक्ति होनी थी। अब इन दोनों विज्ञापनों को भी वापस ले लिया गया है। बताया जा रहा है कि नियमावली में बदलाव के कारण संबंधित विभागों की सहमति से अधियाचनाएं वापस ली गई हैं। नियमावली में बदलाव के बाद भर्ती प्रक्रिया को नए सिरे से शुरू करने की तैयारी है। इसके लिए संबंधित विभागों से फिर से पदों की अधियाचना मंगाई जाएगी। नई अधियाचना मिलने के बाद जेएसएससी की ओर से नया विज्ञापन जारी किया जाएगा। इसमें पदों की संख्या पहले से अधिक हो सकती है। यानी नई भर्ती में लिपिक के 836 से ज्यादा पद शामिल होने की संभावना है।

कौशांबी की पटाखा फैक्ट्री में लगी भीषण आग, 11 की मौत

सीएम योगी ने जताया दुख

एजेंसी ■ कौशांबी

उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले के पिपरी थाना क्षेत्र स्थित मनौरी बाजार में सोमवार को पटाखा फैक्टरी में अचानक आग लगने के बाद हुए भीषण धमाकों से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। इस हादसे में 11 की मौत और पांच घायल हुए हैं।

कौशांबी के जिलाधिकारी अमित पाल शर्मा ने बताया कि राहत एवं बचाव अभियान लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि अभी जो हम लोगों का रेस्क्यू ऑपरेशन मौके पर एनडीआरएफ और एसडीआरएफ का चल रहा है, उसमें लगभग 11 लोगों की मृत्यु की सूचना है और पांच घायल हैं, जिनका उपचार अभी एसआरएन अस्पताल में चल रहा है। इसके साथ-साथ मौके पर अभी भी एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें लगी हुई हैं। अगर कोई भी हमें मिलता है तो उसके तुरंत उपचार की व्यवस्था एसआरएन अस्पताल में की जा चुकी है।' जिलाधिकारी ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का भरोसा देते हुए कहा, 'इसमें जो भी दोषी पाया जाएगा, उस पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। उसके साथ-साथ शासन के निर्देशानुसार सख्त से सख्त कार्रवाई, जैसे कि संपत्ति जब्तीकरण इत्यादि अमल में लाई जाएगी और कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। हादसे के बाद घटनास्थल पर पहुंची प्रशासनिक टीमों ने इलाके को घेरकर राहत-बचाव अभियान तेज कर दिया। पुलिस को आशंका है कि फैक्ट्री और आसपास गिरे मकानों के मलबे में कुछ और लोग फंसे हो सकते हैं। इसी कारण तलाशी अभियान लगातार जारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी घटना पर गहरा दुख जताते हुए अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने तथा घायलों का समुचित उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पीड़ित परिवारों से संपर्क कर उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराने को कहा है। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीण सबसे पहले राहत-बचाव में जुट गए।

मलबे में दबे और झुलसे लोगों को ग्रामीण चारपाई पर रखकर सड़क तक लाते दिखाई दिए। इसके बाद उन्हें वाहनों और एंबुलेंस की मदद से स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल (एसआरएन) पहुंचाया गया। गंभीर रूप से झुलसे लोगों में एक बच्चा भी शामिल है।

तीर तेवर — सागर कुमार

भारत ने सिंधु जल संधि पर 'सीओए' के फैसले को किया खारिज, कहा- फैसला स्वीकार नहीं

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत ने एक बार फिर आईडब्ल्यूटी यानी सिंधु जल संधि को लेकर तथाकथित कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (सीओए) के फैसले को पूरी तरह खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने स्पष्ट कहा कि वो इस निकाय की वैधता को नहीं मानता है, इसलिए फैसले को स्वीकार नहीं करता है।

सोमवार को एमईए ने इस मुद्दे पर बयान जारी किया। साफ शब्दों में कहा गैर-कानूनी तरीके से बनाई गई तथाकथित 'कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन' ने 'सिंधु जल संधि' के तहत अंतरिम उपायों और संधि की स्थिति के बारे में अपना फैसला (जिसे उसने 'अवार्ड' कहा है) सुनाया है। यह तथाकथित कोर्ट विश्व बैंक के संधि की शर्तों का साफ तौर पर उल्लंघन करते हुए बनाया गया था। भारत इसके तथाकथित फैसले को पूरी तरह से खारिज करता है, ठीक वैसे ही जैसे उसने इस गैर-कानूनी संस्था के पहले के सभी फैसलों को सख्ती से खारिज किया है। आगे लिखा है कि भारत ने कभी भी गैर-कानूनी तरीके से बनाई गई इस तथाकथित 'कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन' के कानूनी अस्तित्व को मान्यता नहीं दी है। भारत का हमेशा से यह मानना रहा है कि इस तथाकथित आर्बिट्रल संस्था का गठन ही 'सिंधु जल संधि' का गंभीर उल्लंघन है। इसलिए, भारत कभी भी इस संस्था के सामने पेश नहीं हुआ और न ही उसने इसके पहले के फैसलों को तवज्जो दी। भारत का मत है कि इस तथाकथित 'कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन' को देश के संप्रभु फैसलों पर कोई भी निर्णय लेने का अधिकार नहीं है।

इसके फैसलों का, चाहे अभी हों या भविष्य में, भारत द्वारा चलाई जा रही परियोजनाओं से जुड़े भारत के कामों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। साथ ही 'सिंधु जल संधि' को स्थगित रखने का भारत का निर्णय लागू रहेगा।

पहलगाम की बैसरन घाटी में अप्रैल 2025 में हुए आतंकी हमले के बाद से ही भारत ने संधि को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया था। पाकिस्तान की विचारधारा के खिलाफ देश अपने रुख पे कायम है। स्पष्ट कह चुका है कि 'खून और पानी साथ नहीं बह सकते।'

बाढ़ प्रभावितों के लिए सरकार के राहत अभियान मे तेजी

विश्व केसरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बाढ़ की चुनौती के बीच योगी सरकार ने राहत एवं बचाव कार्यों को प्राथमिकता देते हुए प्रशासनिक मशीनरी को पूरी तरह सक्रिय कर दिया है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के साथ ही उनके लिए भोजन, आश्रय, स्वास्थ्य सुविधाएं और पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था लगातार की जा रही है।

उत्तर प्रदेश राहत आयुक्त कार्यालय के मुताबिक, रविवार तक प्रदेश के 17 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। अब तक प्रदेश में कोई जनहानि नहीं व पशुहानि नहीं होने पाई है। योगी सरकार की निगरानी में राहत कार्य प्रभावित क्षेत्रों में लगातार जारी हैं। वर्तमान में बाढ़ से करीब 1.70 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। ऐसे में सरकार का पूरा जोर प्रभावित आबादी को तत्काल राहत सहायता उपलब्ध कराने और लोगों को सुरक्षित रखने पर है। इसके लिए प्रभावित इलाकों में अब तक कुल 1,633 बाढ़ चौकियां स्थापित की जा चुकी हैं। इन चौकियों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर राहत एवं बचाव गतिविधियों की निगरानी की जा रही है।

बाढ़ जैसी आपदा में सबसे बड़ी जरूरत प्रभावित परिवारों तक भोजन पहुंचाने की है। योगी सरकार ने इस मोर्चे पर भी व्यापक इंतजाम किए हैं। रविवार की स्थिति के मुताबिक 2,024 बाढ़ राहत खाद्यान्न पैकेट और 10,784 लंच पैकेट वितरित किए गए हैं। अब तक कुल 55,572 खाद्यान्न पैकेट और 3.02 लाख लंच पैकेट प्रभावित लोगों तक पहुंचाए जा चुके हैं। इससे राहत शिविरों और प्रभावित क्षेत्रों में रह रहे लोगों को भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिल रही है। प्रशासन द्वारा जरूरत के अनुसार राहत सामग्री का वितरण लगातार किया जा रहा है, ताकि बाढ़ के कारण रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित होने के बावजूद लोगों को भोजन के लिए परेशान न होना पड़े।

राहत कार्यों के साथ सरकार ने प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को भी प्राथमिकता दी है। बाढ़ प्रभावित इलाकों में 200 मेडिकल टीमें गठित की गई हैं। इसके अलावा स्वच्छता और स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए 5,432 क्लोरीन टैबलेट तथा 5,441 ओआरएस पैकेट वितरित किए गए हैं। बाढ़ के दौरान दूषित पानी और संक्रमण से होने वाली बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में मेडिकल टीमों की तैनाती और क्लोरीन टैबलेट तथा ओआरएस के वितरण से प्रभावित आबादी को तत्काल स्वास्थ्य सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। बाढ़ के कारण जिन क्षेत्रों में आवागमन प्रभावित हुआ है, वहां राहत एवं बचाव कार्य के लिए 525 नाव एवं मोटरबोट लगाए गए हैं। इनके माध्यम से जरूरतमंद लोगों तक पहुंच बनाने और प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने का काम किया जा रहा है।

प्रशासन ने बाढ़ प्रभावितों के लिए 254 बाढ़ शरणालय स्थापित किए हैं। इनमें से 46 शरणालय वर्तमान में संचालित हैं। संचालित शरणालयों में 1,151 लोग रह रहे हैं, जबकि अब तक लगभग इतनी ही संख्या में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है। 30 अगस्त की स्थिति के अनुसार प्रदेश के 17 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। इनमें अयोध्या, आजमगढ़, बलिया, बाराबंकी, बदायूं, चित्रकूट, फर्रुखाबाद, हमीरपुर, हरदोई, कासगंज, कन्नौज, कानपुर नगर, लखीमपुर खीरी, मुरादाबाद, संत कबीर नगर, शाहजहांपुर और वाराणसी शामिल हैं।

सीजेपी के 5 सितंबर मार्च पर रोक से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) द्वारा 5 सितंबर को प्रस्तावित विरोध मार्च के खिलाफ कोई अंतरिम आदेश पारित करने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि इस स्तर पर यह मानने का कोई ठोस कारण नहीं है कि इस प्रदर्शन से कानून-व्यवस्था की कोई समस्या उत्पन्न होगी।

सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की पीठ ने प्रस्तावित मार्च को चुनौती देने वाले एक आवेदन पर नोटिस जारी किया, लेकिन मामले को 5 सितंबर से पहले सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया। छात्र विरोध प्रदर्शनों से संबंधित अन्य लंबित मामलों के साथ इस मामले की विस्तृत सुनवाई 10 सितंबर को तय की गई थी। यह आवेदन दिल्ली पुलिस के सेवानिवृत्त अधिकारी राजेंद्र सिंह ने दायर किया था, जिसमें उन्होंने आवश्यक अनुमति के बिना राष्ट्रीय राजधानी के संवेदनशील क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन या विरोध मार्च आयोजित करने पर रोक लगाने के निर्देश देने की मांग की थी।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए अधिवक्ता रिजवान अहमद ने इंडिया गेट से नई दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक निकाले जाने वाले मार्च पर चिंता व्यक्त की। अहमद ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में होने वाले आगामी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को देखते हुए इस प्रदर्शन से कानून-व्यवस्था और सुरक्षा संबंधी चुनौतियां पैदा हो सकती हैं।

रिजवान अहमद ने बताया कि प्रस्तावित प्रदर्शन की घोषणा सोशल मीडिया के माध्यम से की गई थी और उनकी जानकारी के अनुसार, आयोजकों ने अधिकारियों से अनुमति नहीं मांगी थी।

वकील ने यह भी सवाल उठाया कि बिना अनुमति के इस तरह का विरोध प्रदर्शन कैसे किया जा सकता है और अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर कानून और व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने की संभावना पर चिंता व्यक्त की।

मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने यह मानने से इनकार कर दिया कि प्रस्तावित प्रदर्शन के परिणामस्वरूप कोई अप्रिय घटना होगी। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा, 'फिलहाल तो हम यही मानकर चलेंगे और हमें इस पर संदेह करने का कोई कारण नहीं है ।

संक्षिप्त खबरें

कोलकाता बाल विवाह मामला पिता समेत तीन लोग गिरफ्तार

विश्व केसरी

कोलकाता। कोलकाता पुलिस ने बाल विवाह का एक मामला सामने आने के बाद तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें नाबालिग लड़की का पिता, उसका पति और सास शामिल है। यह मामला तब सामने आया, जब लड़की के पिता को पश्चिम बंगाल सरकार की 'कन्यारत्न शिक्षा अनुदान योजना' के तहत वित्तीय सहायता मिलती रही। यह योजना अविवाहित लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने और बाल विवाह को हतोत्साहित करने के उद्देश्य से चलाई जाती है। पुलिस ने नाबालिग लड़की के विवाह, अपहरण और यौन उत्पीड़न के मामले में पति और सास के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम, 2012 की कड़ी धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। कोलकाता के दक्षिणी बाहरी इलाके में स्थित हरिदेवपुर पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने रविवार को तीनों को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, नाबालिग लड़की दक्षिण 24 परगना जिले के नोडाखाली इलाके की रहने वाली है। वह कोलकाता में हरिदेवपुर के एक युवक से मिली थी ।

फतेहगढ़ में शख्स पर बाइक सवार हमलावरों ने चलाई गोली

विश्व केसरी

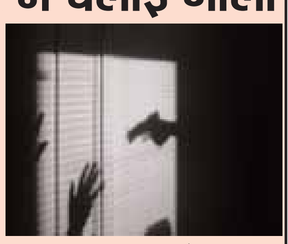

गुरदासपुर। पंजाब के गुरदासपुर जिले में एक शख्स पर जानलेवा हमला हुआ है। इस घटना में व्यक्ति के एक कंधे में गोली लगी। हालत गंभीर होने पर उसे अमृतसर रेफर किया गया है। फिलहाल, पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, गुरदासपुर जिले के फतेहगढ़ चूड़ियां में अजनाला रोड पर मोटरसाइकिल सवार दो लोगों ने व्यक्ति को रोककर गोली मारी। घायल की पहचान अमरजीत सिंह के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। डीएसपी ललित कुमार और फतेहगढ़ चूड़ियां पुलिस स्टेशन के प्रमुख ने भी घटनास्थल की निरीक्षण किया। इसके बाद जांच को आगे बढ़ाया गया। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब पिछले दिनों पंजाब की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मनजीत कौर को कथित तौर पर अपहरण के बाद पेड़ से बांधकर जिंदा जला दिया गया था। 26 अगस्त को चंडीगढ़ पीजीआई में इलाज के दौरान मनजीत कौर की मौत हो गई। पीड़िता की मां की शिकायत के अनुसार, मनजीत कौर को 3 जुलाई को चंडीगढ़ के सेक्टर 34 में शराब की दुकान के पास दो परिचितों से मिलने के लिए बुलाया गया था।

साइकिल खरीद घोटाले को लेकर 'आप' का प्रदर्शन, एफआईआर दर्ज करने की मांग

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली में स्कूली छात्राओं को वितरित की गई साइकिलों की खरीद में करोड़ों रुपए के घोटाले को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने सोमवार को दिल्ली सचिवालय के बाहर प्रदर्शन किया।

'आप' के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन करते हुए दिल्ली सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने कथित साइकिल खरीद घोटाले की जांच कराने, एफआईआर दर्ज करने और शिक्षा मंत्री आशीष सूद को तत्काल बर्खास्त करने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि बाजार में करीब 4 हजार रुपए में मिलने वाली साइकिलों को दिल्ली सरकार ने करीब 7 हजार रुपए प्रति साइकिल की दर से खरीदा।

उनका दावा है कि सरकार ने करीब 1.30 लाख साइकिलों की खरीद की, जिससे सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ और सरकार तथा ठेकेदार की मिलीभगत से करीब 40 करोड़ रुपए के कमीशन का खेल हुआ। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आम आदमी पार्टी की ओर से इस मामले में भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) में शिकायत की गई है, लेकिन अब तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है।

भारद्वाज के मुताबिक, आप नेता सोमवार को मुख्यमंत्री से मुलाकात करने के लिए सचिवालय पहुंचे थे, लेकिन मुलाकात नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि अब पार्टी मंगलवार को उपराज्यपाल से मुलाकात कर साइकिल खरीद समेत अन्य कथित घोटालों में कार्रवाई की मांग करेगी। सौरभ भारद्वाज ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और शिक्षा मंत्री आशीष सूद पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार को पूरे मामले की तत्काल जांच करानी चाहिए।

असम में मवेशी तस्करी के खिलाफ कार्रवाई, 33 तस्कर गिरफ्तार

विश्व केसरी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोमवार को कहा कि पुलिस ने मवेशी तस्करों के खिलाफ एक साथ तीन जगहों पर अभियान चलाया। इस कार्रवाई में 22 वाहन जब्त किए गए, 298 मवेशियों को बचाया गया और 33 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए तस्करों को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा, 'सुन लो मवेशी तस्करों, असम की धरती पर मवेशी तस्करी के लिए कोई जगह नहीं है।' हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि तीन अलग-अलग स्थानों पर एक साथ चलाए गए इन अभियानों से यह साफ हो गया है कि राज्य सरकार मवेशी तस्करी को रोकने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी।

तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे 22 वाहनों को जब्त किया गया। पुलिस ने 298 मवेशियों को बचाया और इस मामले में 33 लोगों को गिरफ्तार किया। सीएम सरमा ने असम पुलिस की सराहना करते हुए कहा कि इस कार्रवाई ने स्पष्ट संदेश दिया है कि राज्य में अब मवेशी तस्करी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह अभियान सरकार के मवेशियों की सुरक्षा के संकल्प का भी हिस्सा है। राज्य सरकार लगातार मवेशियों को बचाने और अवैध तस्करी रोकने के लिए कदम उठा रही है।

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में आतंकियों के ठिकाने का भांडाफोड़

विश्व केसरी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सोमवार को संयुक्त सुरक्षा बलों ने आतंकियों के एक ठिकाने का भंडाफोड़ किया और ऑपरेशन के दौरान हथियार और गोला-बारूद बरामद किए।

अधिकारियों ने बताया कि यह संयुक्त ऑपरेशन जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना की 44 राष्ट्रीय राइफल्स और सीआरपीएफ ने जिले के नाइकपोरा मेमेंडर इलाके में खास जानकारी मिलने के बाद शुरू किया था।

अधिकारियों ने कहा, 'एक बाग वाले इलाके में तलाशी के दौरान, टीम ने एक ठिकाने का पता लगाया और हथियार व गोला-बारूद बरामद किए, जिनमें एक एके-47, दो एके-47 मैगजीन, 7.62 एमएम के 60 राउंड गोला-बारूद, एक पिस्तौल, एक ग्रेनेड और 9 एमएम के 6 राउंड गोला-बारूद शामिल हैं। अधिकारियों ने आगे कहा, बरामद हथियारों के स्रोत और उनके संभावित इस्तेमाल का पता लगाने के लिए आगे की जांच शुरू कर दी गई है। सुरक्षा बलों ने हाल ही में दक्षिण कश्मीर के कुलगाम, अनंतनाग और शोपियां जिलों में सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच कई बड़े एंटी-मिलिटेंसी ऑपरेशन और घेराबंदी अभियान चलाए हैं।

कुलगाम जिले में, हाई-टेक सर्विलांस उपकरणों और खास बलों का इस्तेमाल करते हुए अखल देवसर और गुद्दार के जंगली इलाकों में संयुक्त ऑपरेशन चलाए गए। गर्मियों की शुरुआत में हुई मुठभेड़ों में भी कई आतंकवादी मारे गए थे। अनंतनाग में आतंकवादियों की गतिविधियों के बारे में खुफिया जानकारी मिलने के बाद अचाबल और कोकरनाग (अहलान गगरमांडू जंगल) इलाकों में ऑपरेशन चलाए गए ।

उपराष्ट्रपति ने लक्षद्वीप में 'मिशन रंगीन मछली 2031' किया लॉन्च, मत्स्य पालन को मिलेगा नया आयाम

विश्व केसरी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी. राधाकृष्णन ने सोमवार को लक्षद्वीप के अगात्ती में मत्स्य पालन आउटरीच कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने सजावटी मछली पालन के विकास के लिए रणनीतिक कार्य योजना 'मिशन रंगीन मछली 2031' जारी की और मत्स्य पालन क्षेत्र के लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी लाभ और सहायता वितरित की।

सभा को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने इस मौके को लक्षद्वीप के लिए एक ऐतिहासिक दिन और भारत की 'नीली क्रांति' में एक नया मील का पत्थर बताया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन का जिक्र करते हुए कहा कि भारत के राष्ट्रीय ध्वज में बना नीला चक्र 'नीली क्रांति' और समुद्री अर्थव्यवस्था की संभावनाओं को दर्शाता है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत का मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्र अर्थव्यवस्था के एक प्रमुख उभरते हुए क्षेत्र के रूप में सामने आया है।

सीपी. राधाकृष्णन ने कहा कि सरकार लोगों के उसके पास आने का इंतजार करने के बजाय, सीधे मछली पकड़ने वाले समुदायों तक मदद और योजनाएं पहुंचाकर शासन व्यवस्था में बदलाव ला रही है।

जिला कृषि कार्यालय ने किसानों को यूरिया और बायो-फर्टिलाइजर बांटे

विश्व केसरी

चुराचांदपुर। मणिपुर में चुराचांदपुर के जिला कृषि कार्यालय ने सोमवार को जिले के किसानों को यूरिया और बायो-फर्टिलाइजर बांटे। वितरण का काम सुबह लगभग 11 बजे जिला कृषि कार्यालय में शुरू हुआ, जहां सिर्फ रजिस्टर्ड किसानों को सब्सिडी वाली दरों पर फर्टिलाइजर दिए गए।

जिला कृषि अधिकारी (प्रभारी) सुथियानलाल ने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि कार्यालय अब तक यूरिया के लगभग 2000 बैग और बायो-फर्टिलाइजर के 1900 बैग बांट चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि वितरण इस बात पर निर्भर करता है कि हेड ऑफिस से कितना स्टॉक मिला है।

जिला कृषि अधिकारी ने कहा कि इस साल हम फर्टिलाइजर के संतुलित इस्तेमाल को लेकर अलग-अलग कैंप और अभियान चला रहे हैं। पिछले साल, जब विभाग ने बहुत ज्यादा फर्टिलाइजर बांटे थे, तो कुछ लोगों ने उनका बहुत ज्यादा गलत इस्तेमाल किया था। इस बार हम कुछ पाबंदियां लगाना चाहते हैं क्योंकि मिट्टी की जांच और किसानों द्वारा इस्तेमाल के तरीके को देखने पर हमें लगा कि इस्तेमाल कुछ ज्यादा ही हो रहा है। इसलिए, हम किसानों से अपील करना चाहते हैं कि वे फर्टिलाइजर का संतुलित इस्तेमाल करें।

इस सिलसिले में, हमारे विभाग ने जिला प्रशासन और दूसरे संबंधित विभागों के साथ मिलकर पिछले कुछ दिनों में बायो-फर्टिलाइजर और माइक्रोन्यूट्रिएंट्स भी उपलब्ध कराए हैं। हम अलग-अलग कैंप और अभियान चलाते रहे हैं और उस दौरान समय-समय पर किसानों को कुछ बायो-फर्टिलाइजर भी बांटते रहे हैं।

और हम किसानों को कृषि कार्यालय बुलाकर उन्हें फर्टिलाइजर के संतुलित इस्तेमाल के आधार पर खेती करने की ट्रेनिंग भी देते थे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 7)
:: मंगलम काम्पलेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर : : -
Email ID - rmczone7@gmail.com
पत्र क्रं /...34891/ न. पा. नि. जोन क्रं 7/2026
रायपुर, दिनांक 31-08-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34891
वार्ड का नाम 22 - पं. ईश्वरी चरण शुक्ल वार्ड
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 22 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR569M00177 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती, RAIPUR NIRMAN PRIVATE LTD. SANCHALAK ALOK SINGH पिता/पति श्री श्रीमती LT. DHARAM VEER SINGH के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती तमन्ना थुण्पड पिता/पति श्री श्रीमती स्व सुभाष धुण्पड ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 7)
-: : मंगलम काम्पलेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर ::-
Email ID - rmczone7@gmail.com
पत्र क्रं /...34938/ न. पा. नि. जोन क्रं 7/2026
रायपुर, दिनांक 31-08-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34938
वार्ड का नाम 23 शहीद मनमोहन सिंह बक्शी वार्ड
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 23 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. RPR812D0538L जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती 01. ISHWAR SAHU S/O SITARAM SAHU 02. MOHAMMAD FIROZ AALAM पिता/पति श्री श्रीमती MOHAMMAD KHURSHID AALAM के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती anwar hussain पिता/पति श्री/श्रीमती haidar ali ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पक्षात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी 7 जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।
सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 7)
- : : मंगलम काम्पलेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर ::-
Email ID - rmczone7@gmail.com
पत्र क्रं /...34889/ न. पा. नि. जोन क्रं 7/2026
रायपुर, दिनांक 31-08-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34889
वार्ड का नाम 38 - स्वामी आत्मानंद वार्ड
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 38 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR715D00127 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती ASMITA MUNJE D/O CHINTAMANI KAVATHEKAR 02. GEETA JOSHI D/O CHINTAMANI KAVATHEKAR 03. APARNA SEVALKAR D/O CHINTAMANI KAVATHEKAR पिता/पति श्री श्रीमती.. के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती शिखा अग्रवाल पिता /पति श्री श्रीमती आनंद अग्रवाल ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पक्षात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 7)
- : : मंगलम काम्पलेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर ::-
Email ID - rmczone7@gmail.com
पत्र क्रं /...34888/ न. पा. नि. जोन क्रं 7/2026
रायपुर, दिनांक 31-08-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34888
वार्ड का नाम 38 - स्वामी आत्मानंद वार्ड
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 38 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR715E00281 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती RAVI AGARWAL पिता/पति श्री श्रीमती LATE. PURUSHOTTAM DAS AGARWAL के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती सोनल अग्रवाल पिता/पति श्री श्रीमती राज अग्रवाल ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 3)
- : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः :
Email ID - rmczone3@gmail.com
पत्र क्रं /....34921.... / न. पा. नि. / जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 31-08-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34921
वार्ड का नाम - 12 - कालीमाता वार्ड
एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 12 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR330C00014 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती VINOD WADHWA पिता / पति श्री/श्रीमती DESHRAJ के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्रीमती मीना नथवाणी पिता / पति श्री/श्रीमती पति रजनीकांत नथवाणी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।
सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

किरेन रिजिजू की सर्बिया के विदेश मंत्री से मुलाकात, द्विपक्षीय सहयोग को गहरा करने पर चर्चा

विश्व केसरी■

बेलग्रेड। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को बेलग्रेड में सर्बिया के विदेश मंत्री मार्को ड्यूरिक से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत-सर्बिया के पुराने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की और आपसी हितों के क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने की संभावनाओं पर चर्चा की।

मुलाकात के बाद रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'बेलग्रेड में सर्बिया के विदेश मंत्री मार्को ड्यूरिक के साथ गर्मजोशी और सार्थक मुलाकात हुई। भारत और सर्बिया के बीच लंबे समय से चली आ रही मित्रता पर चर्चा की और द्विपक्षीय संबंधों व आपसी हित के क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने पर विचारों का आदान-प्रदान किया।'

किरेन रिजिजू गुटनिरपेक्ष आंदोलन (एनएएम) के पहले शिखर सम्मेलन की 65वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित उच्च स्तरीय स्मारक बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं।

यह बैठक 31 अगस्त से 1 सितंबर तक 'गुटनिरपेक्षता की विरासत : आज की दुनिया के लिए सबक' थीम पर आयोजित हो रही है। इससे पहले रविवार को रिजिजू ने बेलग्रेड में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और भारतीय समुदाय के लोगों से बातचीत की। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने में उनके योगदान की सराहना की। भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ बातचीत के दौरान, रिजिजू की मुलाकात एक प्रवासी सदस्य से हुई। महिला ने 1960 के दशक में एक प्रोग्राम के जरिए सर्बिया की अपनी पहली यात्रा को याद किया। उस दौरान सर्बिया यूगोस्लाविया के नाम से जाना जाता था।

उन्होंने कहा, मैं पहली बार एक प्रोग्राम के तहत आई थी। यह 1966-67 की बात है।' जब उनसे इस प्रोग्राम के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'यह भारत और यूगोस्लाविया के बीच था, इसने मुझे यहां (भारत) पहुंचाया और मैं यहीं बस गई। केंद्रीय मंत्री ने भारतीय समुदाय के अन्य सदस्यों से उनकी सांस्कृतिक गतिविधियों के बारे में भी बात की और इस क्षेत्र में भारतीय भोजन की लोकप्रियता का जिक्र किया। उन्होंने संक्षिप्त बैठक समाप्त करने से पहले भारतीय समुदाय के बच्चों से भी बातचीत की।

नेपालः बीएपीएस ने बढ़ाया मदद का हाथ, जरूरतमंदों तक पहुंचा रहा राहत सामग्री

विश्व केसरी■

काठमांडू। नेपाल के भोटेकोशी इलाके में आई बाढ़ कहर बनकर टूटी। जान-माल की भारी हानि हुई। देश-दुनिया के लोग आपदा पीड़ितों की मदद के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। इसी तरह दुनिया भर में मानवता, चरित्र निर्माण, पारिवारिक सद्भाव, चिकित्सा, शिक्षा और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण को समर्पित बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था (बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था) ने भी हजारों लोगों की उम्मीदों को जगाने का काम किया है। संस्था ने जरूरतमंदों को इमरजेंसी राहत और मानवीय सेवाएं मुहैया करानी शुरू कर दी है।

मूल सिद्धांत 'दूसरों के सुख में ही हमारा सुख है' से प्रेरणा ले संस्था से जुड़े कार्यकर्ता और साधक पीड़ितों तक जरूरी सामान पहुंचाने की कोशिश में लगे हैं। वहीं, महंत स्वामी महाराज ने दुनिया भर के बीएपीएस

स्वामियों, स्वयंसेवकों और भक्तों के साथ मिलकर, इस प्राकृतिक आपदा पीड़ित लोगों और समुदायों के जल्द उबरने व पुनर्वास की दिल से प्रार्थना की है।

संस्था के अनुसार, इस आपदा ने रोजमर्रा की जिंदगी को बुरी तरह प्रभावित किया है। इससे कई परिवारों को भोजन, कपड़े, दवाइयों और अन्य जरूरी चीजों की तत्काल आवश्यकता है। संकट की घड़ी में बीएपीएस नेपाल के स्वयंसेवकों ने चावल, दाल, खाना पकाने का तेल, खाद्य सामग्री, दवाइयां, कंबल और महिलाओं-बच्चों के लिए कपड़े जैसी जरूरी राहत सामग्री का इंतजाम कर वितरण शुरू कर दिया है। राहत कार्य काठमांडू में जिला प्रशासन कार्यालय के साथ मिलकर किए जा रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मदद जरूरतमंदों तक पहुंच सके।

वैसे ये पहली बार नहीं है कि बीपीएएस विपदा काल में मदद का हाथ बढ़ा रहा हो।

पुणे में अमित ठाकरे और 20-25 कार्यकर्ताओं पर केस दर्ज, कॉलेज कार्यालय में हंगामे का आरोप

विश्व केसरी■

पुणे। महाराष्ट्र नवनिर्माण विद्यार्थी सेना के अध्यक्ष अमित राज ठाकरे और उनके साथ 20 से 25 पदाधिकारियों, छात्रों और कार्यकर्ताओं के खिलाफ पुणे के चतुरश्रृंगी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

यह मामला गणेशखिंड स्थित शासकीय तंत्रनिकेतन (राजकीय पॉलिटेक्निक) में कथित रूप से बिना अनुमति प्रवेश करने, हंगामा करने और धमकी देने के आरोप में दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता डॉ. राजेंद्र काशिराम पाटील ने शिकायत में आरोप लगाया है कि 31 अगस्त को दोपहर करीब 12.30 से 1.15 बजे के बीच अमित ठाकरे अपने समर्थकों के साथ कॉलेज परिसर में पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने बिना अनुमति कॉलेज के कार्यालय में प्रवेश किया और वहां लगा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फोटो निकालकर अपने साथ ले गए।

शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि अमित ठाकरे और उनके साथ मौजूद लोगों ने कॉलेज के अधिकारियों और कर्मचारियों को धमकाया, कार्यालय में कुछ समय तक रुके और जोर-जोर से नारे लगाकर हंगामा किया। इसके बाद डॉ. पाटील ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने अमित राज ठाकरे और 20 से 25 अज्ञात पदाधिकारियों, छात्रों व कार्यकर्ताओं के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं और महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की धारा 120 के तहत मामला दर्ज किया है।

चतुरश्रृंगी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक उत्तम भजनावळे ने आईएएनएस से कहा कि मामले की जांच जारी है। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बिहार की सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं को गति देने की मांग, सीएम ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री से की मुलाकात

विश्व केसरी■

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से मुलाकात कर राज्य की लंबित सिंचाई, जल संसाधन और बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं को तेजी से मंजूरी देने तथा केंद्रीय सहायता उपलब्ध कराने का आग्रह किया।

बैठक में उपमुख्यमंत्री सह जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री के समक्ष कोसी-मेची अंतर्राज्यीय नदी जोड़ परियोजना सहित केंद्र के बजट में घोषित कई योजनाओं की प्रगति का मुद्दा उठाया।

उन्होंने कहा कि बिहार सरकार की ओर से 16,339.18 करोड़ रुपये की परियोजनाओं के विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन केंद्र को उपलब्ध कराए गए हैं, लेकिन अब तक इनमें केवल दो परियोजनाओं को मंजूरी मिली है। कोसी-मेची अंतर्राज्यीय नदी जोड़ परियोजना

पर विशेष चर्चा हुई। करीब 3,652.56 करोड़ रुपये की इस परियोजना का उद्देश्य कोसी बेसिन के अतिरिक्त पानी का बेहतर इस्तेमाल कर उत्तर बिहार में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार करना है। परियोजना के पहले चरण के लिए 2025-26 में 395.41 करोड़ और 2026-27 में 570 करोड़ रुपये का प्रावधान है। हालांकि, अब तक 156.745 करोड़ रुपये ही प्राप्त हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने शेष राशि जल्द जारी करने और दूसरे चरण के डीपीआर को मंजूरी देने का अनुरोध किया। सम्राट चौधरी ने सिकरहना दायां तटबंध निर्माण योजना के लिए केंद्रीय सहायता जल्द उपलब्ध कराने की मांग भी की। 125.08 करोड़ रुपये के केंद्रीय अंश वाली इस योजना की संबंधित केंद्रीय समिति पहले ही अनुशंसा कर चुकी है। इसके अलावा सिंचाई क्षेत्र की तीन और बाढ़ प्रबंधन क्षेत्र की 15 परियोजनाओं की स्वीकृति में तेजी लाने की मांग की गई।

बैठक में पश्चिमी कोसी नहर परियोजना के विस्तार, नवीनीकरण और आधुनिकीकरण की भी समीक्षा हुई। बिहार सरकार ने इसके लिए 8,338.89 करोड़ रुपये का डीपीआर केंद्रीय जल आयोग को भेजा है। राज्य सरकार ने अपने संसाधनों से 3,484.24 करोड़ रुपये के पहले चरण का काम शुरू कर दिया है और अब केंद्रीय सहायता की अपेक्षा की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय बजट 2026-27 में इंद्रपुरी जलाशय परियोजना, सोन-फल्गु नदी जोड़ परियोजना और सारण जिला बाढ़ नियंत्रण एवं जलनिकासी परियोजना के पहले चरण को शामिल करने का आग्रह किया। सारण परियोजना की अनुमानित लागत 1,350.95 करोड़ रुपये है।

मध्य प्रदेश में हायर सेकेंडरी में 75 प्रतिशत अंक हासिल करने वालों को मिलेगी लैपटॉप की राशि

विश्व केसरी■

भोपाल। मध्य प्रदेश में माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित की जाने वाली हायर सेकेंडरी परीक्षा में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक हासिल करने वाले छात्र-छात्राओं के लिए मंगलवार का दिन महत्वपूर्ण रहने वाला है क्योंकि इस दिन इन मेधावी छात्रों को लैपटॉप खरीदने के लिए 25 - 25 हजार रुपए की राशि ट्रांसफर की जाएगी।

आधिकारिक तौर पर दी गई जानकारी में बताया गया है कि मंगलवार को राजधानी के कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित होने वाले समारोह में कक्षा 12वीं में प्रथम प्रयास में 75 प्रतिशत या अधिक अंक पाने वाले प्रदेश के लगभग 1 लाख 22 हजार विद्यार्थियों को लैपटॉप खरीदने के लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव सिंगल क्लिक से 25-25 हजार रुपये की राशि का अंतरण करेंगे।

दरअसल, प्रदेश सरकार की यह पहल प्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए आवश्यक डिजिटल संसाधन उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। लैपटॉप के माध्यम से विद्यार्थी ऑनलाइन अध्ययन, डिजिटल पाठ्य सामग्री, ई-लर्निंग और अन्य तकनीकी संसाधनों का उपयोग कर अपनी शिक्षा को और बेहतर बना सकेंगे।

प्रदेश सरकार द्वारा विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने और उन्हें डिजिटल तकनीक से जोड़ने के उद्देश्य से स्कूल शिक्षा विभाग के माध्यम से प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना चलाई जा रही है। इसके अंतर्गत कक्षा 12वीं की परीक्षा में पहले ही प्रयास में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रत्येक पात्र विद्यार्थी को लैपटॉप खरीदने के लिए 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है।

प्रदेश सरकार द्वारा योजना के अंतर्गत इस वर्ष प्रदेश के लगभग 1 लाख 22 हजार विद्यार्थियों को लाभान्वित किया जा रहा है।

बेल्जियम के प्रधानमंत्री पहले आधिकारिक दौरे पर आएंगे भारत, पीएम मोदी के साथ करेंगे द्विपक्षीय वार्ता

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर 2 से 4 सितंबर तक भारत के आधिकारिक दौरे पर आएंगे। इस दौरान वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे।

विदेश मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि 3 सितंबर को होने वाली बैठक में बार्ट डी वेवर और पीएम मोदी द्विपक्षीय संबंधों के पूरे आयाम के साथ-साथ आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। बार्ट डी वेवर भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के संदर्भ में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के एक बिजनेस कार्यक्रम में मुख्य भाषण भी देंगे।

पिछले साल फरवरी में पदभार ग्रहण करने के बाद यह बार्ट डी वेवर की पहली भारत यात्रा होगी। बेल्जियम के रक्षा मंत्री थियो फ्रैंकेन भी प्रतिनिधिमंडल में शामिल होंगे। नई दिल्ली में अपने कार्यक्रम समाप्त करने के बाद बार्ट डी वेवर मुंबई जाएंगे, जहां वह हीरा, बंदरगाह और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ बातचीत करेंगे।

विदेश मंत्रालय ने बताया, 'यह यात्रा भारत-बेल्जियम साझेदारी को और मजबूत करने और व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, कनेक्टिविटी और लोगों के बीच संबंधों सहित आपसी हित के क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने के साथ-साथ भारत-यूरोपीय संघ और भारत-यूरोप संबंधों को और गहरा करने का अवसर प्रदान करेगी।'

पिछले महीने विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और उनके बेल्जियम समकक्ष मैक्सिम प्रीवोट ने ब्रसेल्स में मुलाकात की थी और राजनीतिक, आर्थिक, निवेश, स्वच्छ ऊर्जा, रक्षा, मोबिलिटी और फार्मास्यूटिकल क्षेत्रों सहित द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की थी। दोनों मंत्रियों ने पश्चिम एशिया सहित वैश्विक घटनाक्रमों पर भी चर्चा की। यह चर्चा 15 जुलाई को ब्रसेल्स में उद्घाटन भारत-बेल्जियम रणनीतिक वार्ता के दौरान हुई थी।

पीएम मोदी के 25 साल की सेवा यात्रा को जन-जन तक पहुंचाएगी भाजपा, 17 सितंबर से 'सेवा संकल्प' अभियान

विश्व केसरी■

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की सेवा, सुशासन और राष्ट्र निर्माण की यात्रा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए भाजपा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक पूरे उत्तर प्रदेश में 'सेवा संकल्प अभियान' चलाएगी। अभियान के जरिए सरकार की योजनाओं से आम लोगों के जीवन में आए बदलाव की 'सक्सेस स्टोरी' जनता तक पहुंचाने के साथ सेवा और जनकल्याण के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पार्टी कार्यकर्ताओं से अभियान को महज कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रखने का आह्वान करते हुए कहा कि हर बूथ और शक्ति केंद्र पर सरकार की योजनाओं से लाभान्वित लोगों की ऐसी कहानियां मौजूद हैं, जो बदलते भारत और उत्तर प्रदेश की तस्वीर पेश करती हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं के बीच वर्ष 2014 से पहले के देश और वर्ष 2017 से पहले के उत्तर प्रदेश की स्थिति तथा वर्तमान बदलाव को

तथ्यों के साथ रखा जाए।

योगी ने कहा कि प्रदेश में करीब 9.30 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है और अगले छह माह में करीब एक लाख और नियुक्तियां देने की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। स्टार्टअप की संख्या करीब 120 से बढ़कर 24 हजार हो गई है। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में हुए बदलावों को भी अभियान की 'सक्सेस स्टोरी' बनाने का आह्वान किया। सपा पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी में माफिया मिट्टी में मिल गए, लेकिन कुछ लोग उनके लिए फातिया पढ़ते और आंसू बहाते हैं। इंसेफेलाइटिस से मरने वाले गरीब बच्चों और बेटियों की सुरक्षा के लिए उन्होंने कभी आंसू नहीं बहाए।

भाजपा की राष्ट्रीय महामंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन की सबसे बड़ी विशेषता सत्ता नहीं, बल्कि सेवा, संकल्प और परिणाम की राजनीति रही है। उन्होंने अभियान के 13 कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए कार्यकर्ताओं से इसे जनभागीदारी का व्यापक अभियान बनाने का आह्वान किया।

प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल उपलब्धियां गिनाना नहीं, बल्कि इनसे आम नागरिकों के जीवन में आए बदलाव की वास्तविक कहानियों को समाज के सामने रखना है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने भी कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक पहुंचकर लाभार्थियों से संवाद करने का आह्वान किया।

यूपी सरकार ने उत्कृष्ट शिक्षकों को दिया राज्य स्तरीय सम्मान, राज्य अध्यापक पुरस्कार-2025 के लिए 61 शिक्षकों का चयन

विश्व केसरी■

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा विभाग ने राज्य अध्यापक पुरस्कार-2025 के लिए 61 शिक्षक-शिक्षिकाओं के नामों का अनुमोदन किया है। राज्य स्तरीय चयन समिति की संस्तुति के आधार पर चयनित शिक्षक प्रदेश के विभिन्न जनपदों के विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता, बच्चों की सीख और विद्यालयी व्यवस्था को मजबूत करने में योगदान दे रहे हैं।

राज्य स्तरीय चयन समिति की बैठकों में विभिन्न जनपदों से प्राप्त प्रस्तावों पर विचार के बाद इन 61 शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के नाम अनुमोदित किए गए हैं।

शासन द्वारा जारी सूची में प्रत्येक शिक्षक का नाम, पदनाम, विद्यालय और विकासखंड का विवरण दर्ज है। यह पहल विद्यालयों में बेहतर शिक्षण, नवाचार और विद्यार्थियों की सीख को केंद्र में रखकर कार्य करने वाले शिक्षकों को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

चयनित शिक्षकों में प्रदेश के विभिन्न जनपदों के शिक्षक शामिल हैं। आगरा से संगीता शर्मा, अलीगढ़ से अमर सिंह, अम्बेडकर नगर से राम मिलन गुप्ता, अमरोहा से गीता वर्मा, अयोध्या से पंकज कुमार द्विवेदी, आजमगढ़ से प्रदीप कुमार सिंह, बहराइच से प्रीति मिश्रा, बलिया से अजीत कुमार श्रीवास्तव, बलरामपुर से सलमा खान और बाराबंकी से राहुल कुमार शुक्ल चयनित हुए हैं। इसी क्रम में भदोही से ऊर्मिला देवी, बिजनौर से रचना कपूर, बदायूं से किरन देवी, बुलंदशहर से जूली मलिक, चंदौली से उषा सिंह, चित्रकूट से हरीशंकर त्रिपाठी, एटा से ओमबीर सिंह, इटावा से वीरेंद्र सिंह, फर्रुखाबाद से गीता वर्मा और फतेहपुर से आनंद कुमार मिश्र शामिल हैं।

संपादकीय

नूतन नेतृत्व, नई ऊर्जा और 2047 का संकल्प

शताब्दी सुबोध पांडे

भारतीय जनता पार्टी का संगठन केवल चुनाव जीतने वाला राजनीतिक संगठन नहीं है। यह विचार, कार्यकर्ता, संगठनात्मक अनुशासन और राष्ट्रहित के संकल्प पर आधारित एक निरंतर चलने वाली व्यवस्था है। भाजपा की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि यहां नेतृत्व में परिवर्तन होता है, लेकिन संगठन की यात्रा निरंतर आगे बढ़ती रहती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश ने विकास, आत्मनिर्भरता और विकसित भारत के संकल्प को नई गति दी है। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य केवल सरकार का कार्यक्रम नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की सामूहिक आकांक्षा है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए राजनीतिक नेतृत्व के साथ-साथ सशक्त और सक्षम संगठन का निर्माण भी आवश्यक है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन जी के नेतृत्व में गठित नई राष्ट्रीय टीम को इसी व्यापक दृष्टि से देखा जाना चाहिए। इसमें अनुभव और नई ऊर्जा का समन्वय दिखाई देता है। अनुभवी नेताओं का मार्गदर्शन और नई पीढ़ी की सक्रियता—दोनों मिलकर संगठन को अधिक व्यापक और प्रभावी बनाने की दिशा में आगे बढ़ा सकते हैं।

भाजपा की शक्ति केवल उसके शीर्ष नेतृत्व में नहीं, बल्कि बूथ स्तर तक जुड़े उस कार्यकर्ता में है जो बिना किसी पद की अपेक्षा के संगठन और राष्ट्र के लिए कार्य करता है। यही कारण है कि भाजपा में नेतृत्व निर्माण एक निरंतर प्रक्रिया है। युवा कार्यकर्ताओं को दायित्व देना, उन्हें प्रशिक्षित करना और अनुभव के साथ आगे बढ़ाना संगठन की स्वाभाविक कार्यपद्धति है।

आज आवश्यकता केवल नए चेहरों की नहीं, बल्कि नई दृष्टि और नई कार्यक्षमता की है। आने वाली पीढ़ी के नेतृत्व में नीति-निर्माण की समझ, तकनीकी क्षमता, सामाजिक समरसता की दृष्टि, ग्रामीण भारत की समझ, वनवासी क्षेत्रों की संवेदनशीलता और भारत की विविधता को साथ लेकर चलने की क्षमता होनी चाहिए।

2047 का भारत केवल आर्थिक रूप से समृद्ध भारत नहीं होगा। वह ऐसा भारत होगा जिसमें प्रत्येक नागरिक को विकास का अवसर मिले, प्रत्येक क्षेत्र प्रगति की मुख्यधारा से जुड़े और समाज में समरसता तथा राष्ट्रीय एकता और अधिक मजबूत हो।

इसीलिए भाजपा का संगठन आज से ही भविष्य के नेतृत्व का निर्माण कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने जिस विकसित भारत का संकल्प देश के सामने रखा है, उसकी सफलता के लिए आवश्यक है कि संगठन में अनुभव का लाभ भी मिले और नई पीढ़ी को पर्याप्त अवसर भी प्राप्त हों।

महिलाओं की बढ़ती भागीदारी भी इसी परिवर्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है। भारतीय राजनीति में महिलाओं की भूमिका लगातार बढ़ रही है। भाजपा ने महिलाओं को नेतृत्व और संगठन में आगे बढ़ाने की दिशा में निरंतर कार्य किया है। आने वाले समय में महिला नेतृत्व की और व्यापक भागीदारी विकसित भारत के निर्माण को अधिक समावेशी बनाएगी।

भाजपा के लिए संगठन का विस्तार अपने आप में अंतिम लक्ष्य नहीं है। संगठन का उद्देश्य राष्ट्रसेवा है। जनता के विश्वास को बनाए रखना, जनहित के विषयों पर निरंतर कार्य करना और सरकार की उपलब्धियों को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही संगठन की वास्तविक कसौटी है।

इसलिए नूतन राष्ट्रीय टीम को केवल पदाधिकारियों की नई सूची के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह अनुभवी मार्गदर्शन, युवा ऊर्जा और संगठनात्मक निरंतरता के समन्वय का अवसर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत जिस परिवर्तनकारी यात्रा पर आगे बढ़ रहा है, भाजपा का संगठन उसी यात्रा को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है।

आज का प्रश्न यह नहीं है कि कौन आया और कौन गया। वास्तविक प्रश्न यह है कि संगठन ने राष्ट्र निर्माण के लिए कितनी नई ऊर्जा तैयार की और आने वाली पीढ़ी को कितनी जिम्मेदारी दी।

भाजपा का उत्तर स्पष्ट है—नेतृत्व व्यक्ति-केंद्रित नहीं, विचार-केंद्रित है; संगठन पद-केंद्रित नहीं, कार्यकर्ता-केंद्रित है और लक्ष्य केवल आज की सफलता नहीं, बल्कि 2047 का विकसित, समर्थ, आत्मनिर्भर और विश्वगुरु भारत है।

यही नूतन नेतृत्व का अर्थ है—अनुभव से मार्गदर्शन, युवा शक्ति से गति, संगठन से निरंतरता और राष्ट्रहित से दिशा।

यही भाजपा की शक्ति है और यही विकसित भारत के संकल्प की आधारशिला भी।

सरसंघ चालक मोहन भागवत के विचार समय सापेक्ष

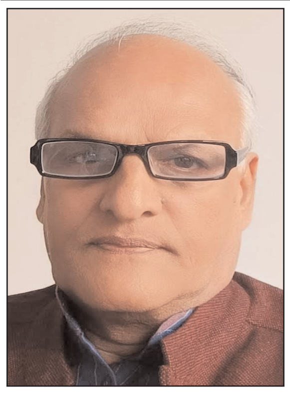

गिरीश पंकज

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत के विचार और व्याख्यान समय-समय पर समकालीन विमर्श को एक नई दिशा देते रहे हैं। संघ के कटटर आलोचक कुछ भी कहें लेकिन डॉ भागवत समय-समय पर समरसता की बात ही करते हैं। विदेश में दिए गए उनके उद्बोधनों से लेकर भारत में विभिन्न मंचों पर उनके द्वारा व्यक्त विचारों तक, एक स्पष्ट स्वर निरंतर गूंजता रहा है, समग्रता, समन्वय और सांस्कृतिक उदारता का। जब वे स्पष्ट और निर्भीक शब्दों में यह कहते हैं कि 'जो हिंदू मुसलमानों को देश से बाहर करने की बात करता है, वह सच्चा हिंदू नहीं है,' तो यह केवल एक राजनीतिक बयान नहीं, बल्कि सनातन चिंतन की मूल आत्मा का पुनरुद्घोष बन जाता है। ?यह कथन हिंदू समाज के उन वर्गों के लिए भी एक गंभीर आत्ममंथन का विषय है जो अतिवाद या संकीर्णता की ओर झुकते हैं। जब संघ का शीर्ष नेतृत्व इस विचार को पूरी दृढ़ता से रखता है, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि संघ की वैचारिक नींव बहिष्करण पर नहीं, बल्कि समावेशन पर टिकी है।

डॉ. मोहन भागवत ने कई अवसरों पर स्पष्ट किया है कि हिंदुत्व कोई संकुचित पूजा-पद्धति या मजहबी दायरा नहीं है, बल्कि यह एक जीवन-मूल्य और जीवन-पद्धति है। उन्होंने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित 'भारत का भविष्य: संघ का दृष्टिकोण' व्याख्यानमाला में भी इस बात को रेखांकित किया था कि 'हिंदुत्व बिना मुसलमानों के पूरा नहीं हो सकता।'

संघ प्रमुख का दृष्टिकोण यह स्थापित करता है कि भारत में रहने वाले सभी नागरिकों की सांस्कृतिक पहचान एक है। उनके अनुसार हम सबकी पूजा-पद्धतियां अलग हो सकती हैं, उपासना के मार्ग भिन्न हो सकते हैं, किंतु इस भूमि पर रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति का डीएनए और पुरखे एक ही हैं। हिंदुत्व विविधता को केवल सहन नहीं करता, बल्कि उसका उत्सव मनाता है और उसे स्वीकार करता है।

'हम और वे' के भेद का अंत: किसी भी समाज में विभाजनकारी रेखाएं राष्ट्र की एकता को कमजोर करती हैं। राष्ट्र तभी सशक्त होता है जब समाज का प्रत्येक अंग स्वयं को मुख्यधारा का अभिन्न हिस्सा समझे। हिंदू समाज के भीतर उभरने वाले अतिवादी विचारों और उग्र बयानों पर भागवत जी का दृष्टिकोण पूरी तरह स्पष्ट रहा है। सनातन परंपरा कभी भी आक्रामकता या दूसरों के अस्तित्व को नकारने की अनुमति नहीं देती।

सच्चे हिंदू का लक्षण बताते हुए मोहन भागवत जी कहते हैं कि सच्चा हिंदू वह है जो 'वसुधैव कुटुंबकम्' और 'सर्वे भवन्तु सुखिन:' के मंत्र को आत्मसात करता है। घृणा और द्वेष पर आधारित विचार कभी हिंदू दर्शन का हिस्सा नहीं हो सकते। वह हिंसा और उन्माद की निंदा करते हैं । 'मॉब लिंचिंग' जैसी घटनाओं पर भी उन्होंने दो टूक कहा था कि कानून को हाथ में लेने वाले लोग हिंदुत्व के सिद्धांतों के विरुद्ध काम करते हैं।

संवाद का मार्ग यह समाज में समरसता स्थापित कर सकता है ।किसी भी प्रकार के मतभेद को केवल और केवल संवाद और

समरसता ही विश्व के लिए अनुकूल पाथेय

आपसी समझ से ही हल किया जा सकता है, पूर्वाग्रहों से नहीं। सामाजिक समरसता का सूत्र बताते हुए भागवत कहते हैं : एक कुआं, एक मंदिर, एक श्मशान होना चाहिए ।

संघ प्रमुख के व्याख्यानों का एक प्रमुख केंद्र बिंदु आंतरिक सामाजिक सुधार रहा है। हिंदू समाज के भीतर फैली जातिगत विषमता और छुआछूत पर वे लगातार प्रहार करते रहे हैं। जातिगत भेदभाव की समाप्ति के लिए भागवत जी ने बार-बार आह्वान किया है कि समाज के प्रत्येक गांव और मोहल्ले में 'एक मंदिर, एक कुआं और एक श्मशान' होना चाहिए। जब तक आंतरिक भेदभाव समाप्त नहीं होगा, तब तक कोई भी समाज सशक्त नहीं बन सकता। सामाजिक समरसता का व्यावहारिक रूप क्या हो समरसता केवल भाषणों का विषय नहीं है, बल्कि इसे दैनिक आचरण, पारिवारिक संबंधों और सामाजिक आयोजनों में उतरना चाहिए। वे कहते हैं, वंचित वर्गों का सशक्तिकरण: समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को सम्मान और अवसर देना ही वास्तविक राष्ट्र-निर्माण है।

विदेशी मंचों, विशेषकर अमेरिका और अन्य अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में, मोहन भागवत ने भारत की वैश्विक भूमिका को रेखांकित किया है। जैसे विश्व कल्याण की भावना। भारत का उत्थान किसी अन्य देश पर प्रभुत्व स्थापित करने या किसी को दबाने के लिए नहीं, बल्कि वैश्विक संतुलन और शांति की स्थापना के लिए आवश्यक है। पर्यावरण और प्रकृति का सम्मान ।आधुनिक विकास के साथ-साथ प्रकृति के प्रति संवेदनशील रहने की भारतीय दृष्टि आज पूरी दुनिया के लिए समाधान प्रस्तुत करती है। पश्चिमी समाज में बिखरते पारिवारिक मूल्यों के बीच, भारतीय परिवार व्यवस्था और उसके संस्कार दुनिया को एक स्थिर और सुखी समाज की संरचना दे सकते हैं।

प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए संघ प्रमुख ने सदैव यह संदेश दिया है कि वे जिस देश में रहते हैं, वहां के कानून और समाज के प्रति पूरी निष्ठा रखें, साथ ही अपनी सांस्कृतिक जड़ों और नैतिक मूल्यों को संजोए रखें। अपनी प्रतिभा और परिश्रम से जिस देश में रह रहे हैं, उसकी उन्नति में योगदान दें। आप विदेश में सांस्कृतिक राजदूत की तरह रहें । भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, सहिष्णुता और उदारता को अपने आचरण से प्रदर्शित करें। देश की प्रगति में सहयोग केवल सीमाओं के भीतर रहकर ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भारत की छवि और सामर्थ्य को बढ़ाकर भी किया जा सकता है। संघ के प्रमुख स्तंभों में सेवा और आत्मनिर्भरता का स्थान सर्वोपरि है। मोहन भागवत ने अपने वक्तव्यों में इस बात को बार-बार दोहराया है कि सेवा किसी पर उपकार नहीं, बल्कि समाज के प्रति हमारा कर्तव्य है। सेवा करते समय धर्म, जाति या भाषा का भेद पूरी तरह निरर्थक है। राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसकी आर्थिक आत्मनिर्भरता, स्थानीय संसाधनों के समुचित उपयोग और स्वदेशी चिंतन में निहित है। सरकारें नीतियां बना सकती हैं, लेकिन समाज में वास्तविक परिवर्तन और प्रगति तभी आती है जब नागरिक स्वयं जागरूक, अनुशासित और संगठित होकर आगे आते हैं।

डॉ. मोहन भागवत के विचार यह रेखांकित करते हैं कि राष्ट्रवाद का अर्थ संकीर्णता नहीं, बल्कि व्यापक आत्मीयता है। जब वे यह कहते हैं कि किसी को बाहर निकालने की बात करने वाला सच्चा हिंदू नहीं हो सकता, तो वे दरअसल हिंदू समाज को उसके मूल दार्शनिक आधार की याद दिला रहे होते हैं।

आज के समय में आवश्यकता इस बात की है कि समाज का प्रबुद्ध वर्ग, युवा पीढ़ी और विशेष रूप से वे लोग जो उग्रता को ही राष्ट्रवाद का पर्याय मान बैठते हैं, वे इन विचारों की गहराई को समझें। भारत की आत्मा सर्वसमावेशी है, और यही उदारता भारत को विश्व पटल पर एक नैतिक और सांस्कृतिक नेतृत्व प्रदान करती है।

शुद्ध वैचारिक या दार्शनिक दृष्टि से भागवत जी के पूर्णत: नये विचार नहीं हैं । 'एकं सद् विप्रा बहुधा वदन्ति' (सत्य एक है, ज्ञानी उसे अलग-अलग नामों से पुकारते हैं) और 'वसुधैव कुटुंबकम' का भाव भारत की हजारों वर्ष पुरानी चेतना में रचा-बसा है ।स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानववाद' में भी इसी सर्वसमावेशी दृष्टि को प्रमुखता दी गई थी। इस आधार पर यह सनातन दर्शन का ही स्वाभाविक प्रवाह है ।व्यावहारिक धरातल, संघ के इतिहास और समकालीन राजनीति के संदर्भ में यह दृष्टिकोण बेहद मौलिक और साहसिक माना जाएगा । संघ के इतिहास में पहली बार शीर्ष पद से इतनी सीधी, असंदिग्ध और कठोर शब्दावली में यह रेखांकित किया गया कि किसी भी संप्रदाय को बाहर करने की बात करना हिंदुत्व की मूल भावना के विरुद्ध है।

नारी को पराधीन नहीं, संरक्षणीय मानने वाली सनातन दृष्टि

पार्थसारथि थपलियाल

हाल में राहुल गांधी द्वारा पुणे में मनुस्मृति के संदर्भ में एक श्लोक के माध्यम से भारतीय नारी पर की गयी टिप्पणी ने एक अनावश्यक विमर्श खड़ा कर दिया है। राहुल गांधी ने मनुस्मृति के इस श्लोक को महिलाओं की स्वतंत्रता विरोधी बताया –

पिता रक्षति कौमारे भर्ता रक्षति यौवने।

रक्षन्ति स्थविरे पुत्रा न स्त्री स्वातन्त्र्यमर्हति॥

अर्थात् 'कौमार्य अवस्था तक पिता अपनी पुत्री की रक्षा (देखभाल) करता है। यौवन अवस्था में उसका पति देखभाल करता है। महिला जब वृद्ध हो जाती है तब उसका बेटा उसकी देखभाल करता है। इस प्रकार महिला कभी अकेली नहीं रहती है '। रक्षा के इस भाव में अधीनता का भाव नहीं है। भारत में स्वतंत्रता तो है लेकिन कुटुंब व्यवस्था में स्वतंत्रता मर्यादित है। वह भारतीय लोकतंत्र नहीं कि कुछ भी बोलते रहो।

संस्कृत भाषा में 'रक्ष' धातु का अर्थ मूलत: रक्षा करना, बचाना, सुरक्षित रखना, संरक्षण करना आदि अर्थ देता है। मनुस्मृति के उपलब्ध भाष्य में भी 'रक्षति' की व्याख्या संकटों और हानियों से बचाने के अर्थ में की गई है। अर्थात् इस श्लोक को आधुनिक राजनीतिक शब्दावली के 'पुरुष के अधीन स्त्री' के सरल सूत्र में बदल देना शास्त्रीय व्याख्या नहीं है। मनुस्मृति का दूसरा पक्ष क्यों नहीं बताया जाता? यदि मनुस्मृति पर चर्चा करनी है तो उसी अध्याय के अन्य श्लोक भी सामने रखने होंगे। मनुस्मृति कहती है–

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:।

यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफला: क्रिया:॥

अर्थात् जहाँ स्त्रियों का सम्मान होता है, वहाँ देवता प्रसन्न होते हैं और जहाँ उनका सम्मान नहीं होता, वहाँ सभी धार्मिक क्रियाएँ निष्फल हो जाती हैं। इसके अगले श्लोक में कहा गया है–

शोचन्ति जामयो यत्र विनश्यत्याशु तत्कुलम्।

न शोचन्ति तु यत्रैता वर्धते तद्धि सर्वदा॥

अर्थात् जिस कुल में स्त्रियाँ दु:खी रहती हैं, वह शीघ्र नष्ट होता है और जहाँ वे दु:खी नहीं होतीं, वह कुल निरंतर उन्नति करता है। मनुस्मृति में पति-पत्नी के पारस्परिक संतोष को परिवार के स्थायी कल्याण का आधार मानती है–

सन्तुष्टो भार्यया भर्ता भर्त्रा भार्या तथैव च।

यस्मिन्नेव कुले नित्यं कल्याणं तत्र वै ध्रुवम्॥

अर्थात् जिस कुल में पति पत्नी से और पत्नी पति से संतुष्ट रहते हैं, उस कुल में स्थायी कल्याण रहता है। सनातन परंपरा में संरक्षण का अर्थ स्वामित्व नहीं है। माता-पिता अपने बालक की रक्षा करते हैं, इसका अर्थ यह नहीं कि बालक उनकी संपत्ति है। चिकित्सक रोगी की रक्षा करता है, इसका अर्थ यह नहीं कि रोगी उसकी संपत्ति हो गया। सैनिक सीमा की रक्षा करता है, इसका अर्थ यह नहीं कि सीमा उसकी निजी वस्तु है। इसी प्रकार 'रक्षति' को केवल 'अधीन व्याख्यायित करना राजनीतिक धृष्टता है।

हाँ, आधुनिक समाज में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या वयस्क स्त्री को अपने जीवन के निर्णय लेने की स्वतंत्रता होनी चाहिए? इसका उत्तर आज का भारतीय संविधान स्पष्ट रूप से देता है, स्त्री और पुरुष समान नागरिक हैं।

भारतीय समाज में नारी, गृह की सदस्य नहीं, गृह की अधिष्ठात्री है। इस बात को वहीं समझ सकता है जो सनातन संस्कारों में पल्ला बढ़ा हो।

सनातन विवाह संस्कार में पत्नी को केवल पति के पीछे चलने वाली स्त्री नहीं माना गया। वह सहधर्मचारिणी है। विवाह का उद्देश्य केवल दो व्यक्तियों का सामाजिक अनुबंध नहीं, बल्कि धर्म, अर्थ, काम और परिवार-व्यवस्था की संयुक्त यात्रा है। इस यात्रा में में पति-पत्नी सहनशक्ति और समझशक्ति से इहलोक और परलोक को सुधारने के लिए एक दूसरे में समाये हुए रहते हैं। हां, जो लोग संस्कार विहीन हैं, वे कुछ भी बोलें कुछ भी करें, उसे सनातन संस्कृति नहीं कहा जाता है।

बोध कथा

ईश्वर का दोस्त

एक संत ने एक रात स्वप्न देखा कि उनके पास एक देवदूत आया है। देवदूत के हाथ में एक सूची थी। उसने कहा, 'यह उन लोगों की सूची है, जो प्रभु से प्रेम करते हैं।' संत ने कहा, 'मैं भी प्रभु से प्रेम करता हूं। मेरा नाम तो इसमें अवश्य होगा।' देवदूत बोला, 'नहीं, इसमें आप का नाम नहीं है।' संत उदास हो गए। फिर उन्होंने पूछा, 'इसमें मेरा नाम क्यों नहीं है? मैं ईश्वर से ही प्रेम नहीं करता बल्कि गरीबों से भी प्रेम करता हूं। मैं अपना अधिकतर समय निर्धनों की सेवा में लगाता हूं।

आध्यात्मिक यात्रा बुक

उसके बाद जो समय बचता है उसमें प्रभु का स्मरण करता हूं।' तभी संत की आंख खुल गई। दिन में वह स्वप्न को याद कर उदास थे।

एक शिष्य ने उदासी का कारण पूछा तो संत ने स्वप्न की बात बताई और कहा, 'लगता है सेवा करने में कहीं कोई कमी रह गई है।' दूसरे दिन संत ने फिर वही स्वप्न देखा। वही देवदूत फिर उनके सामने खड़ा था। इस बार भी उसके हाथ में कागज था। संत ने बेरुखी से कहा, 'अब क्यों आए हो मेरे पास? मुझे प्रभु से कुछ नहीं चाहिए।'

देवदूत ने कहा, 'आपको प्रभु से कुछ नहीं चाहिए, लेकिन प्रभु का तो आप पर भरोसा है। इस बार मेरे हाथ में दूसरी सूची है।' संत ने कहा, 'तुम उनके पास जाओ जिनके नाम इस सूची में हैं। मेरे पास क्यों आए हो?' देवदूत बोला, 'इस सूची में आप का नाम सबसे ऊपर है।'

यह सुन कर संत को आश्चर्य हुआ। बोले, 'क्या यह भी ईश्वर से प्रेम करने वालों की सूची है।' देवदूत ने कहा, 'नहीं, यह वह सूची है जिन्हें प्रभु प्रेम करते हैं। ईश्वर से प्रेम करने वाले तो बहुत हैं, लेकिन प्रभु उसको प्रेम करते हैं जो गरीबों से प्रेम करते हैं। प्रभु उसको प्रेम नहीं करते जो दिन रात कुछ पाने के लिए प्रभु का गुणगान करते रहते है ।'

कविता

कमरे में धूप

कुंवर नारायण

हवा और दरवाज़ों में
बहस होती रही,
दीवारें सुनती रहीं।
धूप चुपचाप एक
कुरसी पर बैठी
किरणों के ऊन का
स्वेटर बुनती रही।

सहसा किसी बात पर
बिगड़ कर
हवा ने दरवाज़े को तड़
से
एक थप्पड़ जड़ दिया
!
खिड़कियाँ गरज उठीं,
अख़बार उठ कर खड़ा हो गया,
किताबें मुँह बाये देखती रहीं,
पानी से भरी सुराही फर्श पर टूट पड़ी,
मेज़ के हाथ से क़लम छूट पड़ी।

धूप उठी और बिना कुछ कहे
कमरे से बाहर चली गई।

शाम को लौटी तो देखा
एक कुहराम के बाद घर में ख़ामोशी
थी।
अँगड़ाई लेकर पलँग पर पड़ गई,
पड़े-पड़े कुछ सोचती रही,
सोचते-सोचते न जाने कब सो गई,
आँख खुली तो देखा सुबह हो गई।

व्यंग्य केसरी

एक पुल की दास्तान

संजय मृदुल

पी डब्लू डी के बड़े अफसर ने सिंचाई विभाग के बड़े अफसर को कॉल किया।

अफसर 1: गुप्ता जी! एक मौका मिला है आपदा को अवसर में बदलने का। बस आपका सपोर्ट चाहिए।

अफसर 2 : अरे शर्मा जी! आप को सपोर्ट नहीं करेंगे तो किसे करेंगे। आप राजपत्रित अधिकारी संघ के अध्यक्ष जो हैं। बताइए क्या काम है?

गुप्ता जी : एक जगह पुल बना दिया है हमारे विभाग ने गलती से। अब वहां से नदी या नहर निकालने का काम आपको करना है। फिर वहां हम सड़क भी बनवा देंगे।

शर्मा जी : जी बिलकुल। नदी नहर सागर जो कहेंगे हो जायेगा गुप्ता जी। ऐसे कामों में तो हमारा विभाग माहिर है। जैसे आपका विभाग जहां चाहे सड़क रपटा और पुल बना देता है। लेकिन ये पुल बना कहां है?

गुप्ता जी: हमारे मंत्री जी के क्षेत्र में एक नाम के दो गांव हैं। एक गांव में नाला बहता है उसपर पुल बनाना था लेकिन जूनियर इंजीनियर ने दूसरे गांव में बनवा दिया। अब आप जानते तो हैं आजकल के इंजीनियर को। टेप पकड़ना आता नहीं जुगाड लगाकर नौकरी में आ जाते हैं, और ठेकेदार भी कौन? माननीय मंत्री जी के खास।

शर्मा जी : यही हाल हमारे यहां है सर। क्या करें। आप किसी को भेजिए ताकि वो मौका दिखा दे। फिर हम देखते हैं वहां नाला, नहर, नदी क्या बनाई जा सकती है।

गुप्ता जी : कल ही उस एरिया का ई ई आपसे आकर मिल लेगा। बाकी आप देख लीजिएगा। माननीय की भी सहमति मिल गई है इसलिए किसी बात की चिंता मत कीजिएगा।

शर्मा जी : अरे आप के रहते चिंता किस बात की। मैं देख लूंगा।

सब तय करने के बाद शर्मा जी और गुप्ता जी की माननीय मंत्री जी से मुलाकात होती है। प्रोजेक्ट मिलकर समझाया जाता है।

कुछ दिन बाद खबर स्थानीय अखबारों में छपती है की इलाके के किसानों की सुविधा के लिए नहर का निर्माण किया जाएगा और आवागमन सुलभ करने के लिए ढिमका गांव से फलाना गांव तक पक्की सड़क बनाई जाएगी। केबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव को पास किया गया है।

सिंचाई विभाग द्वारा नहर के लिए सर्वे का टेंडर निकाला जाता है। मुख्य बांध से अमुक गांव तक नहर ले जाकर स्टॉप डैम बनाने के लिए कितनी जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा।

पी डब्लू डी विभाग द्वारा फलाना गांव से ढिकाने गांव तक सड़क निर्माण के लिए सर्वे का टेंडर निकाला गया। घरों, जमीन और खेतों का अधिग्रहण करने के लिए दावा आपत्ति की सूचना जारी की गई है।

गलती से बने एक छोटे से पुल ने राज्य के उस क्षेत्र में विकास की राह खोल दी है। जब तक सर्वे अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी होगी, सड़क नहर के टेंडर की प्रक्रिया पूरी होगी यकीनन तब तक ये पुल ढह चुका होगा।

फिर एक नए पुल का टेंडर किया जाएगा।

रायपुर (छत्तीसगढ़)

इतिहास

1 सितंबर का दिन भारत और विश्व इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं, जन्म और दिवस के रूप में दर्ज है।

महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएँ1668: इंग्लैंड के राजा ने मुंबई (तत्कालीन बॉम्बे) को ईस्ट इंडिया कंपनी को सौंप दिया था।

1798: हैदराबाद के निजाम ने ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ एक संधि पर हस्ताक्षर किए।

1939: जर्मनी के तानाशाह अडॉल्फ हिटलर के नेतृत्व में सेना ने पोलैंड पर आक्रमण किया, जिससे द्वितीय विश्व युद्ध की शुरुआत हुई थी।

1942: रासबिहारी बोस ने जापान के सहयोग से 'भारतीय राष्ट्रीय सेना' (Azad Hind Fauj / INA) की स्थापना की थी।

1947: भारतीय मानक समय (IST) को आधिकारिक तौर पर पूरे देश में लागू किया गया।

दिल्ली सीएम ने प्लेस्कूल में बच्ची के साथ दुर्व्यवहार के मामले में कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया

विश्व केसरी

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के एक प्लेस्कूल में तीन वर्षीय बच्ची के साथ कथित दुर्व्यवहार के मद्देनजर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के कार्यालय ने सोमवार को कहा कि दोषियों के खिलाफ कानून के तहत कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक संदेश में कहा कि दिल्ली सरकार ने मौजपुर स्थित एक प्लेस्कूल से मिली इस बेहद चिंताजनक घटना का गंभीर संज्ञान लिया है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश पर जिला मजिस्ट्रेट ने स्कूल परिसर को सील करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस जांच जारी है। दिल्ली सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि दोषियों को सजा मिले और कानून के तहत कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री कार्यालय का यह बयान विपक्षी आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा सत्तारूढ़ भाजपा पर हमला करने और हाल की घटनाओं के लिए मुख्यमंत्री को दोषी ठहराने के ठीक बाद आया है। इन घटनाओं में एक स्कूल वैन चालक द्वारा तीन वर्षीय बच्ची के साथ कथित यौन उत्पीड़न और नोएडा से दिल्ली जा रही बस में 15 वर्षीय लड़की के साथ कथित दुष्कर्म शामिल हैं।

दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने आईएएनएस को बताया कि चलती बस में लड़की के साथ दुष्कर्म शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि भाजपा अपनी जिम्मेदारी से भाग नहीं सकती क्योंकि दिल्ली और उत्तर प्रदेश दोनों राज्यों की सरकारें और पुलिस भाजपा के नियंत्रण में हैं।

उन्होंने पूछा कि मैं भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल करना चाहती हूं। लड़कियां और महिलाएं कब तक हिंसा का शिकार होती रहेंगी उन्होंने कहा कि देश में 12-13 साल सत्ता में रहने के बावजूद भाजपा महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ अपराध और हिंसा करने वालों पर लगाम लगाने में नाकाम रही है।

आतिशी ने आरोप लगाया कि अपराधी और भी बेखौफ हो गए हैं। उन्हें पता है कि पुलिस कुछ नहीं करेगी। गिरफ्तार होने पर भी उन्हें आसानी से जमानत मिल जाएगी या समझौता हो जाएगा। आप दिल्ली के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने भी महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ अपराधों को लेकर दिल्ली सरकार की कड़ी आलोचना की।

दिल्ली सरकार और दिल्ली पुलिस हर मामले को दबाने की कोशिश करती है। जनकपुरी के एक स्कूल में तीन साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म हुआ था। सरकार उस मामले को भी दबाने की कोशिश कर रही थी। स्कूल अधिकारियों के खिलाफ जांच रिपोर्ट मिल चुकी है, लेकिन आशीष सूद ने अभी तक स्कूल अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं कराई है।

हावड़ा स्टेशन पर विशेष 'स्टेशन महोत्सव', सांस्कृतिक और विरासत आधारित कार्यक्रम किए गए आयोजित

विश्व केसरी

कोलकाता। भारतीय रेलवे के प्रतिष्ठित स्टेशनों की समृद्ध विरासत, ऐतिहासिक महत्व और गौरवशाली इतिहास को सम्मान देने के लिए, रेलवे मंत्रालय के निर्देश पर सोमवार को देश के प्रसिद्ध हावड़ा रेलवे स्टेशन पर विशेष 'स्टेशन महोत्सव' आयोजित किया गया।

हावड़ा स्टेशन भारतीय रेलवे के सबसे ऐतिहासिक स्टेशनों में से एक माना जाता है। 15 अगस्त 1854 को जब जोशुआ ग्रीनबो ने हावड़ा से हुगली तक पूर्वी भारत की पहली ट्रेन चलाई थी, तब यहां सिर्फ एक अस्थायी टीन शेड, छोटा बुकिंग कार्यालय और संकरे प्लेटफॉर्म के साथ एक रेलवे लाइन थी।

आज हावड़ा स्टेशन 24 प्लेटफॉर्म वाला विशाल रेलवे केंद्र बन चुका है। यहां से प्रतिदिन करीब 252 मेल और एक्सप्रेस ट्रेनें तथा 500 ईएमयू ट्रेनें संचालित होती हैं। स्टेशन पर रोजाना 10 लाख से अधिक यात्रियों की आवाजाही होती है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भी इस स्टेशन को महत्वपूर्ण भूमिका रही थी, क्योंकि इसके माध्यम से स्वतंत्रता सेनानियों को विभिन्न क्षेत्रों तक पहुंचने में मदद मिली थी।

हावड़ा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) विशाल कपूर ने स्टेशन महोत्सव का नेतृत्व किया। इस अवसर पर यात्रियों, रेलवे कर्मचारियों और आम लोगों के लिए कई सांस्कृतिक और विरासत आधारित कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रमों का आयोजन स्टेशन के पुराने परिसर में स्थित प्रसिद्ध 'बड़ो घड़ी' (बड़ी घड़ी) के नीचे किया गया। यह घड़ी स्टेशन की पहचान मानी जाती है और इस वर्ष इसके 100 वर्ष पूरे हो गए हैं।

अपने संबोधन में विशाल कपूर ने हावड़ा स्टेशन के गौरवशाली इतिहास, भारतीय रेलवे के विकास में इसकी भूमिका और रेलवे विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुंचाने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हावड़ा स्टेशन ने क्षेत्र के आर्थिक विकास में भी अहम योगदान दिया है।

महोत्सव के दौरान नुक्कड़ नाटक, रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और नृत्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के सदस्यों ने ऐतिहासिक परिसर में फ्लैग मार्च भी निकाला।

इतिहास की गलतियों के लिए क्षमा का संदेश है उज्बेकिस्तान का सम्मानः सरिता अग्रवाल

विश्व केसरी

हैदराबाद। भाजपा नेता सरिता अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उज्बेकिस्तान द्वारा दिए गए सर्वोच्च नागरिक सम्मान पर एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी की टिप्पणी पर सवाल उठाए हैं। इसके साथ ही उन्होंने कर्नाटक के कांग्रेस मंत्री बसवराज रायरेड्डी के इस कथित बयान की भी आलोचना की, जिसमें उन्होंने इस्लाम को अन्य धर्मों से बेहतर बताया था।

उज्बेकिस्तान में प्रधानमंत्री मोदी को सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिए जाने को लेकर ओवैसी की टिप्पणी पर सरिता अग्रवाल ने सवाल किया कि इस बयान के पीछे उनकी मंशा क्या है। उज्बेकिस्तान को बाबर के मूल देश से जोड़कर प्रधानमंत्री मोदी के सम्मान पर टिप्पणी करने का आखिर क्या औचित्य है। क्या सिर्फ इसलिए कि बाबर का संबंध उस क्षेत्र से था, अब बाबर के सामने झुकने की बात की जानी चाहिए? उन्होंने सवाल उठाया कि क्या ऐतिहासिक घटनाओं को इस सम्मान से जोड़कर बाबर को सही ठहराने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि बाबर को इतिहास में एक अत्याचारी शासक के तौर पर देखा जाता है और उसके शासनकाल में बड़े पैमाने पर हिंसा और नरसंहार हुए। आज के समय में किसी देश द्वारा भारत के प्रधानमंत्री को सम्मानित किए जाने को सदियों पुराने शासकों के कृत्यों से जोड़ना तर्कसंगत नहीं है।

सरिता अग्रवाल ने कहा कि उज्बेकिस्तान द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया जाना दोनों देशों के बीच मौजूदा संबंधों और मित्रता का प्रतीक है। इस सम्मान के जरिए उज्बेकिस्तान ने इतिहास की गलतियों के लिए एक तरह से क्षमा याचना का संदेश दिया है।

दक्षिण रेलवे में 4,471 अप्रेंटिस पदों पर बंपर वैकेंसी, युवाओं के पास 27 सितंबर तक आवेदन का अवसर

विश्व केसरी

चेन्नई। रेलवे में नौकरी करने से अपना शानदार पेशेवर करियर शुरू करने की इच्छा रखने वाले युवाओं के लिए एक शानदार मौका सामने आया है। दरअसल, दक्षिण रेलवे ने विभिन्न ट्रेड और यूनिट के आधार पर अप्रेंटिस के कुल 4,471 पदों पर पात्र उम्मीदवारों की बंपर भर्ती के लिए एक आधिकारिक अधिसूचना जारी करके रिक्तियों की घोषणा की है।

दक्षिण रेलवे की ओर से अप्रेंटिस पोस्ट के लिए जारी 4,471 रिक्तियों में फ्रेशर श्रेणी के 163 और पूर्व-आईटीआई श्रेणी के 4,308 पद शामिल हैं। इन सभी रिक्तियों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन प्रक्रिया 28 अगस्त से शुरू हो गई है और अप्लाई करने की अंतिम तिथि 27 सितंबर तय की गई है। ऐसे में जो योग्य और इच्छुक उम्मीदवार इन पदों पर नियुक्त होने के लिए एप्लीकेशन फॉर्म भरना चाहते हैं, वे दक्षिण रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर तय अंतिम तिथि के शाम 5 बजे तक या उससे पहले अपना रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरा कर सकते हैं।

आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड/संस्थान/विश्वविद्यालय से संबंधित ट्रेड अनुसार कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ 10वीं, 12वीं, आईटीआई सर्टिफिकेट, आदि योग्यता होनी चाहिए। आवेदकों की न्यूनतम आयु 15 वर्ष और अधिकतम आयु पद के अनुसार 22 से 24 वर्ष के बीच तय की गई है। वहीं, आरक्षित श्रेणी से आने वाले कैंडिडेट्स को नियमानुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

योग्य अभ्यर्थियों का चयन आवेदनों की जांच के आधार पर शॉर्टलिस्टिंग, मेरिट सूची और दस्तावेज सत्यापन के आधार पर किया जाएगा, जिसके बाद चयनित कैंडिडेट्स को प्रथम वर्ष के फ्रेशर्स - दसवीं कक्षा को 8,200 रुपए, प्रथम वर्ष के फ्रेशर्स - 12वीं कक्षा के 9,600 रुपए और पूर्व आईटीआई को 9,600 रुपए प्रति माह स्टाइपेंड के तौर पर दिए जाएंगे। वहीं, दस्तावेज सत्यापन के लिए चयनित सूची का अस्थायी प्रकाशन 15 अक्टूबर को किए जाने की संभावना है।

आवेदन पत्र भरते समय उम्मीदवारों को अपने वर्ग अनुसार निर्धारित आवेदन शुल्क का भुगतान ऑनलाइन माध्यम से करना होगा, जो सामान्य/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस के लिए 100 रुपए तय किया गया है।

राजस्थान : सवाई माधोपुर में 70,000 रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में कांस्टेबल गिरफ्तार

विश्व केसरी

जयपुर। एंटी-करप्शन ब्यूरो (एसीबी) मुख्यालय के निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए, एसीबी की सवाई माधोपुर यूनिट ने सोमवार को सवाई माधोपुर रेलवे पुलिस स्टेशन के तहत लखेरी रेलवे पुलिस चौकी पर तैनात कांस्टेबल मोहम्मद नदीम कुरैशी को एक शिकायतकर्ता से 70,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

एसीबी के डायरेक्टर जनरल गोविंद गुप्ता ने बताया कि यूनिट को एक शिकायत मिली थी, जिसमें आरोपी कांस्टेबल पर परेशान करने और 1,00,000 रुपए की मांग करने का आरोप लगाया गया था। आरोप है कि कुरैशी शिकायतकर्ता को रेलवे के सामान चोरी करने के मामले में फंसाने की धमकी देकर दबाव बना रहा था।

शिकायतकर्ता ने एसीबी से संपर्क किया और आरोपी को रंगे हाथों पकड़ने का अनुरोध किया। रिश्वत की मांग की गोपनीय जांच 25 अगस्त को हुई। जांच के दौरान, आरोप है कि कुरैशी ने शिकायतकर्ता को न फंसाने के बदले पैसे की मांग की। बातचीत के बाद, वह 70,000 रुपए लेने को तैयार हो गया।

ग्रेटर नोएडा में खुलेगा वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी का कैंपस, भारत-ऑस्ट्रेलिया शैक्षणिक साझेदारी को मिलेगा नया आयाम

विश्व केसरी

ग्रेटर नोएडा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच शिक्षा, शोध, नवाचार और कौशल विकास के क्षेत्र में जारी साझेदारी को अब नई गति मिलने जा रही है। ऑस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी ने उत्तर प्रदेश में पहली बार अपना कैंपस स्थापित करने की औपचारिक घोषणा की है।

यह कैंपस ग्रेटर नोएडा में स्थापित किया जाएगा और इसका नाम 'जलसेतु' रखा गया है। कैंपस शुरू होने के बाद क्षेत्र के विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की शिक्षा हासिल करने के लिए विदेश जाने की जरूरत काफी हद तक कम हो सकेगी। सोमवार को दिल्ली स्थित नेशनल एग्रीकल्चर साइंस कॉम्प्लेक्स में आयोजित कार्यक्रम में ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स के प्रीमियर क्रिस मिन्स ने उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय की मौजूदगी में ग्रेटर नोएडा कैंपस की औपचारिक घोषणा की।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के कई वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। इनमें मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार अवनीश अवस्थी, अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव और प्रेरणा सिंह, न्यू साउथ वेल्स के कोषाध्यक्ष डेनियल मुकी तथा वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी के कुलपति एवं अध्यक्ष विशिष्ट प्रोफेसर जॉर्ज विलियम्स एओ शामिल रहे।

यूनिवर्सिटी का प्रस्तावित कैंपस ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण कार्यालय परिसर स्थित टावर-2 में स्थापित किया जा रहा है।

हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियर पिघलने से बढ़ा खतरा, एक्सपर्ट बोले-संवेदनशील इलाकों में रोकें निर्माण

विश्व केसरी

श्रीनगर। तिब्बत-चीन सीमा से नेपाल तक आई भीषण आपदा के बाद हिमालयी क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन और ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने को लेकर चिंता बढ़ गई है। पर्यावरणविद् और हाइड्रोलिक इंजीनियरिंग विशेषज्ञ एजाज रसूल ने कहा कि जम्मू-कश्मीर भी हिमालयी क्षेत्र का हिस्सा होने के कारण ऐसी आपदाओं के लिहाज से बेहद संवेदनशील है। उन्होंने सरकार से संभावित आपदाओं से निपटने के लिए व्यापक कंटिंजेंसी प्लान, वॉटर मैनेजमेंट पॉलिसी और हजार्ड मैपिंग को मजबूत करने की जरूरत बताई।

नेपाल में हुई आपदा को लेकर एजाज रसूल ने कहा कि शुरुआत में इसे भूकंप से जोड़कर देखा जा रहा था, लेकिन वैज्ञानिक जांच में इसके पीछे ग्लोबल वार्मिंग और ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने को महत्वपूर्ण कारण माना जा रहा है। ग्लेशियर से बर्फ का बड़ा हिस्सा टूटकर नीचे गिरने और संभावित ग्लेशियर झील के पानी के अचानक बहने से भारी तबाही हो सकती है। ऐसी स्थिति में पानी का तेज बहाव अपने रास्ते में आने वाले पुलों, ढांचों, पेड़ों और आबादी को भारी नुकसान पहुंचा सकता है। नेपाल में हुई तबाही को इसी खतरे का उदाहरण बताते हुए उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन को इस आपदा के व्यापक संदर्भ में समझना जरूरी है।

शिक्षा को केवल डिग्री तक सीमित नहीं रखा जा सकता : उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

विश्व केसरी

कोच्चि। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन सोमवार को कोच्चि में राजगिरी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के रजत जयंती समारोह में शामिल हुए और 'कॉन्फ्लुएंस 3.0' का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने शोध आधारित उच्च शिक्षा और उद्योग-शिक्षा के बीच मजबूत संबंध का आह्वान किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि केरल को रोजगार सृजन और लोगों को अपने मूल क्षेत्रों में वापस लौटने के लिए सक्षम बनाने के उद्देश्य से उच्च-प्रौद्योगिकी वाले उद्योगों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हम रोजगार के अनुरूप लोग तैयार नहीं कर पा रहे हैं, हमें बाजार की मांग समझनी होगी।' केरल की साक्षरता, सामाजिक विकास और मानव पूंजी के क्षेत्र में उपलब्धियों को उजागर करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि राजगिरी ने न केवल तकनीकी विशेषज्ञ तैयार करने में योगदान दिया है, बल्कि सार्वजनिक सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले लोग तैयार करने में भी अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने संस्था के 25 वर्ष पूरे होने पर बधाई दी और मूल्यों को तकनीकी उत्कृष्टता के साथ जोड़ने की उसकी प्रतिबद्धता की सराहना की।

कार्मेलाइट्स ऑफ मेरी इमैक्युलेट के योगदान और संत कुरियाकोस एलियास चावरा की विरासत को याद करते हुए उन्होंने शिक्षा के लोकतंत्रीकरण, महिला शिक्षा और वयस्क साक्षरता को बढ़ावा देने के उनके प्रयासों की चर्चा की।

प्रौद्योगिकी-आधारित दुनिया की बदलती मांगों पर जोर देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा को केवल डिग्री तक सीमित नहीं रखा जा सकता। उन्होंने अनुसंधान, नवाचार और समस्या-समाधान पर अधिक जोर देने का आह्वान किया। कॉन्फ्लुएंस 3.0 की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि भारत को प्रौद्योगिकी और स्टार्ट-अप के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए उद्योग और अकादमिक जगत के बीच मजबूत साझेदारी आवश्यक है। उन्होंने चीन में बदलाव का उल्लेख करते हुए कहा कि उसकी प्रगति उच्च शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार में निरंतर निवेश के महत्व को दर्शाती है। उन्होंने केरल से अनुसंधान-उन्मुख उच्च शिक्षा को मजबूत करने का आग्रह किया।

उपराष्ट्रपति ने युवाओं से 'मादक पदार्थों को ना कहें' का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि क्षणिक सुख महान आशाओं और लक्ष्यों को नष्ट कर सकते हैं। छात्रों से अपनी क्षमताओं का उपयोग समाज और मानवता के कल्याण के लिए करने का आग्रह किया।

इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने राजगिरी स्कूल के प्रशासनिक भवन की आधारशिला भी रखी। कार्यक्रम में केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर, मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पश्चिम बंगाल: पुलिस ने 72 करोड़ के साइबर क्राइम रैकेट का किया पर्दाफाश, 7 गिरफ्तार

विश्व केसरी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की बांकुरा जिला पुलिस ने सोमवार को बताया कि उन्होंने जिले के घने जंगलों वाले रानीबांध इलाके से चल रहे साइबर धोखाधड़ी के एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश किया है।

इसी को लेकर जिला पुलिस अधीक्षक वीजी सतीश ने मीडिया को बताया कि पुलिस ने इस रैकेट के सिलसिले में सात लोगों को गिरफ्तार किया है। मामले की शुरुआती जांच से पता चला है कि इस अपराध में शामिल कुल रकम लगभग 72 करोड़ रुपए है। सतीश ने कहा, 'हमारे अधिकारी अभी इस रैकेट के मुख्य सरगनाओं के बारे में जानकारी पाने के लिए पूछताछ कर रहे हैं।

हाल ही में 'नेशनल साइबरक्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल' में रानीबांध की पहचान साइबर अपराध के संभावित हॉटस्पॉट के तौर पर की गई थी, जिसके बाद बांकुरा पुलिस ने आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करके निगरानी बढ़ा दी।

सतीश ने बताया कि संदिग्धों की लिस्ट तैयार करने के लिए अधिकारियों ने डेटा एनालिटिक्स, अकाउंट ट्रेसिंग, ट्रांजैक्शन ट्रेल का विश्लेषण और क्रिमिनल लिंकेज जैसे चार चीजों का सहारा लिया। उन्होंने उन खातों से पैसे के लेन-देन का पता लगाया, जिनमें पीड़ितों का पैसा जमा हुआ था।

भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में बंद मीडिया और मेटल स्टॉक्स में हुई बिकवाली

विश्व केसरी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार के कारोबारी सत्र में लाल निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 307.24 अंक या 0.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 76,957.27 और निफ्टी 95.25 अंक या 0.39 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,080.40 पर बंद हुआ।

सत्र के दौरान बिकवाली का नेतृत्व मीडिया और मेटल स्टॉक्स ने किया। सूचकांकों में निफ्टी मीडिया 2.84 प्रतिशत और निफ्टी मेटल 2.45 प्रतिशत की गिरावट के साथ टॉप लूजर्स थे। निफ्टी एफएमसीजी 1.69 प्रतिशत, निफ्टी कमोडिटीज 1.21 प्रतिशत, निफ्टी कंजप्शन 0.85 प्रतिशत, निफ्टी इन्फ्रा 0.68 प्रतिशत, निफ्टी रियल्टी 0.52 प्रतिशत और निफ्टी इंडिया डिफेंस 0.34 प्रतिशत की कमजोरी के साथ लाल निशान में थे।

दूसरी तरफ निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.97 प्रतिशत, निफ्टी हेल्थकेयर 0.85 प्रतिशत, निफ्टी फार्मा 0.72 प्रतिशत, निफ्टी ऑयलएंडगैस 0.33 प्रतिशत और निफ्टी पीएसई 0.16 प्रतिशत की मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए।

मिडकैप और स्मॉलकैप में मिलाजुला कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 155.25 अंक या 0.24 प्रतिशत की तेजी के साथ 64,224.75 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 148.35 अंक या 0.74 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,931.65 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में सन फार्मा, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एसबीआई, बजाज फिनसर्व, टीसीएस, बीईएल, मारुति सुजुकी और इंडिगो गेनर्स थे। आईटीसी, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा स्टील, एनटीपीसी, बजाज फाइनेंस और पावर ग्रिड लूजर्स थे। बाजार के जानकारों ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि कूटनीतिक समाधान की उम्मीदें कम होने से कच्चे तेल की कीमतें और ग्लोबल बॉन्ड यील्ड बढ़ गए हैं। इसका असर कंपनियों की कमाई पर पड़ सकता है।

उन्होंने आगे कहा कि जैक्सन होल में दिए गए भाषण के बाद फेड चेयरमैन की हालिया टिप्पणियों से सितंबर में ब्याज दरें बढ़ने की उम्मीदें बढ़ गई हैं, जिससे ग्लोबल यील्ड ऊंचे बने हुए हैं और उभरते बाजारों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। इन चुनौतियों के बावजूद, व्यापक बाजार में चुनिंदा शेयरों में खरीदारी से बाजार को इंट्राडे के निचले स्तरों से उबरने में मदद मिली।

सोने में बड़ी तेजी की संभावना, चांदी 120 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकती है : रिपोर्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, ब्याज दरों की दिशा और कीमती धातुओं की मांग को लेकर जारी बहस के बीच एक नई रिपोर्ट ने सोने और चांदी को लेकर बेहद आशावादी अनुमान जताया है। मोनार्क पीएमएस की रिपोर्ट के अनुसार, अनुकूल परिस्थितियों में वर्ष 2026 के अंत तक सोना 5,000 डॉलर से 5,600 डॉलर प्रति औंस और चांदी 95 डॉलर से 120 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकती है।

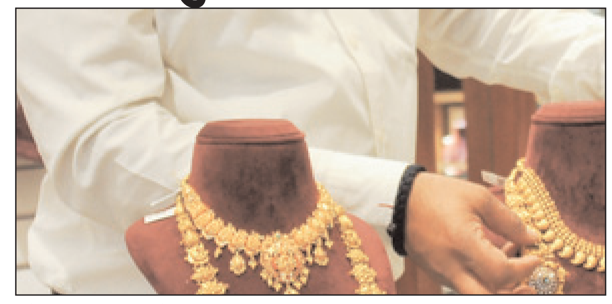

रिपोर्ट ने इस सबसे सकारात्मक परिदृश्य या 'बुल केस' की संभावना 25 प्रतिशत बताई है। इसके अनुसार, यदि अमेरिकी श्रम बाजार में कमजोरी आती है, फेडरल रिजर्व को ब्याज दरों में कटौती करनी पड़ती है और वास्तविक प्रतिफल (रियल यील्ड) में गिरावट शुरू होती है, तो सोने और चांदी की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिल सकता है। इसके साथ ही संस्थागत निवेशकों द्वारा फिर से कीमती धातुओं में निवेश बढ़ाना और चांदी की भौतिक आपूर्ति में तंगी लौटना भी इस तेजी के लिए जरूरी माना गया है। हालांकि रिपोर्ट का सबसे संभावित परिदृश्य 'बेस केस' है, जिसे 55 प्रतिशत संभावना दी गई है। इस स्थिति में वर्ष 2026 के अंत तक सोना 4,300 डॉलर से 4,700 डॉलर प्रति औंस और चांदी 70 डॉलर से 85 डॉलर प्रति औंस के दायरे में रह सकती है। यह अनुमान इस धारणा पर आधारित है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व सितंबर तक ब्याज दरों को स्थिर रखेगा, ऊर्जा कीमतें सामान्य होंगी, वास्तविक प्रतिफल स्थिर रहेंगे और दुनिया के केंद्रीय बैंक प्रति तिमाही लगभग 250 टन सोने की खरीद जारी रखेंगे। रिपोर्ट में एक 'बेयर केस' परिदृश्य भी प्रस्तुत किया गया है, जिसकी संभावना 20 प्रतिशत आंकी गई है। यदि फेडरल रिजर्व सितंबर में ब्याज दरों में बढ़ोतरी करता है, कच्चे तेल की कीमतों में और गिरावट आती है तथा महंगाई में कमी मांग की कमजोरी में बदल जाती है, तो सोना 3,400 डॉलर से 3,900 डॉलर प्रति औंस और चांदी 45 डॉलर से 55 डॉलर प्रति औंस के दायरे में आ सकती है। मोनार्क पीएमएस के मुताबिक, सोने के लिए सबसे बड़ी चुनौती वर्तमान में अमेरिकी 10 वर्षीय ट्रेजरी मुद्रास्फीति-संरक्षित प्रतिभूतियों (टीआईपीएस) का वास्तविक प्रतिफल है, जो 2.41 प्रतिशत पर बना हुआ है।

एनबीबीएल के भारत कनेक्ट पर फॉरेक्स ट्रांजैक्शन में तेज बढ़ोतरी, चार महीनों में 10 करोड़ रुपए से अधिक का लेनदेन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। एनपीसीआई भारत बिलपे लिमिटेड (एनबीबीएल) ने सोमवार को कहा कि उसके भारत कनेक्ट प्लेटफॉर्म पर विदेशी मुद्रा (फॉरेक्स) लेनदेन (ट्रांजैक्शन) का कुल मूल्य अप्रैल से जुलाई 2026 के बीच 10 करोड़ रुपए (100 मिलियन रुपए) से अधिक हो गया है। यह उपलब्धि भारत में विदेशी मुद्रा सेवाओं के डिजिटलीकरण और पारदर्शी मूल्य निर्धारण की दिशा में बढ़ती स्वीकार्यता को दर्शाती है।

एनबीबीएल ने एक बयान में कहा कि ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2025 में शुरू की गई फॉरेक्स सेवा ने वित्त वर्ष 2025-26 में 2.706 करोड़ रुपए (27.06 मिलियन रुपए) के ट्रांजैक्शन दर्ज किए थे। इसके बाद वित्त वर्ष 2026-27 के पहले चार महीनों में ही प्लेटफॉर्म पर 11.19 करोड़ रुपए (111.91 मिलियन रुपए) के विदेशी मुद्रा लेनदेन हुए। इस तरह कुल संचयी लेनदेन मूल्य बढ़कर 13.89 करोड़ रुपए (138.97 मिलियन रुपए) तक पहुंच गया है। यह सेवा एनबीबीएल के भारत कनेक्ट प्लेटफॉर्म को क्लियरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (सीसीआईएल) द्वारा विकसित एफएक्स-रिटेल प्रणाली से जोड़ती है, जिसके माध्यम से ग्राहकों को पारदर्शी, प्रतिस्पर्धी और वास्तविक समय के विदेशी मुद्रा विनिमय दरों तक पहुंच मिलती है।

परंपरागत रूप से विदेशी मुद्रा खरीदने की प्रक्रिया में ग्राहकों को सीमित दरों की जानकारी मिलती थी और उन्हें विशेष बैंकों या अधिकृत डीलरों पर निर्भर रहना पड़ता था। इसके अलावा पूरी प्रक्रिया कई बार ऑफलाइन या खंडित होती थी, जिससे विभिन्न विकल्पों की तुलना करना और वास्तविक लागत समझना कठिन होता था। भारत कनेक्ट ने इन चुनौतियों का समाधान एक इंटरऑपरेबल डिजिटल मार्केटप्लेस के माध्यम से किया है, जहां ग्राहक विभिन्न अधिकृत प्रदाताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई दरों की तुलना कर सकते हैं और बेहतर विकल्प चुन सकते हैं। एनबीबीएल ने बताया कि प्लेटफॉर्म पर बड़े मूल्य वाले ट्रांजैक्शन की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। रियल टाइम में उपलब्ध पारदर्शी दरों के कारण ग्राहक अलग-अलग विकल्पों की तुलना कर बचत कर पा रहे हैं और अधिक भरोसे के साथ विदेशी मुद्रा सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं। कंपनी के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक के मार्गदर्शन और सीसीआईएल के एफएक्स-रिटेल प्लेटफॉर्म के सहयोग से विकसित यह व्यवस्था विदेशी मुद्रा बाजार में खुले, पारदर्शी और बाजार आधारित मूल्य निर्धारण को बढ़ावा दे रही है।

भारतीय अर्थव्यवस्था की तूफानी रफ्तार जारी अप्रैल-जून तिमाही में 7.8 प्रतिशत रही विकास दर

विश्व केसरी

मुंबई। भारतीय अर्थव्यवस्था की तूफानी रफ्तार जारी है। वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में विकास दर 7.8 प्रतिशत रही है। यह पिछले साल की समान अवधि की विकास दर 6.9 प्रतिशत से 0.9 प्रतिशत ज्यादा है। यह जानकारी सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से सोमवार को दी गई।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में नॉमिनल जीडीपी की विकास दर 10.3 प्रतिशत रही है। वहीं, वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में यह 8.1 प्रतिशत रही है।

वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में रियल ग्रॉस वैल्यू एडेड (जीवीए) 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ा है, जबकि नॉमिनल आधार पर यह 11.5 प्रतिशत रहा है।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में विकास को रफ्तार तृतीयक क्षेत्र ने दी है। इसकी विकास दर 10 प्रतिशत की रही है।

इस दौरान, तृतीयक क्षेत्र में 'फाइनेंस, रियल एस्टेट, आईटी और प्रोफेशनल सर्विसेज' ने 12.1 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ तेजी का नेतृत्व किया है। द्वितीयक क्षेत्र की विकास दर स्थिर कीमतों में 8.6 प्रतिशत और प्राथमिक क्षेत्र 2.9 प्रतिशत की दर से बढ़ा है। इस दौरान कृषि और उससे जुडे सेगमेंट की विकास दर 3.6 प्रतिशत रही है।

वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में सकल स्थिर पूंजी निर्माण (जीएफसीएफ) की वृद्धि दर 11.9 प्रतिशत रही है। यह वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में 5.8 प्रतिशत थी। वहीं,इस दौरान निजी अंतिम उपभोग व्यय (पीएफसीएफ)में स्थिर कीमतों में 7.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो दिखाता है कि देश में निजी खर्च भी तेजी से बढ़ रहा है।

अगस्त की शुरुआती में मौद्रिक नीति कमेटी (एमपीसी) के फैसलों के ऐलान के दौरान आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 7 प्रतिशत बताया था।

उन्होंने कहा कि जून 2026 के बाद से पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण सप्लाई-साइड पर पड़ने वाला दबाव कुछ कम हुआ है। साथ ही कहा कि जुलाई के पहले सप्ताह से संघर्ष के फिर से बढ़ने के कारण ऊर्जा की कीमतों में उतार-चढ़ाव बढ़ गया है और सप्लाई चेन को लेकर अनिश्चितता फिर से पैदा हो गई है।

सेमीकॉन 2.0 से आकर्षित हो सकता है 5 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का निजी निवेश : उद्योग संगठन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन एवं विनिर्माण (ईएसडीएम) उद्योग ने सरकार द्वारा 1.27 लाख करोड़ रुपए के परिव्यय वाली सेमीकॉन 2.0 योजना को अधिसूचित किए जाने का स्वागत किया है। इंडस्ट्री का कहना है कि यह योजना अगले पांच से सात वर्षों में 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक के संचयी निजी निवेश को आकर्षित करने की क्षमता रखती है और भारत के सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र को नई मजबूती प्रदान करेगी।

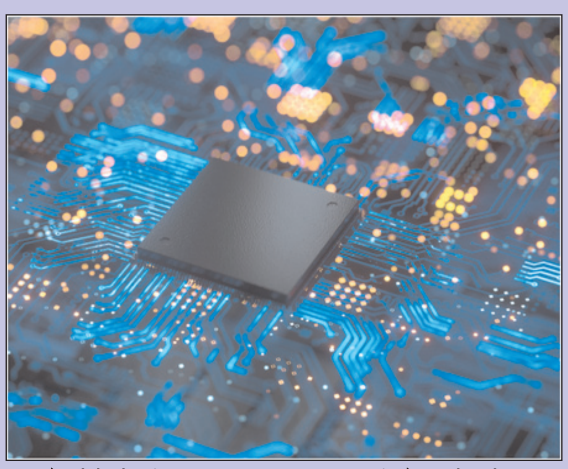

इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) ने कहा कि यह कार्यक्रम पहले से चल रहे सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम का विस्तार है और सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला के 6 प्रमुख स्तंभों को कवर करते हुए भारत की डिजाइन और विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आईईएसए के अध्यक्ष अशोक चंदक ने कहा कि सेमीकॉन 2.0 की आधिकारिक अधिसूचना एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी के तुरंत बाद योजना को अधिसूचित करने की सरकार की गति यह दर्शाती है कि सरकार नीति निरंतरता, प्रभावी क्रियान्वयन और दीर्घकालिक प्रतिबद्धता के प्रति गंभीर है। चंदक ने कहा कि सेमीकंडक्टर उद्योग में निवेश आमतौर पर 10 से 15 वर्षों के लंबे समय को ध्यान में रखकर किया जाता है। ऐसे में नीतिगत स्थिरता निवेशकों के लिए सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक है। उनका मानना है कि इससे घरेलू और वैश्विक दोनों निवेशकों का भारत पर भरोसा और मजबूत होगा।

उद्योग संगठन के अनुसार, सेमीकंडक्टर कार्यक्रम के पहले चरण ने पहले ही उद्योग में विश्वास पैदा किया है। अब तक 12 परियोजनाओं को मंजूरी, 100 से अधिक डिजाइन स्टार्टअप को सहयोग और शैक्षणिक संस्थानों में इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन ऑटोमेशन उपकरणों तक पहुंच बढ़ाने जैसे कदमों ने एक मजबूत आधार तैयार किया है। आईईएसए ने कहा कि सेमीकॉन 2.0 की सबसे बड़ी विशेषता इसकी व्यापकता है। यह योजना चिप डिजाइन, सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन इकाइयों, असेंबली, परीक्षण, पैकेजिंग, उपकरण एवं सामग्री निर्माण, अनुसंधान एवं विकास तथा कुशल मानव संसाधन विकास जैसे पूरे मूल्य श्रृंखला को कवर करती है। उद्योग ने सरकार के उस निर्णय का भी स्वागत किया है, जिसके तहत प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) की संयुक्त अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति रणनीतिक महत्व वाले सेमीकंडक्टर उत्पादों की पहचान करेगी।

इससे यह सुनिश्चित होगा कि प्रोत्साहन उन क्षेत्रों को मिले जो राष्ट्रीय जरूरतों और रणनीतिक प्राथमिकताओं के लिए महत्वपूर्ण हैं। चंदक ने आगे कहा कि मौजूदा निवेश पाइपलाइन और योजना के विस्तारित दायरे को देखते हुए आईईएसए का अनुमान है कि सेमीकॉन 2.0 के तहत फैब्रिकेशन इकाइयों, एटीएमपी और ओसैट सुविधाओं, उपकरण एवं सामग्री निर्माण, अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी), चिप डिजाइन तथा आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े क्षेत्रों में 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश आकर्षित हो सकता है।

एचडीएफसी बैंक के अगले सीईओ की रेस में कैजाद भरूचा सबसे आगे शशिधर जगदीशन के रिटायरमेंट के बाद संभाल सकते हैं कमान : रिपोर्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। एचडीएफसी बैंक के उप प्रबंध निदेशक कैजाद भरूचा बैंक के अगले प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (एमडी एवं सीईओ) बनने की दौड़ में सबसे आगे माने जा रहे हैं। यह संभावना उस समय मजबूत हुई है जब मौजूदा प्रमुख शशिधर जगदीशन ने अपना कार्यकाल समाप्त होने के बाद पुनर्नियुक्ति नहीं लेने का फैसला किया है।

एनडीटीवी प्रॉफिट ने सूत्रों के हवाले से बताया कि अक्टूबर 2026 में जगदीशन के कार्यकाल की समाप्ति के बाद एचडीएफसी बैंक भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को संभावित उत्तराधिकारियों की सूची भेजेगा, जिसमें कैजाद भरूचा का नाम प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर हो सकता है। आरबीआई के नियमों के तहत निजी क्षेत्र के बैंकों को सीईओ पद के लिए दो से तीन संभावित उम्मीदवारों के नाम वरीयता क्रम में केंद्रीय बैंक को स्वीकृति के लिए भेजने होते हैं। अंतिम नियुक्ति आरबीआई की मंजूरी के बाद ही होती है। कैजाद भरूचा एचडीएफसी बैंक के सबसे वरिष्ठ अधिकारियों में गिने जाते हैं। वह जून 2014 से बैंक के निदेशक मंडल का हिस्सा हैं और वर्तमान में उप प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यरत हैं। बैंक के संचालन, जोखिम प्रबंधन और व्यवसायिक रणनीति में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिसके कारण उन्हें स्वाभाविक उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि उनके संभावित कार्यकाल को लेकर एक नियामकीय चुनौती भी सामने आ सकती है। नियमों के अनुसार किसी पूर्णकालिक निदेशक की लगातार सेवा अवधि 15 वर्षों तक सीमित होती है। चूंकि भरूचा जून 2014 में बोर्ड में शामिल हुए थे, इसलिए वे जून 2029 में इस सीमा तक पहुंच जाएंगे। ऐसी स्थिति में यदि वह अक्टूबर 2026 में सीईओ बनते हैं, तो उनका संभावित कार्यकाल तीन वर्ष से भी कम रह सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, यदि आरबीआई विशेष अनुमति देता है तो इस अवधि को आगे बढ़ाया जा सकता है, लेकिन फिलहाल इस संबंध में कोई आधिकारिक संकेत नहीं है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि एचडीएफसी बैंक अन्य उम्मीदवारों के नामों पर भी विचार कर सकता है। आरबीआई के दिशा-निर्देशों के अनुसार, बैंक की नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति को मौजूदा प्रमुख का कार्यकाल समाप्त होने से कम से कम छह महीने पहले उत्तराधिकार प्रक्रिया शुरू करनी होती है और इसमें आंतरिक तथा बाहरी दोनों प्रकार के उम्मीदवारों पर विचार करना आवश्यक होता है।

पर्पल स्टाइल लैब्स आईपीओः महिलाओं के कपड़ों पर फोकस, बढ़ता नुकसान और कर्ज सबसे बड़ा जोखिम

विश्व केसरी

नई दिल्ली। फैशन कंपनी पर्पल स्टाइल लैब्स का इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) निवेशकों के लिए सोमवार को खुला गया है। कंपनी की आरएचपी के अनुसार, इस पब्लिक इश्यू में लगातार नुकसान, बढ़ता कर्ज और महिलाओं के कपड़ों पर फोकस निवेशकों के लिए सबसे बड़े जोखिम हैं।

कंपनी के रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) के मुताबिक, पर्पल स्टाइल लैब्स का कंसोलिडेटेड नुकसान वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 285.40 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि वित्त वर्ष 2024-25 में 188.38 करोड़ रुपए और वित्त वर्ष 2023-24 में 47.71 करोड़ रुपए था।

कंपनी का कुल कर्ज भी तेजी से बढ़कर 31 मार्च, 2026 तक 371.40 करोड़ रुपए हो गया, जो वित्त वर्ष 25 में 112.79 करोड़ रुपए और वित्त वर्ष 24 में 116.33 करोड़ रुपए था। इसके अलावा, कुल आय वित्त वर्ष 25 के 494 करोड़ रुपए से बढ़कर वित्त वर्ष 26 में 567.07 करोड़ रुपए हो गई, जबकि ईबीआईटीडीए 41.99 करोड़ रुपए से घटकर 30.37 करोड़ रुपए रह गया। इसके अलावा, कंपनी के लिए एक बड़ा बिजनेस रिस्क महिलाओं के कपड़ों पर निर्भरता है। वित्त वर्ष 26 में 'पर्नियाज पॉप-अप शॉप' के कुल जीएमवी में इनका हिस्सा 77.7 प्रतिशत था।

आरएचपी के अनुसार, ग्राहकों की पसंद में बदलाव, मांग में कमी या फैशन ट्रेंड्स का अंदाजा न लगा पाने की स्थिति में कंपनी की बिक्री और मुनाफे पर बुरा असर पड़ सकता है। कंपनी को इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी से जुड़े रिस्क का भी सामना करना पड़ रहा है। उसे पर्निया कुरैशी और सेलर से एक नोटिस मिला है, जिसमें 'पर्नियाज पॉप-अप शॉप' ब्रांड से जुड़े कुछ अधिकारों वाले लाइसेंस एग्रीमेंट को खत्म करने की मांग की गई है।

बारिश में हरी सब्जियां सेहत के लिए सुरक्षित हैं या नहीं? जानें खरीदने से लेकर पकाने तक का सही तरीका

बारिश में पत्तेदार सब्ज़ियां पूरी तरह बंद करने की जरूरत नहीं है. ताजी सब्ज़ी चुनें, मिट्टी और खराब पत्तियां हटाकर अच्छी तरह धोएं और पूरी तरह पकाकर खाएं. सही सफाई और भंडारण से मानसून में इन्हें सुरक्षित तरीके से डाइट में शामिल किया जा सकता है.

बारिश का मौसम आते ही बाजार में हरी-हरी पत्तेदार सब्ज़ियां खूब नजर आने लगती हैं. पालक, मेथी, बथुआ, सरसों का साग और चौलाई जैसी सब्ज़ियां देखने में ताजी और पौष्टिक लगती हैं, लेकिन क्या मानसून में इन्हें खाना पूरी तरह सुरक्षित है? यह सवाल इसलिए भी जरूरी है क्योंकि बारिश के दिनों में नमी बढ़ने से सब्ज़ियों पर मिट्टी, कीचड़ और सूक्ष्मजीव चिपके रह सकते हैं. कई बार खेतों और बाजार तक पहुंचने के दौरान पत्तियों पर गंदगी जमा हो जाती है.

ऐसे में बिना अच्छी तरह साफ किए इन्हें पकाना पेट के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है. इसका मतलब यह नहीं कि बारिश में हरी सब्ज़ियां छोड़ ही दें. जरूरत सिर्फ इतनी है कि खरीदने, धोने, काटने और पकाने के तरीके पर थोड़ा ज्यादा ध्यान दिया जाए. सही सावधानी के साथ पत्तेदार सब्ज़ियां मानसून की डाइट का हिस्सा बनी रह सकती हैं.

बारिश में पत्तेदार सब्ज़ियों को लेकर क्यों बढ़ जाती है चिंता?

नमी के कारण जल्दी खराब हो सकती हैं सब्ज़ियां मानसून में हवा में नमी ज्यादा रहती है. पत्तेदार सब्ज़ियां पहले से ही पानी की मात्रा अधिक होने के कारण जल्दी मुरझाने और खराब होने लगती हैं, अगर इन्हें लंबे समय तक गीली अवस्था में रखा जाए, तो इनकी ताजगी कम हो सकती है और खराब होने की प्रक्रिया तेज हो सकती है. इसके अलावा खेतों में बारिश का पानी मिट्टी और दूसरी गंदगी के संपर्क में आ सकता है. यही वजह है कि पालक या मेथी जैसी सब्ज़ियों की पत्तियों के बीच मिट्टी के छोटे कण आसानी से छिपे मिल जाते हैं.

क्या मानसून में पालक और मेथी नहीं खानी चाहिए?

ऐसा कहना सही नहीं होगा कि बारिश के मौसम में सभी पत्तेदार सब्ज़ियां नुकसानदायक होती हैं. असली बात उनकी गुणवत्ता और सफाई से जुड़ी है, अगर सब्ज़ी ताजी है, उसमें सड़न या बदबू नहीं है और उसे अच्छी तरह साफ करके पकाया गया है, तो उसे खाया जा सकता है. मसलन, बाजार से पालक लाने के बाद सीधे काटकर कड़ाही में डालने के बजाय पहले उसकी खराब पत्तियाँ अलग करें. मोटे डंठल और दिखाई देने वाली मिट्टी हटाएं. इसके बाद पत्तियों को साफ पानी में अच्छी तरह धोना बेहतर रहता है.

धोने का तरीका भी है जरूरी

पत्तेदार सब्ज़ियों को एक ही बार पानी में डालकर निकाल देना पर्याप्त नहीं माना जाता. उन्हें साफ बहते पानी में अच्छी तरह धोना चाहिए, ताकि पत्तियों पर चिपकी मिट्टी और गंदगी निकल सके. इसके बाद सब्ज़ी को साफ कपड़े या छलनी में रखकर अतिरिक्त पानी निकाल दें. सब्ज़ी को धोने के बाद लंबे समय तक गीला छोड़ने से बचें. खासकर अगर उसे तुरंत पकाना नहीं है, तो अतिरिक्त नमी हटाकर ही फ्रिज में रखें.

किन बातों का रखें खास ध्यान?

बारिश के दिनों में पत्तेदार सब्ज़ी खरीदते समय केवल उसका रंग देखकर फैसला न करें. बहुत ज्यादा मुरझाई, चिपचिपी या बदबू वाली पत्तियां नजर आएं तो ऐसी सब्ज़ी लेने से बचना बेहतर है।

चुटकियों में रुकेंगे टूटते बाल, मिनटों में खत्म होगी खुजली...जानिए गुड़हल का ये जादुई उपाय

गुड़हल का फूल सिर्फ घर की खूबसूरती और पूजा तक सीमित नहीं है. आयुर्वेद में इसे बालों, त्वचा और शरीर की गर्मी से जुड़ी समस्याओं के लिए उपयोगी माना जाता है. लोकल 18 से फरीदाबाद के आयुष चिकित्सक डॉ. चेतन शर्मा बताते हैं कि गुड़हल बहुत ही कमाल का पौधा है. जिन लोगों के बाल लगातार झड़ रहे हैं, बाल टूट रहे हैं या बाल बहुत कमजोर और पतले हो गए हैं, उनके लिए गुड़हल अचूक इलाज है. इसका इस्तेमाल सोरायसिस, एक्जिमा और डर्मेटाइटिस जैसी त्वचा संबंधी समस्याओं में भी किया जाता रहा है. डॉ. चेतन शर्मा बताते हैं कि गुड़हल भले ही घर में आसानी से मिल जाता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हर व्यक्ति इसका सेवन अपनी मर्जी से शुरू कर दे.

गुड़हल के फूलों को देखते ही कई लोगों को अपना बचपन याद आ जाता है. दादा-दादी के घर के गेट के पीछे खिला चटक लाल फूल हो या पड़ोस की आंटी के आंगन में लगा गुड़हल का पौधा, इसकी खूबसूरती आज भी लोगों को अपनी तरफ खींचती है. गुड़हल का इस्तेमाल लोग पूजा में भी करते हैं. अब बरसात के मौसम में फरीदाबाद की नर्सरियों में भी गुड़हल के पौधे खूब बिक रहे हैं. लोग अपने घर की बालकनी, छत और आंगन को हरा-भरा बनाने के लिए इसे खरीद रहे हैं, लेकिन देखने में आम सा लगने वाला यह फूल सिर्फ घर की सुंदरता और पूजा तक ही सीमित नहीं है. आयुर्वेद में इसके कई औषधीय गुण बताए गए हैं. खासकर बालों, त्वचा और शरीर की गर्मी को शांत करने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है. आइए जानते हैं गुड़हल के फायदे और इसे इस्तेमाल करने का सही तरीका.

पित्त शांत करने में माहिर

लोकल 18 से फरीदाबाद स्थित सर्वोदय हॉस्पिटल के आयुष चिकित्सक डॉ. चेतन शर्मा बताते हैं कि गुड़हल बहुत ही कमाल का पौधा है. इस पौधे में कई औषधीय गुण भी हैं. आयुर्वेद में इसका इस्तेमाल बालों, त्वचा और शरीर में ज्यादा गर्मी महसूस होने जैसी समस्याओं में किया जाता है. जिन लोगों के बाल लगातार झड़ रहे हैं, बाल टूट रहे हैं या बाल बहुत कमजोर और पतले हो गए हैं, उनके लिए गुड़हल को काफी उपयोगी माना जाता है. सोरायसिस, एक्जिमा और डर्मेटाइटिस जैसी त्वचा संबंधी समस्याओं में इसके इस्तेमाल की बात कही जाती है. जिन लोगों को शरीर में ज्यादा गर्मी महसूस होती है, उन्हें भी गुड़हल उपयोगी हो सकता है. आयुर्वेद में इसे पित्त को शांत करने वाली औषधियों में गिना जाता है.

खाली पेट रामबाण

डॉक्टर चेतन शर्मा बताते हैं कि अगर गुड़हल को पानी के साथ लेना है तो इसका एक आसान तरीका भी है. ताजे गुड़हल के दो से तीन फूल लें. फूलों को अच्छी तरह साफ करके एक गिलास पानी में डालकर उबालना शुरू करें. जब पानी उबलते-उबलते करीब आधा रह जाए तो इसे छान लें।

परिवार के लिए बनाइए स्वादिष्ट राजस्थानी दाल बाटी, उंगलियां चाटते रह जाएंगे सभी, जानिये तरीका

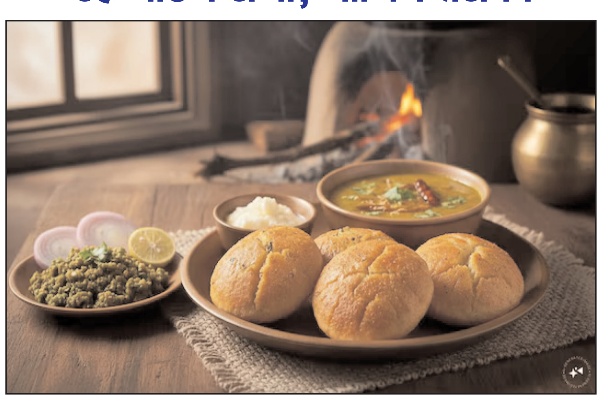

दाल बाटी राजस्थान की प्रसिद्ध डिश है. घी से तर बाटियां और मसालेदार पंचमेल दाल का स्वाद लाजवाब होता है. घर पर असली राजस्थानी स्वाद के लिए यह आसान रेसिपी जरूर ट्राई करें.

दाल बाटी राजस्थान की बेहद प्रसिद्ध और पारंपरिक डिश में से एक है. घी से तर बाटियां और मसालेदार पंचमेल दाल का स्वाद खाने वालों को बहुत पसंद आता है. यह व्यंजन खास अवसरों, त्योहारों और पारिवारिक आयोजनों में बनाया जाता है. यदि आप घर पर असली राजस्थानी स्वाद का आनंद लेना चाहते हैं, तो यह आसान रेसिपी जरूर ट्राई करें.

सबसे पहले एक बड़े बर्तन में गेहूं का आटा, सूजी, अजवाइन, नमक और घी डालकर अच्छी तरह मिला लें. अब थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए सख्त आटा गूंथ लें. आटे को 15 से 20 मिनट ढककर रख दें.

इसके बाद आटे की मध्यम आकार की गोल-गोल बाटियां बना लें. ओवन को 180 डिग्री सेल्सियस पर प्रीहीट करें और बाटियों को लगभग 25 से 30 मिनट तक सुनहरा होने तक बेक करें. यदि ओवन नहीं है तो गैस तंदूर या कढ़ाही में भी इन्हें पकाया जा सकता है.

पकने के बाद गर्म बाटियों को हल्का दबाकर उनमें घी डालें या घी में डुबोकर निकाल लें.

दाल बनाने की विधि

सभी दालों को धोकर लगभग 30 मिनट के लिए भिगो दें. इसके बाद कुकर में दाल, हल्दी और पानी डालकर 3 से 4 सीटी आने तक पका लें।

गुटका-सिगरेट का सेवन या कुछ और? आगरा में क्यों बढ़ रहे कैंसर के मरीज, जान लीजिए लक्षण और बचाव के उपाय

उत्तर प्रदेश के आगरा में गुटका, तंबाकू और सिगरेट के सेवन से कैंसर के मरीजों की संख्या बढ़ रही है. चिकित्सकों ने शुरुआती लक्षणों को पहचानकर समय पर जांच और बचाव के उपाय अपनाने की सलाह दी है.

उत्तर प्रदेश के आगरा में कैंसर के मरीजों की संख्या बढ़ने को लेकर चिकित्सकों ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है. जिला अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक आशीष मित्तल ने बताया कि गुटका, तंबाकू, सिगरेट और शराब जैसी गलत आदतें कैंसर का खतरा बढ़ा सकती हैं. खासकर मुंह, गले और फेफड़ों से जुड़े कैंसर के मामलों में इनका सेवन एक बड़ा जोखिम कारक माना जा रहा है.

उन्होंने बताया कि शरीर में लंबे समय तक बने रहने वाले असामान्य बदलावों को सामान्य समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. चिकित्सक ने कहा कि कैंसर के शुरुआती संकेतों में मुंह में न भरने वाला घाव, सफेद या लाल दाग, लगातार खांसी, आवाज में बदलाव, निगलने में परेशानी, शरीर में असामान्य गांठ, अचानक वजन कम होना, लगातार कमजोरी और बिना कारण दर्द शामिल होते हैं. हालांकि ये लक्षण अन्य बीमारियों के भी हो सकते हैं, इसलिए समय पर डॉक्टर की सलाह जरूरी है, जिससे जांच आदि कर बीमारी का सही पता लगया जा सके.

समय-समय पर जांच जरूरी

उन्होंने कहा कि इससे बचाव के लिए तंबाकू, गुटका और धूम्रपान से पूरी तरह दूरी बनाना चाहिए और शराब के सेवन से बचना चाहिए. घर का बना ताजा खाना जैसे पौष्टिक भोजन, नियमित व्यायाम और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच भी जरूरी है. चिकित्सक ने कहा कि कैंसर की पहचान शुरुआती अवस्था में होने पर इलाज की संभावना बेहतर होती है, इसलिए किसी भी संदिग्ध लक्षण पर तुरंत जांच करानी चाहिए.

गुटका-सिगरेट से होता है मुंह का कैंसर

आगरा के जिला अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक आशीष मित्तल ने युवाओं और किशोरों में बढ़ती तंबाकू व नशे की आदतों को लेकर चिंता जताई है. उन्होंने बताया कि गुटका, तंबाकू और सिगरेट का लगातार सेवन मुंह के कैंसर समेत कई गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ा सकता है. उन्होंने कहा कि आजकल कम उम्र के बच्चे और युवा कई बार गलत संगत में पड़कर गुटका, सिगरेट और शराब जैसी चीजों का सेवन शुरू कर देते हैं. शुरुआत में इसे शौक या फैशन समझा जाता है, लेकिन धीरे-धीरे यह आदत गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकती है.

डॉ. मित्तल ने कहा कि कम उम्र में नशे की शुरुआत भविष्य में शरीर पर बुरा प्रभाव डाल सकती है. मुंह में लंबे समय तक रहने वाले घाव, सफेद या लाल दाग, जलन और निगलने में परेशानी जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की है.

समय से इलाज कराने पर बच सकता है जीवन

आगरा के जिला अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक आशीष मित्तल ने कहा कि कैंसर हो या कोई अन्य गंभीर बीमारी, समय रहते पहचान और उपचार से मरीज को बेहतर इलाज

रात 10 बजे के बाद शरीर में क्या-क्या बदलता है? शुरू हो जाती है बॉडी की 'नाइट शिफ्ट'

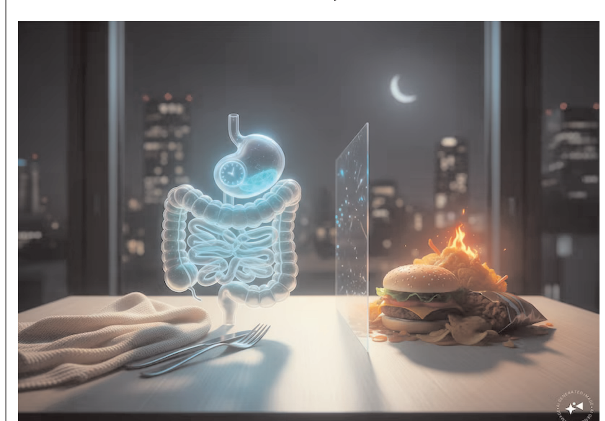

10 pm: रात के 10 बजते ही अगर आपको अचानक नींद आने लगे, आंखें भारी महसूस हों या शरीर आराम मांगने लगे, तो इसे सिर्फ दिनभर की थकान समझकर नजरअंदाज न करें. हमारे शरीर के भीतर इस समय एक अलग तरह की 'नाइट शिफ्ट' शुरू हो जाती है. दिनभर काम करने वाला शरीर धीरे-धीरे अपनी रफ्तार कम करता है और दिमाग, हार्मोन, पाचन तंत्र से लेकर शरीर के तापमान तक में बदलाव आने लगते हैं. यही वजह है कि देर रात तक मोबाइल चलाना, काम करना या खाना सिर्फ नींद का समय बिगाड़ने तक सीमित नहीं रहता. आइए समझते हैं कि रात 10 बजे के बाद शरीर के अंदर आखिर क्या-क्या बदलने लगता है.

रात 10 बजे के बाद शुरू होता है शरीर का आराम मोड हमारे शरीर में एक प्राकृतिक बॉडी क्लॉक होती है, जिसे सर्केडियन रिदम कहा जाता है. यह लगभग 24 घंटे के चक्र के हिसाब से नींद, जागने, भूख, शरीर के तापमान और कई दूसरे कामों को प्रभावित करती है. रात होते ही शरीर को संकेत मिलने लगते हैं कि अब दिन की गतिविधियां कम करने और आराम की तैयारी का समय है.

मेलाटोनिन बढ़ने लगता है शाम ढलने के बाद अंधेरा बढ़ने के साथ शरीर में मेलाटोनिन हार्मोन का स्तर बढ़ने लगता है. यही हार्मोन शरीर को नींद के लिए तैयार करने में अहम भूमिका निभाता है. रात 10 बजे के आसपास कई लोगों में नींद का दबाव इसलिए महसूस होने लगता है. हालांकि, यह हर व्यक्ति में बिल्कुल एक जैसा नहीं होता. किसी को 10 बजे नींद आती है तो किसी की बॉडी क्लॉक देर से चलती है।

क्या आपका बच्चा भी चुपचाप सह रहा है बुलिंग? 4 खामोश इशारों को भूलकर भी न करें नजरअंदाज, हर पैरेंट को जानने चाहिए

क्या आपका बच्चा भी अचानक शांत रहने लगा है या स्कूल जाने से डरता है? ये केवल 'मूड स्विंग्स' नहीं, बल्कि स्कूल बुलिंग के खामोश इशारे हो सकते हैं. जानिए वे 4 छिपे हुए लक्षण जिन्हें हर माता-पिता को समय रहते पहचानना जरूरी है.

माता-पिता के तौर पर हम हमेशा यही चाहते हैं कि हमारा बच्चा स्कूल में सुरक्षित रहे, पढ़ाई करे और खुश रहे. लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि हंसता-खेलता बच्चा अचानक शांत क्यों हो जाता है? कई बार बच्चे किसी ऐसी तकलीफ से गुजर रहे होते हैं, जिसे वे खुलकर बता नहीं पाते. इनमें से एक बड़ी वजह है स्कूल बुलिंग (Bullying). हाल ही में जयपुर में घटी एक दुखद घटना ने हर माता-पिता को हिलाकर रख दिया, जहां चौथी कक्षा के एक मासूम बच्चे ने खामोशी में सहते-सहते अपनी जान दे दी. जांच में सामने आया कि वह बच्चा महीनों से किसी न किसी मानसिक दबाव और बुलिंग का सामना कर रहा था.

अक्सर हमें लगता है कि 8 से 10 साल के छोटे बच्चे 'मौत' या 'तनाव' जैसे शब्दों को नहीं समझते, लेकिन चाइल्ड साइकोलॉजी (बाल मनोविज्ञान) कहती है

कि जब बच्चा लंबे समय तक बुलिंग सहता है, तो वह अत्यधिक मानसिक तनाव में चला जाता है.

नेशनल कमीशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ चाइल्ड राइट्स (NCPCR) और युनेस्को की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में स्कूलों के अंदर बुलिंग एक बहुत आम लेकिन अनदेखी समस्या बन चुकी है. ज्यादातर मामलों में बच्चे डर या शर्म के कारण घर पर कुछ नहीं बताते. माता-पिता उनके बदले हुए बर्ताव को केवल 'मूड स्विंग्स' या 'उम्र का नखरा' समझकर टाल देते हैं.

अचानक गुमसुम या अलग-थलग हो जाना

अगर आपका बच्चा पहले बहुत बातें करता था, लेकिन अब अचानक चुप रहने लगा है, दोस्तों से दूरी बना रहा है या घर आते ही कमरे में बंद हो जाता है, तो यह कोई सामान्य बात नहीं है. यह इस बात का संकेत है कि वह अंदर ही अंदर किसी डर से जूझ रहा है.

स्कूल जाने के नाम पर घबराहट या बहाने बनाना

सुबह उठते ही पेट दर्द, सिरदर्द का बहाना बनाना या स्कूल बस आते ही रोने लगना—ये सिर्फ आलस नहीं हो सकता. अगर बच्चा रोज स्कूल जाने से डर रहा है या वहां जाने के नाम पर पैनिक (घबराहट) हो जाता है, तो संभव है कि उसे स्कूल में साथियों, सीनियर या किसी शिक्षक के गलत व्यवहार का सामना करना पड़ रहा है.

बात-बात पर चिड़चिड़ाना या रो पड़ना

बुलिंग का शिकार हो रहा बच्चा अपनी भावनाओं पर नियंत्रण नहीं रख पाता. छोटी-छोटी बातों पर अचानक गुस्सा होना, चिल्लाना, या बात-बात पर आंखों में आंसू आ जाना उसकी मानसिक उलझन को दर्शाता है. वह अपने अंदर के गुस्से और लाचारी को इसी तरह बाहर निकालता है.

नींद और खान-पान में बदलाव

अत्यधिक तनाव का असर बच्चे की शारीरिक सेहत पर भी दिखता है. रात को देर तक नींद न आना, डरावने सपने देखना, या अचानक भूख कम हो जाना—ये सभी संकेत बताते हैं कि बच्चा मानसिक रूप से शांत नहीं है.

पेरेंट्स क्या करें? (विशेषज्ञों की सलाह)

IC3 मूवमेंट के संस्थापक गणेश कोहली का कहना है कि जब बच्चा बदला-बदला सा लगे, तो उस पर गुस्सा करने या डांटने के बजाय सहानुभूति और उत्सुकता के साथ बात करें.

डांटें नहीं, सुनें: बच्चे से यह न कहें कि 'तुम खुद ही कमजोर हो.' बल्कि उसे यह भरोसा दिलाएं कि आप हर हाल में उसके साथ हैं.

बिना टोके पूरी बात समझें: बच्चे से दोस्ताना माहौल में पूछें कि स्कूल में उसका दिन कैसा बीता, कौन-कौन से दोस्त बने और क्या कोई उसे परेशान कर रहा है। स्कूल से संपर्क करें: अगर आपको बुलिंग का थोड़ा सा भी शक हो, तो तुरंत स्कूल प्रशासन और काउंसलर से बात करें. इसे 'बच्चों का आपस का मामला' मानकर नजरअंदाज न करें।

मिस टीन इंटरनेशनल बनीं क्यूबा की जोआना उरांगा, बोलीं- 3 साल की मेहनत रंग लाई

जयपुर। क्यूबा की जोआना उरांगा ने जयपुर में आयोजिम प्रतिडित सौंदर्य प्रतियोगिता 'मिस टीन इंटरनेशनल 2026' का खिताब अपने नाम किया है। जोआना ने इस अंतराष्ट्रीय मंच पर क्यूबा की सस्कृति, मूलयों और नेवत्त क्षमता का प्रतिनिधिव्व किया और अपने शानदार प्रदर्सम से जजों को प्रभावित कर ताज अपने नाम किया।

जीत के बाद जोआना उरांगा ने मीडिया से बातचीत की, जिसमें उन्होंने बताया कि इस कॉम्पटिशन के लिए वे पिछले तीन साल से तैयारी कर रही थीं। उन्होंने कहा, 'मैं इस प्रतियोगिता के लिए पिछले 3 साल से ज्यादा समय से तैयारी कर रही थी और सच कहूं, तो सारी मेहनत रंग लाई क्योंकि यह मेरे बड़े ख्वाबों में से एक था और यह सच हो गया।

उन्होंने आगे कहा, 'मैं उन सभी लोगों को धन्यवाद कहना चाहती हूं, जिन्होंने मुझे सपोर्ट दिया। हमेश सपने देखते रहना चाहिए और कभी हार नहीं माननी चाहिए। उन्होंने आगे बातचीत में भारत की भव्यता की तारीफ करते हुए कहा, 'मुझे भारत से बहुत प्यार है और मैं फिर से यहां जरूर आऊंगी। यहां के लोगों ने मुझे सच में घर जैसा महसूस करवाया और सच में मैं आप लोगों से प्यार करती हूं।'

इस प्रतियोगिता में कनाडा, कोलंबिया, क्यूबा, ??डोमिनिकन रिपब्लिक, फिजी, फ्रांस, जर्मनी, इंडिया, जापान, मैक्सिको, नामीबिया, नीदरलैंड्स, पैराग्वे, पेरू, फिलीपींस, प्यूर्टो रिको, रोमानिया, स्पेन, श्रीलंका, संयुक्त राज्य अमेरिका, वेनेजुएला, वियतनाम और जिम्बाब्वे जैसे देशों के प्रतियोगी शामिल हुए थे।

रिजल्ट पर बात करते हुए, मिस टीन इंटरनेशनल के मालिक निखिल आनंद ने भी मीडिया के साथ बातचीत की, जिसमें उन्होंने उरंगा को बधाई देते हुए कहा, 'मुझे बहुत खुशी है कि सभी कंटेस्टेंट ने इतना शानदार परफॉर्मेंस दिया, जिसे देखते हुए हमारे लिए विनर का चयन करना हमारे लिए मुश्किल था। क्यूबा को बधाई, जिसने अपना पहला मिस इंटरनेशनल खिताब जीता और हम उनके (क्यूबा की जोआना उरांगा) साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं।'

दुनियाभर की सुंदरियों का रहा जलवा

इस प्रतियोगिता में कनाडा, कोलंछिया, क्यूबा, डोमिनिकन रिपब्लिक, फिजी, फ्रांस, जर्मनी, इंडिया, जाप्रन, मैवसिको, नार्मीबिया, नीदरलैंड्स, वैराये, पेय, फिलीपींझ, प्यूर्ट रिको, रोमानिया, स्पेन, श्रीलंका, संयुक्त रांज्य अमेरिवक, वेनेजुएला, वियतनाम और जिम्वा-जिवाब्वे सैसे देशों के प्रतिवोगी शामिल हुए थे।

विनर्स की लिस्ट

- विनर: जोआना उरांगा (क्यूबा)
- फर्स्ट रनर अप: भारत
- सेकेंड रनर अप: डोमिनिकन रिपब्लिक
- थार्ड रनर अप: श्रीलंका
- फोर्थ रनर अप: मैक्सिको

'अर्जुन रेड्डी' के दिनों को याद कर भावुक हुए विजय देवरकोंडा, बोले- संदीप रेड्डी वांगा और मेरा रिश्ता बेहद खास

विश्व केसरी

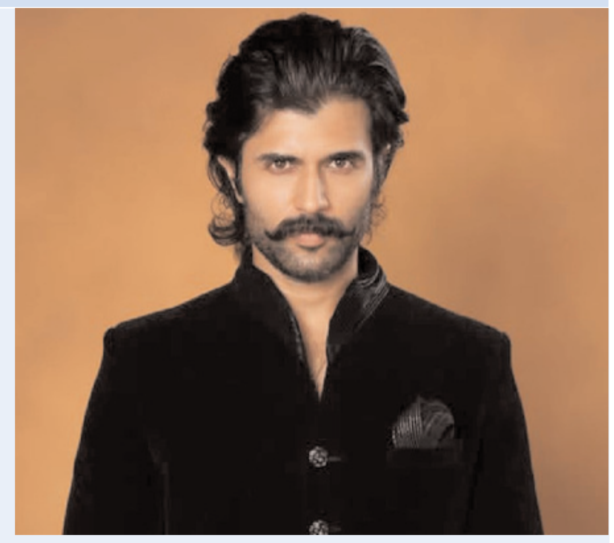

मुंबई। विजय देवरकोंडा और संदीप रेड्डी वांगा ने अपने करियर के एक ऐसे दौर में साथ कदम रखा था, जब उनके पास न तो पहचान थी और न ही फिल्मों की दुनिया में कोई बड़ा सहारा। एक फिल्म पर दोनों ने अपना करियर और भविष्य तक दांव पर लगा दिया था। उस मुश्किल समय में जो भरोसा दोनों के बीच बना, वह आज भी कायम है। यही वजह है कि जब विजय से संदीप के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि उनके मन में संदीप के लिए बेशुमार प्यार है और वह उसे शब्दों में नहीं बता सकते।

विजय देवरकोंडा निर्देशक वेणु गोपाल रेड्डी की रोमांटिक फिल्म 'रोमनचकम' के प्री-रिलीज इवेंट में पहुंचे थे। इस फिल्म को संदीप रेड्डी वांगा प्रस्तुत कर रहे हैं। इसी दौरान विजय ने संदीप के साथ अपने रिश्ते और फिल्म 'अर्जुन रेड्डी' के दिनों को याद किया।

विजय ने कहा, ''संदीप के लिए मेरे मन में जो प्यार है, उसे मैं शब्दों में नहीं बता सकता। यह सिर्फ निर्देशक और अभिनेता का रिश्ता नहीं है। यह सिर्फ भाई का रिश्ता या दोस्ती भी नहीं है। यह कुछ और है। मेरा संदीप के साथ रिश्ता करियर के शुरुआती संघर्षों से जुड़ा हुआ है।''

विजय ने 'अर्जुन रेड्डी' के बनने के समय को याद करते हुए बताया कि उस वक्त दोनों के पास ज्यादा पैसा या किसी तरह का प्रभाव नहीं था। फिल्म बनाना उनके लिए किसी बड़ी लड़ाई से कम नहीं था। उन्होंने कहा कि उस समय उन्हें खुद नहीं पता था कि वे क्या कर रहे हैं। अगर फिल्म नहीं चलती तो दोनों के लिए हालात बहुत मुश्किल हो सकते थे।

विजय ने कहा, ''उस वक्त हम दोनों साथ में जंग लड़ रहे थे। हमें नहीं पता था कि हम क्या कर रहे हैं। अगर फिल्म नहीं चलती तो हमारे लिए हालात बहुत मुश्किल हो सकते थे। हम दोनों के पास पैसे नहीं थे। हमारी कोई पहचान नहीं थी। हमारे कोई फैंस नहीं थे, क्योंकि तब तक फिल्म 'पेलीचूपुलु' रिलीज नहीं हुई थी।''

अभिनेता ने कहा, ''मुझे संदीप को सिर्फ इसलिए याद नहीं करता कि 'अर्जुन रेड्डी' सफल रही या बाद में वह फिल्म इतनी बड़ी बन गई। मेरे लिए इस फिल्म से जुड़े असली मायने हमारे साथ बिताए हुए पल हैं। फिल्म बनाते समय हमने न सिर्फ काम किया, बल्कि अपनी जिंदगी, तनाव और मुश्किलें भी एक-दूसरे के साथ साझा कीं।''

विजय ने कहा, ''फिल्म बनाने के लिए प्रणय और प्रभाकर ने अपनी जमीन तक गिरवी रख दी थी। उन्होंने संदीप पर भरोसा करके फिल्म के लिए पैसा लगाया था और संदीप ने भी मुझ पर पूरा विश्वास रखा। इतना ही नहीं, उन्होंने उन लोगों को भी मेरी काबिलियत पर भरोसा करने के लिए तैयार किया।''

अमिताभ बच्चन को समझ नहीं आई जेन जी की भाषा, बोले- अजीब-अजीब शब्द बनाते हैं

मुंबई। जनरेशन गैप की वजह से अक्सर सोच, बोलचाल और पहनावे का अंतर होना स्वाभाविक है। यही बदलाव आज की युवा पीढ़ी, यानी कि जेन-जी जनरेशन में काफी देखने को मिलते हैं, जिनमें उनके बातचीत करने के तरीके उनसे बड़ी पीढ़ी के लोगों के लिए समझना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। इस बदलाव को देखते हुए मेगास्टार अमिताभ बच्चन भी इस 'जेन-जी' भाषा को समझने और सीखने की कोशिश करते नजर आए।

हाल ही में क्विज रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' के एक एपिसोड के दौरान मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने कहा कि कैसे हर पीढ़ी के साथ भाषा और उसके शब्द बदलते रहते हैं। उन्होंने 'रॉकिंग' और 'किलिंग इट' जैसे शब्दों का मजाक उड़ाते हुए उनका शाब्दिक मतलब निकाला।

युवा पीढ़ी की भाषा पर अपनी कन्फ्यूजन शेयर करते हुए बच्चन ने कहा, 'आज कल की 'जेन जी' या 'जेन ए' पता नहीं कैसे बोलचाल की भाषा में शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। 'यू आर रॉकिंग... मिस्टर बच्चन, यू आर रॉकिंग।' हमने कहा, 'यार, पत्थर तो हमने अभी तक उठाया नहीं। हमारी तस्वीर देखकर बोलते हैं कि 'सर, यू आर किलिंग इट।' हमने कहा कि मौत की बात काहे कर रहा है यार हमसे '

पहले भी, अमिताभ बच्चन ने कहा था कि उनके लिए 'जेन जी' भाषा और 'टर्मिनोलॉजी' को समझना बहुत मुश्किल होता है। मेगास्टार ने हाल ही में एक नया जेन जी टर्म, 'बीवी पगलू' भी खोजा था।

इसका मतलब जानने के बाद, अमिताभ ने मजाक में कहा था, 'यह बिल्कुल सही है। पत्नी बॉस है और हर पति को यह मानना चाहिए।

कश्मीरा शाह ने दिखाए परफेक्ट कर्व्स, कृष्णा अभिषेक ने किया चीयर

विश्व केसरी

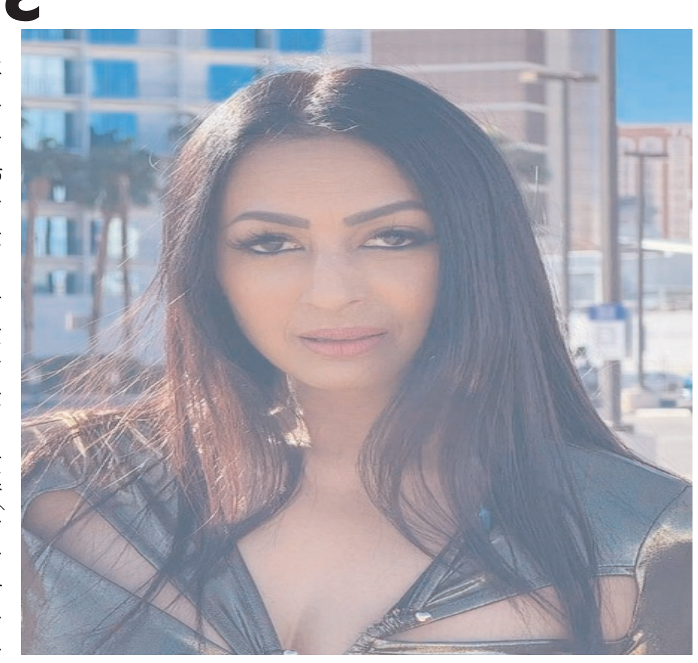

मुंबई। कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक सोमवार को पत्नी कश्मीरा शाह के साथ चियर करते नजर आए। अभिनेत्री कश्मीरा शाह ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ शानदार तस्वीरें और मोंटाज वीडियो पोस्ट किए, जिसमें वे अपने परफेक्ट कर्व्स दिखा रही हैं।

अपनी इस पोस्ट के जरिए कश्मीरा शाह ने जोर दिया कि उन्हें अपना शरीर सभी कमियों के साथ पसंद है। उन्होंने बताया कि वे अब वापस पुरानी डायट पर जा रही हैं।

कश्मीरा शाह ने लिखा, 'बस खुद को याद दिला रही हूं कि मैं बहुत तेज हूं और बिना एडिट के हूं और अपनी कमियों को लेकर बिल्कुल भी शर्माती नहीं हूं। मुझे अपनी बॉडी बहुत पसंद है और हर तरह से मैं इसे अपनाती हूं। अब मैं डाइट पर जा रही हूं, तो भगवान मेरी मदद करें।'

कश्मीरा शाह की इस पोस्ट पर उनके पति और कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक ने भी चियर किया। उन्होंने कमेंट सेक्शन पर लिखा, 'वाह।'

कमेंट सेक्शन में उनकी तारीफ करते हुए एक यूजर ने लिखा, 'आप बिल्कुल जबरदस्त, बिंदास और जैसी हैं, वैसी ही खूबसूरत हैं, एक और ने लिखा, 'मेरी रानी, ??हमेशा खूबसूरत, हमेशा निडर!'

तीसरे कमेंट में लिखा था, 'इसे अपनाओ, इसे अपनाओ, इसे प्यार करो! आप अपनी स्किन में ही खूबसूरत हैं।'

इसके बाद उन्होंने प्रसिद्ध कॉमेडियन और अभिनेता कृष्णा अभिषेक (गोविंदा के भांजे) से साल 2013 में शादी की। सरोगेसी के जरिए उनके दो जुड़वां बेटे (कृशांक और रेयान) हुए।

कश्मीरा शाह के करियर पर नजर डालें, तो उन्होंने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। उन्होंने 'यस बॉस' (1997), 'प्यार तो होना ही था' (1998) और 'हेरा फेरी' (2000) जैसी कई लोकप्रिय हिंदी फिल्मों में काम किया है।

फिल्मों के अलावा वह लोकप्रिय रियलिटी शो जैसे 'बिग बॉस 1', 'नच बलिए 3' और 'फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 4' में प्रतियोगी रह चुकी हैं और कई फिल्मों में आइटम सॉन्ग भी कर चुकी हैं।

श्रेयस तलपड़े की सुभाष घई ने की जमकर तारीफ, बोले- इंडस्ट्री में नहीं मिला वह सम्मान जिसके हकदार थे

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेता श्रेयस तलपड़े अपने अभिनय से भारतीय सिनेमा में खास पहचान रखते हैं। निर्देशक सुभाष घई ने अभिनेता की सराहना करते हुए बताया कि वे अपने दमदार अभिनय से हर किसी को चौंका देते हैं।

निर्देशक ने इंस्टाग्राम पर श्रेयस तलपड़े की तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर लिखा, 'चाहे फिल्म 'इकबाल' हो, 'अपना सपना मनी मनी' या फिर, धमाल हो या फिर' 'द इंडिया स्टोरी'। श्रेयस मुंबई के सबसे वर्सेटाइल एक्टर्स में से एक हैं, जिन्हें कई बार हमारी इंडस्ट्री में वह पहचान नहीं मिली जिसके वे हकदार हैं।

निर्देशक ने लिखा, 'फिल्म 'इकबाल' में एक गूंगे-बहरे क्रिकेटर के किरदार से हमें नेशनल अवॉर्ड दिलाया और 'अपना सपना मनी मनी' जैसी कॉमेडी फिल्म को बड़ी हिट बनाया। पिछले हफ्ते उन्होंने हमारी अंडर-प्रोडक्शन कोर्ट ड्रामा फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' के सेट पर अपने दमदार सीन से हम सभी को चौंका दिया।'

उन्होंने अपनी बात को खत्म करते हुए लिखा, 'थैंक यू श्रेयस, मुक्ता आर्ट्स में तुम्हारी वापसी हुई है और आगे भी कई शानदार फिल्में आने वाली हैं। हमेशा खुश रहो।'

अभिनेता श्रेयस तलपड़े के करियर ग्राफ पर नजर डाले तो बॉलीवुड में अभिनेता ने 2005 में नागेश कुकुनूर की फिल्म 'इकबाल' से कदम रखा था। इस फिल्म में उन्होंने एक बहरे और मूक महत्वाकांक्षी क्रिकेटर की भूमिका निभाई थी। उनके इस सरल और भावुक अभिनय को दर्शकों ने खूब सराहा, जिससे उन्हें हिंदी सिनेमा में रातों-रात प्रसिद्धि मिली। इस फिल्म को सुभाष घई के प्रोडक्शन हाउस मुक्ता आर्ट्स के बैनर तले रिलीज किया गया था।

इसके उन्होंने 'अपना सपना मनी मनी' (2006) और शाहरुख खान के साथ ब्लॉकबस्टर फिल्म 'ओम शांति ओम' (2007) में पप्पू मास्टर का किरदार निभाकर बड़ी सफलता हासिल की।

नेपाल-तिब्बत बॉर्डर पर बाढ़ में फंसी थीं मानसी पारेख, मुश्किलों से निकलकर पहुंचीं मुंबई

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री मानसी पारेख ने अपनी कैलाश मानसरोवर यात्रा पूरी करके मुंबई वापस लौट आईं हैं। उन्होंने सोमवार को सोशल मीडिया के जरिए अपने वापसी का अनुभव शेयर करते हुए बताया कि चीन से नेपाल बॉर्डर तक पहुंचना जंग जीतने जैसा था। अभिनेत्री मानसी पारेख ने अपनें इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कुछ नोट शेयर किए। इसमें उन्होंने बताया कि चीन के न्यालम शहर में बड़े लैंडस्लाइड की वजह से उनके ग्रुप को बस के अंदर ही करीब चार घंटे तक इंतजार करना पड़ा, उसके बाद उन्होंने करीब 40 मील का सफर बस से तय किया।

मानसी ने यह भी कहा कि सफर कितना भी मुश्किल क्यों न रहा हो, लेकिन मुंबई अपने परिवार और बेटी के पास वापस लौटने के सामने ये सारी परेशानियां कुछ भी नहीं थीं। उन्होंने लिखा, 'आप सभी के ढेरों प्यार, मैसेज, कॉल और दुआओं के लिए शुक्रिया। पिछले 3-4 दिन बहुत मुश्किल भरे रहे और चीन से निकलकर नेपाल बॉर्डर तक पहुंचना किसी जंग जीतने जैसा था। चीन के न्यालम शहर में बहुत बड़ा लैंडस्लाइड हुआ था, जिसकी वजह से हमें बस में ही 4 घंटे तक इंतजार करना पड़ा था, तब जाकर हम सड़क के रास्ते चीन से बाहर निकलने का सफर शुरू कर पाए थे।

उन्होंने आगे लिखा, 'करीब 40 मील के लंबे बस के सफर के बाद हम नेपाल बॉर्डर पहुंचे, जहां एक और लैंडस्लाइड हुआ था। दूसरी तरफ खड़ी बसों तक पहुंचने के लिए हमें पैदल ही उस लैंडस्लाइड वाले रास्ते से गुजरना पड़ा, क्योंकि और कोई रास्ता नहीं था।'

अभिनेत्री मानसी पारेख ने अपना अपडेट शेयर करते हुए लिखा, 'फिर हमारी जिंदगी का सबसे उबड़-खाबड़ बस का सफर शुरू हुआ, जब हम काठमांडू के लिए निकले जो 4 घंटे दूर था, लेकिन ये सब परेशानी सार्थक थी क्योंकि इसका मतलब था मुंबई वापस आना, अपने परिवार और बेटी के पास आने और उन्हें गले लगाना।'

दरअसल, मानसी पारेख की वापसी उस घटना के कुछ ही दिन बाद हुई है, जब उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से बताया था कि बाढ़ आने से सिर्फ पांच दिन पहले ही वह तिब्बत में उसी जगह पर थीं। एक्ट्रेस कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए एक ग्रुप के साथ गई थीं, तभी इस इलाके में ये आपदा आई।

नेपाल के दूतावास पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, शोक-पुस्तिका पर किए हस्ताक्षर

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी स्थित नेपाल दूतावास पहुंचे। यहां उन्होंने बाढ़ विभीषिका में हताहत हुए पीड़ितजनों के प्रति दुख व्यक्त किया।

दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। बताया कि भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को दूतावास पहुंचे, वहां तैनात अधिकारियों से बात की और भारत सरकार तथा भारत की जनता की ओर से शोक-संदेश पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए।

इसमें आगे लिखा गया कि नेपाल में हाल ही में आई अचानक बाढ़ से हुई जान-माल की भारी क्षति और तबाही पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने भारत का समर्थन दोहराते हुए कहा कि भारत इस मुश्किल घड़ी में नेपाल के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है और नेपाल में खोज, बचाव और पुनर्वास के प्रयासों में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है।

नेपाल बाढ़ के बाद से ही नेपाल की हरसंभव मदद कर रहा है। हाल ही में नेपाल में बाढ़ के बाद भारत ने फोरेंसिक और टनल रेस्क्यू टीमें भेजी हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय के मुताबिक, 19 सदस्यीय फोरेंसिक टीम काठमांडू पहुंचकर काम शुरू कर चुकी है। यह टीम बाढ़ में मारे गए लोगों की पहचान के लिए डीएनए सैंपल की जांच में नेपाली अधिकारियों की मदद करेगी। वहीं, भारतीय टनल रेस्क्यू टीम ने चिलिमे और लांगटांग हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स में नेपाल सेना के सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन में मदद की। इन प्रोजेक्ट्स में करीब 898 कर्मचारी अब भी फंसे हुए हैं।

इस बीच, नेपाल की नेशनल डिजास्टर रिस्क रिडक्शन एंड मैनेजमेंट अथॉरिटी (एनडीआरआरएमए) की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों (सुबह 9 बजे तक) के अनुसार, अब तक 903 शव बरामद किए जा चुके हैं। इनमें सबसे ज्यादा 272 शव दक्षिणी चितवन जिले में मिले हैं, जहां प्रशासन को उन्हें संभालने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। चितवन के स्थानीय अधिकारियों ने बाद में बरामद ज्यादातर शवों को देवघाट में दफना दिया, जो काली गंडकी और त्रिशूली नदियों का संगम स्थल है, ताकि जिले में बीमारियों के फैलने का खतरा न रहे। एनडीआरआरएमए के मुताबिक, अब भी 4,247 लोग लापता हैं, जिनमें 592 विदेशी नागरिक शामिल हैं। इसके अलावा, भोटेकोशी और त्रिशूली नदी क्षेत्रों में स्थित विभिन्न जलविद्युत परियोजनाओं में काम करने वाले 933 कर्मचारी भी अब तक संपर्क में नहीं आए हैं।

किरेन रिजिजू ने सर्बिया में यूगोस्लाविया म्यूजियम का किया दौरा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सर्बिया के बेलग्रेड में यूगोस्लाविया संग्रहालय और यूगोस्लाविया के पूर्व राष्ट्रपति जोसिप ब्रोज़ टीटो की समाधि स्थल हाउस ऑफ फ्लावर्स का दौरा किया। वह गुटनिरपेक्ष आंदोलन (एनएएम) की उच्चस्तरीय स्मृति बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए सर्बिया पहुंचे हैं।

रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपनी यात्रा की जानकारी साझा करते हुए कहा कि इन ऐतिहासिक स्थलों ने उन्हें यूगोस्लाविया के राजनीतिक इतिहास, सांस्कृतिक विरासत और टीटो के जीवन तथा उनके योगदान को समझने का अवसर दिया।

उन्होंने लिखा, 'सर्बिया के बेलग्रेड में यूगोस्लाविया के म्यूजियम और 'हाउस ऑफ फ्लावर्स' का दौरा किया। यह एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थल है, जो

यूगोस्लाविया के राजनीतिक इतिहास, सांस्कृतिक विरासत और जोसिप ब्रोज टीटो के जीवन और विरासत की गहरी झलक देता है।'

केंद्रीय मंत्री ने इस यात्रा को एक सार्थक अनुभव बताते हुए कहा कि इससे उन्हें उस इतिहास को समझने और उस पर विचार करने का मौका मिला, जिसने इस पूरे क्षेत्र को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रिजिजू बेलग्रेड में गुटनिरपेक्ष आंदोलन (एनएएम) के पहले शिखर सम्मेलन की 65वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित उच्चस्तरीय स्मृति बैठक में भारत के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। यह बैठक 31 अगस्त से एक सितंबर तक 'गुटनिरपेक्ष आंदोलन: आज की दुनिया के लिए सबक' थीम के तहत आयोजित की जा रही है। इससे पहले रविवार को रिजिजू ने बेलग्रेड में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। उन्होंने सर्बिया में रहने वाले भारतीय समुदाय के सदस्यों से मुलाकात की और भारत-सर्बिया संबंधों को मजबूत बनाने में उनके योगदान की सराहना की।

उन्होंने एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में कहा, एनएएम बैठक से पहले बेलग्रेड में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। भारतीय समुदाय के सदस्यों से मुलाकात की और भारत-सर्बिया संबंधों को मजबूत बनाने में उनके योगदान की सराहना की। यह स्मृति बैठक इसलिए भी खास मानी जा रही है क्योंकि 1961 में बेलग्रेड में आयोजित पहले एनएएम सम्मेलन के 65 वर्ष पूरे हो रहे हैं।

संक्षिप्त खबर

अमेरिका भारत के साथ निवेश बढ़ाने के लिए इच्छुक: क्रिस पिलकर्टनऐशविले

विश्व केसरी

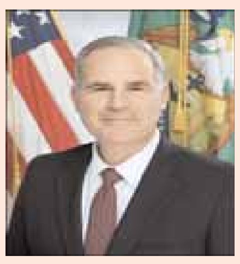

ऐशविले। अमेरिका भारत के साथ निवेश संबंधों को और मजबूत करना चाहता है और भारतीय कंपनियों को उसके राष्ट्रीय सुरक्षा समीक्षा प्रक्रिया को समझने और उसमें आगे बढ़ने में मदद करने के लिए भी तैयार है। यह बात अमेरिकी वित्त मंत्रालय (ट्रेजरी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने जी20 वित्त मंत्रियों की बैठक से पहले कही। आईएएनएस के साथ एक खास बातचीत में अमेरिकी असिस्टेंट सेक्रेटरी क्रिस पिलकर्टन ने कहा कि वह भारतीय अधिकारियों और कंपनियों के साथ संभावित निवेश अवसरों पर बातचीत का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा, मैं भारतीय अधिकारियों और भारतीय कंपनियों से मिलने का अवसर चाहता हूं, ताकि हम देख सकें कि कमेटी ऑन फॉरेन इन्वेस्टमेंट इन द यूनाइटेड स्टेट्स (सीएफआईयूएस) प्रक्रिया के जरिए साथ मिलकर काम करने के कौन-कौन से रास्ते हो सकते हैं। सीएफआईयूएस अमेरिका में होने वाले कुछ विदेशी निवेशों की समीक्षा करती है और यह जांचती है कि उनका अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा पर कोई असर तो नहीं पड़ेगा। पिलकर्टन ने कहा कि यह समिति हर निवेश का अलग-अलग आधार पर मूल्यांकन करती है और केवल इस आधार पर फैसला नहीं करती कि निवेश किस देश से आ रहा है।

ईरान किसी भी हमले का निर्णायक जवाब देगा : विदेश मंत्रालय

विश्व केसरी

तेहरान। लारक द्वीप पर अमेरिकी हमले का जवाब ईरान ने जॉर्डन को निशाने पर ले दिया। एक महीने बाद अमेरिका की ओर से किए गए हमले के बाद से मध्य-पूर्व में संघर्ष फिर बढ़ने की आशंका है। ईरान ने कहा है कि वह अपनी जमीन और हितों के खिलाफ आगे की किसी भी सैन्य कार्रवाई का निर्णायक जवाब देगा। इसके साथ ही उसने किसी भी संभावित तनाव बढ़ने के लिए अमेरिका और उसके सैन्य अभियानों का समर्थन करने वाले देशों को जिम्मेदार ठहराया है। ईरान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'उसके सशस्त्र बलों ने लारक द्वीप पर अमेरिकी हमले के जवाब में जॉर्डन में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। जॉर्डन में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों का इस्तेमाल लारक द्वीप पर हमले को अंजाम देने और उसे समर्थन देने के लिए किया गया था। ईरान का दावा है कि इस हमले में उसके सशस्त्र बलों के कई सदस्य और आम नागरिक मारे गए। बड़ी तादाद में लोग घायल भी हुए। विदेश मंत्रालय ने कहा, 'ईरान अपनी सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगा।' मंत्रालय ने चेतावनी दी कि यदि ईरान के खिलाफ सैन्य आक्रामकता दोहराई गई तो उसका जवाब 'निर्णायक' होगा। तेहरान ने यह भी कहा कि अमेरिका तथा उसके सैन्य अभियानों को समर्थन देने वाले पक्ष संभावित रूप से संघर्ष बढ़ने की स्थिति के लिए पूरी तरह जिम्मेदार होंगे। बता दें, अमेरिकी सेना ने रविवार को ईरान के लारक द्वीप पर दो रॉकेट लॉन्चर्स को निशाना बनाया। लारक द्वीप होर्मुज स्ट्रेट के पास है।

अमेरिका के ग्रैंड कैन्यन में आई बाढ़ 20 लोग लापता

विश्व केसरी

लॉस एंजिल्स। अमेरिका के एरिजोना में शनिवार को ब्राइट एंजेल कैन्यन और फैंटम रेंच इलाके में अचानक आई बाढ़ से स्थिति बिगड़ गई। अमेरिकी नेशनल पार्क सर्विस के अनुसार, घटना के बाद 20 से ज्यादा लोगों के लापता हैं।

प्रशासन ने अपील की है कि अगर कोई ऐसे हाइकर्स या बैकपैकर्स के बारे में जानता है जो 29 अगस्त को ब्राइट एंजेल क्रीक कॉरिडोर के साथ अंदरूनी कैन्यन में थे, या अगर किसी ने प्रभावित कॉरिडोर में कैंपग्राउंड रिज़र्वेशन कराया था, तो वे नेशनल पार्क सर्विस की इन्वेस्टिगेटिव सर्विसेज ब्रांच को जानकारी दें। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, पार्क अधिकारियों ने बताया कि वे एरिजोना डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक सेफ्टी के साथ मिलकर बचाव और निकासी अभियान चला रहे हैं। साथ ही यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि प्रभावित क्षेत्र में मौजूद सभी लोग सुरक्षित हैं या नहीं।

इस बीच, पार्क प्रशासन ने बताया कि 30 अगस्त की सुबह तक 62 लोगों को

फैंटम रैंच और लोअर नॉर्थ काइबाब ट्रेल इलाके से सुरक्षित निकाला जा चुका है।

अधिकारियों के अनुसार, निकाले गए लोगों को साउथ रिम स्थित मैस्विक लॉज कैफेटेरिया ले जाया जा रहा है, जहां अमेरिकन रेड क्रॉस उनकी सहायता कर रहा है। प्रशासन ने कहा, ताजा उपलब्ध जानकारी के अनुसार अभी तक किसी के घायल होने की सूचना नहीं मिली है। अचानक आई इस बाढ़ से ब्राइट एंजेल कैन्यन में बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है। अधिकारियों के मुताबिक, ब्राइट एंजेल क्रीक पर बने लगभग सभी पैदल पुल बह गए हैं, जिससे ट्रेकर्स और पर्यटकों के लिए नदी पार करना संभव नहीं रह गया है। उन्होंने बताया कि पार्क के कर्मचारी अभी भी ट्रेल्स, पुलों, बिजली-पानी जैसी सुविधाओं, इमारतों और अन्य ढांचों को हुए नुकसान का आकलन कर रहे हैं।

इसके अलावा, सोमवार के लिए आंधी और भारी बारिश की चेतावनी भी जारी की गई है। अधिकारियों का कहना है कि इससे और अधिक फ्लैश फ्लड, मलबा बहने, चट्टानें गिरने तथा ट्रेल्स और नदी के हालात में अचानक बदलाव का खतरा बना हुआ है।

नेपाल बाढ़ से 781 लोगों की मौत, 2,500 आपदा प्राधिकरण प्रमुख

विश्व केसरी

काठमांडू। नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ को मेगा आपदा बताते हुए आपदा प्राधिकरण प्रमुख डॉ. धर्मराज उप्रेती ने बताया कि अब तक 781 शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि 2,502 लोग अभी भी लापता हैं। लगभग 8,730 लोगों को बचाया गया है और 19,895 सुरक्षाकर्मी बचाव अभियान में लगे हैं।

उन्होंने कहा कि छह सुरंगों में लोगों के फंसे होने की आशंका है, जिससे लगातार लोगों को निकाला जा रहा है, वहीं भारत के सुरंग विशेषज्ञ और चीन दोनों ही बचाव और सूचना साझा करने में सहयोग कर रहे हैं। आपदा प्राधिकरण प्रमुख डॉ. धर्मराज उप्रेती ने कहा, 781 शव बरामद हुए हैं और 2,502 लोग अभी भी लापता हैं। लगभग 8,730 लोगों को बचाया गया है। लगभग 19,895 सुरक्षा बल तैनात हैं, तो बचाव और खोज अभियान जारी है।

लगभग छह सुरंगें चालू हैं। लोगों को सुरंगों में फंसे होने का डर है, इसलिए हम उन्हें बाहर निकालने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। सुरंगों से लोगों को बचाया जा रहा है। हम उम्मीद कर रहे हैं कि और लोगों को बचाया जाएगा। बाढ़ के खतरे को लेकर उन्होंने कहा, 'बाढ़ ने हमारे इलाके को बुरी तरह प्रभावित किया है, इसलिए हाहाकार मचा है। बाढ़ के अगले दिन भी हमने यह सुना था कि बाढ़ की अगली लहर आ रही है। फिर हमने जोखिम-ग्रस्त समुदायों को बहुत सारे एसएमएस भेजे। नदी के प्रवाह में थोड़ी वृद्धि हुई, लेकिन पहले जितनी तीव्र नहीं थी। आज सुबह जब हमने अपने उत्तरी हिस्से से हमारे सुरक्षा या प्रशासनिक स्रोतों से वही संदेश सुना, तो हमने किसी भी भविष्य के जोखिम से बचने के लिए नीचे की ओर बसे समुदायों को फिर से एसएमएस अलर्ट जारी किए।

बलूचों ने 'इंटरनेशनल इनफोर्समेंट डिसअपियरेंस डे' पर किया पीड़ितों को याद

विश्व केसरी

क्वेटा। 'इंटरनेशनल इनफोर्समेंट डिसअपियरेंस डे' (जबरन गायब किए गए पीड़ितों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस) पर बलूचिस्तान के कई मानवाधिकार संगठनों और कार्यकर्ताओं ने उन लोगों को याद किया जिन्हें पाकिस्तानी सेना ने उनके घरों, सड़कों और समुदायों से जबरन गायब कर दिया था। साथ ही, उन्होंने उन परिवारों के प्रति एकजुटता भी जताई जो बरसों से अपने प्रियजनों के भविष्य को लेकर अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं।

उन्होंने संयुक्त राष्ट्र और व्यापक अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आग्रह किया कि वे बच्चों, महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों सहित जबरन गायब किए गए हजारों बलूचों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए सार्थक और प्रभावी कदम उठाएं।

हर साल 30 अगस्त को 'जबरन गायब किए गए पीड़ितों का अंतरराष्ट्रीय दिवस' मनाया जाता है। यह संयुक्त राष्ट्र द्वारा तय किया गया दिन है, जिसे 2011 में मानवाधिकारों के इस गंभीर उल्लंघन के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाने और पीड़ितों व उनके परिवारों के सम्मान में शुरू किया गया था। इस मौके पर, बलूचिस्तान की मानवाधिकार परिषद (एचआरसीबी) ने कहा कि जनवरी 2016 से जुलाई 2026 के बीच, उसके पास पूरे बलूचिस्तान में जबरन गायब किए जाने के 9,130 मामलों का रिकॉर्ड है।

एचआरसीबी ने कहा, 'यह असल संख्या का एक छोटा सा हिस्सा है, क्योंकि कई इलाके सुरक्षा बलों के कड़े नियंत्रण में हैं, जिससे अनगिनत मामलों का रिकॉर्ड रखना मुश्किल हो जाता है। हर संख्या के पीछे एक मां अपने बेटे का इंतजार कर रही है, एक बच्चा अपने माता-पिता का इंतजार कर रहा है, एक पत्नी अपने पति का इंतजार कर रही है ।

होर्मुज में समुद्री बारूदी सुरंग से टकराया सुपरटैंकर, लगी आग : ईरान

विश्व केसरी

तेहरान। होर्मुज के पास स्थित लारक द्वीप पर अमेरिकी हमले के बाद मध्य एशिया में तनाव फिर बढ़ गया है। इस बीच ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि होर्मुज के दक्षिणी मार्ग से गुजर रहे एक सुपरटैंकर में दो समुद्री बारूदी सुरंगों से टकराने के बाद आग लग गई और जहाज को रोकना पड़ा। आईआरजीसी ने सोमवार को इसे लेकर बयान जारी किया।

ईरान के सरकारी टेलीविजन ने आईआरजीसी के हवाले से बताया कि टैंकर ने जलडमरूमध्य में आवाजाही के लिए जारी सुरक्षा नियमों का पालन नहीं किया था। आईआरजीसी ने अन्य जहाजों को भी चेतावनी दी कि उसके निर्देशों की अनदेखी करने वाले जहाजों को गंभीर परिणाम भुगतने पड़

सकते हैं। आईआरजीसी नौसेना ने अपने बयान में कहा, 'होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा व्यवस्था का उल्लंघन करने वाले जहाजों का हश्र अलग नहीं होगा।' नौसेना ने कहा कि इस क्षेत्र में जहाजों की आवाजाही और नौवहन के लिए उसके द्वारा जारी नियमों का पालन करना अनिवार्य है।

ईरान ने हाल के दिनों में होर्मुज से होकर होने वाले जहाजों के आवागमन पर काफी हद तक रोक लगा दी है। हालांकि, कुछ जहाज ओमान के तट के करीब से गुजरने वाले समुद्री मार्गों का इस्तेमाल कर रहे हैं। कुछ मामलों में इन जहाजों को अमेरिका की मदद भी मिली है।

तेहरान इन वैकल्पिक मार्गों को लगातार 'अनधिकृत' और 'अवैध' बताता रहा है और जहाजों को इनका इस्तेमाल नहीं करने की चेतावनी देता रहा है। आईआरजीसी ने शिपिंग कंपनियों को अमेरिका के खिलाफ भी चेतावनी दी। बयान में कहा गया कि कंपनियों को अमेरिकी सेना के उकसावे में नहीं आना चाहिए और अपने जहाजों तथा चालक दल की जान-माल को अनावश्यक खतरे में नहीं डालना चाहिए।

जी20 बैठक: एशविल में एकजुट हुए दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के प्रतिनिधि

विश्व केसरी

एशविल। दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के वित्त मंत्री, केंद्रीय बैंक गवर्नर और कारोबारी जगत के वरिष्ठ अधिकारी अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना राज्य के एशविल शहर में दो दिवसीय जी20 बैठक के लिए एकत्र हुए हैं। इस बैठक में आर्थिक विकास, वैश्विक आर्थिक असंतुलन, सरकारी कर्ज और मजबूत सप्लाई चेन जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा होगी।

अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट और फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष केविन वॉर्श एक साथ एशविल पहुंचे। स्कॉट बेसेंट, अमेरिका की जी20 अध्यक्षता के तहत सोमवार और मंगलवार को

होने वाली वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक की मेजबानी करेंगे।

भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण रविवार को पड़ोसी राज्य साउथ कैरोलिना के ग्रीनविल-स्पार्टनबर्ग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचीं, जहां अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने उनका स्वागत किया।

सीतारमण अगले दो दिनों तक होने वाली बैठक और उससे जुड़ी चर्चाओं में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगी। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि इस मंत्रीस्तरीय बैठक का मुख्य उद्देश्य जी20 को 'मूल मुद्दों पर वापस लाना' है, जिसमें मजबूत और संतुलित आर्थिक विकास को सबसे अधिक महत्व दिया जाएगा।

रासुवागढ़ी हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के अंडरग्राउंड पावर हाउस तक नहीं पहुंच पाई रेस्क्यू टीम

विश्व केसरी

काठमांडू। नेपाल त्रासदी में 900 से ज्यादा लोगों के मारे जाने की पुष्टि हो गई है। 4 हजार से ज्यादा लोगों से संपर्क न हो पाने की बात भी नेपाल की राष्ट्रीय 'आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन प्राधिकरण' ने की है। इस बीच रासुवागढ़ी हाइड्रोपावर कंपनी ने कहा है कि प्रोजेक्ट के अंडरग्राउंड पावर हाउस तक रेस्क्यू टीम नहीं पहुंच पाई है।

रासुवागढ़ी हाइड्रोपावर कंपनी ने आधिकारिक बयान में कहा हालांकि नेपाल सेना की टीम 111-मेगावाट वाले रासुवागढ़ी हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की सुरंग तक पहुंच गई थी, लेकिन वह अंडरग्राउंड पावर हाउस तक नहीं पहुंच सकी।

रासुवागढ़ी हाइड्रोपावर कंपनी लिमिटेड के सेक्रेटरी नरनाथ न्यूपाने ने कहा कि सेना के बचावकर्मी सुरंग के खुले हिस्से तक तो पहुंच गए, लेकिन वे अंडरग्राउंड पावर हाउस तक नहीं पहुंच पाए। उन्होंने कहा, वे सुरंग के खुले हिस्से तक गए। वे उस जगह तक गए जहां सुरंग 1-2 फीट तक खुली थी। फिर उन्हें पता चला कि सुरंग बंद है। इसलिए वहां जाने के लिए ड्रिलिंग समेत सभी उपकरणों की जरूरत थी। इसीलिए सेना यह कहकर लौट आई है कि वहां जाना मुमकिन नहीं है। न्यूपाने का कहना है कि सरकार को और उपकरण लाने चाहिए और सेना को वही काम करना चाहिए जो अपर त्रिशूली 3ए और अपर त्रिशूली 3बी में किया गया था।

इससे पहले प्रधानमंत्री सचिवालय ने भी इसे लेकर एक बयान जारी किया था। बताया था कि रासुवा में भोटेकोशी नदी में बाढ़ आने के बाद, रासुवागढ़ी हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की सुरंग के अंदर तलाशी लेने के बाद नेपाल सेना के नेतृत्व वाला बचाव दल वापस लौट आया। सेना की टीम (जिसमें इंजीनियर और ड्रोन टीम भी शामिल थी) ने तब तलाशी शुरू की जब यह आशंका हुई कि सुरंग के आखिरी हिस्से में लोग फंसे हो सकते हैं।

विकास या विनाश नाली निर्माण के लिए खोदे गड्ढे बने आफत, भरभराकर गिरा घर का आहता

बारिश के बीच हादसे से परिवार को आर्थिक नुकसान रास्ता भी हुआ बंद

विश्व केसरी

गरियाबंद (हेमंत तीरपुड़े)। नगर में विकास कार्यों के नाम पर शुरू किए गए निर्माण कार्य यदि समय पर पूरे नहीं हों तो वही विकास आम लोगों के लिए परेशानी का सबब बन जाता है। ऐसा ही एक मामला नगर के वार्ड क्रमांक 7 रावणभाटा में सामने आया है जहां नगरपालिका द्वारा नाली निर्माण के लिए खोदे गए गड्ढे अब स्थानीय रहवासियों के लिए मुसीबत बनते जा रहे हैं। निर्माण कार्य की धीमी रफ्तार और लगातार हो रही बारिश के बीच नाली के समीप स्थित एक घर का आहता अचानक भरभराकर गिर गया। बताया जा रहा है कि नाली निर्माण के लिए काफी समय पहले गड्ढे खोदे गए थे। इसके बाद से ही इस मार्ग से आवागमन करने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।जगह-जगह खुदाई और अधूरे निर्माण के कारण लोगों को संभलकर चलना पड़ रहा था। वहीं बारिश होने के बाद स्थिति और भी गंभीर हो गई। गड्ढों में पानी भरने तथा मिट्टी के लगातार गीला होने से आसपास के निर्माण और मकानों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े होने लगे।

स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस नाली निर्माण से जल निकासी की समस्या दूर होने और बारिश के दिनों में राहत मिलने की उम्मीद थी, वह निर्माण अब तक पूरा नहीं हो सका है। इसके उलट खुदाई के कारण लोगों को परेशानी के साथ-साथ नुकसान भी उठाना पड़ रहा है।

नाली के समीप स्थित एक व्यक्ति के घर का आहता अचानक भरभराकर गिर पड़ा। गनीमत रही कि घटना के दौरान कोई बड़ा जनहानि हादसा नहीं हुआ। हालांकि आहता गिरने से मकान मालिक को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। आहता गिरने के बाद मलबा मार्ग पर फैल गया, जिसके कारण रास्ता भी पूरी तरह बाधित हो गया। स्थानीय लोगों को अब शहर की ओर आने-जाने के लिए दूसरे रास्ते से घूमकर जाना पड़ रहा है। इससे आसपास के रहवासियों के साथ राहगीरों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बारिश के मौसम में यदि समय रहते मलबा नहीं हटाया गया और निर्माण स्थल को सुरक्षित नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है।खासकर बच्चों,बुजुर्गों और दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह मार्ग दुर्घटना का कारण बन सकता है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि नाली निर्माण के लिए गड्ढे खोदने के बाद यदि लंबे समय तक निर्माण पूरा नहीं किया जाता और उसी के चलते आसपास के मकान अथवा आहते को नुकसान पहुंचता है,तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी?

क्या निर्माण एजेंसी ने खुदाई के दौरान आसपास के मकानों की सुरक्षा को लेकर कोई ठोस इंतजाम किए थे? क्या बारिश को देखते हुए निर्माण स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था की गई थी? और सबसे अहम सवाल—आहता गिरने से हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई कौन करेगा?

नगरवासियों का कहना है कि विकास कार्य जरूरी हैं,लेकिन विकास के नाम पर आम जनता की सुरक्षा से खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। निर्माण कार्य शुरू करने के बाद उसे निर्धारित समय में पूरा करना और जब तक काम पूरा न हो,तब तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करना नगरपालिका तथा संबंधित निर्माण एजेंसी की जिम्मेदारी है।

वही लगातार बारिश के बीच यदि नाली निर्माण की खुदाई इसी तरह खुली पड़ी रही तो मिट्टी धंसने और आसपास के अन्य निर्माणों को नुकसान पहुंचने की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता।ऐसे में नगर पालिका को मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल स्थल का निरीक्षण कराना चाहिए और प्रभावित परिवार के नुकसान का आकलन करने के साथ ही रास्ते से मलबा हटाकर आवागमन बहाल करना चाहिए।

अब देखना यह होगा कि वार्ड क्रमांक 7 में नाली निर्माण के नाम पर खोदे गए गड्ढे कब तक परेशानी बने रहेंगे और आहता गिरने से हुए आर्थिक नुकसान की जिम्मेदारी आखिर किसके सिर तय होती है। विकास कार्य जनता की सुविधा के लिए होते हैं, लेकिन यदि वही कार्य जनता के लिए संकट बन जाएं तो जिम्मेदार अधिकारियों और निर्माण एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना लाजिमी है।

हरदी और नवापारा में उप स्वास्थ्य केंद्र निर्माण के लिए विधायक किया भूमिपूजन

विश्व केसरी

गरियाबंद (हेमंत तीरपुड़े)। विधायक रोहित साहू ने ग्राम पंचायत हरदी और ग्राम बरबाहरा में उप स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण के लिए भूमिपूजन किया। प्रत्येक भवन 28 लाख 51 हजार रुपए की लागत से तैयार होगें। इस दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत उपाध्यक्ष लालिमा ठाकुर ने की। प्रमुख रूप से जिला भाजपा अध्यक्ष अनिल चंद्राकर, जिला महामंत्री चंद्रशेखर साहू, जिला मंत्री सुरेंद्र सोनटेके, मंडल अध्यक्ष सुमित पारख, जनपद उपाध्यक्ष लेखराम साहू भी उपस्थित रहे। इसके पहले गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने विधायक का आत्मीय स्वागत किया।

इस दौरान विधायक रोहित साहू ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सुशासन और विकास की सरकार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में चहुंमुखी विकास हो रहा है। सरकार बनने के बाद भाजपा ने हर वादे पूरे किए है। आज गांव गांव में आवास बन रहे है। शिक्षा, सड़क और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकार लगातार काम कर रही है।

उन्होंने बीते दो साल में गांव में स्वीकृत विकास कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद हरदी गांव की तस्वीर बदल रही है। पिछले करीब ढाई वर्ष के कार्यकाल में यहां लगभग 6 करोड़ रुपए के विकास कार्य हुए हैं। इनमें सीसी सड़क, महतारी सदन, नाली निर्माण, टीना शेड, पुलिया और रपटा निर्माण सहित पगार नाला में करीब 5 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला उच्चस्तरीय पुल शामिल है। ये आपके आशीर्वाद से ही संभव हुआ है। इस दौरान उन्होंने ग्राम कसाबाय में सर्व समाज सामुदायिक भवन के लिए 10 लाख रुपए तथा रामधुनी मंडली को 10 हजार रुपए देने की घोषणा की। विधायक ने कसाबाय से तालेश्वर जतमई तक सड़क एवं पुलिया निर्माण और विजय नगर में सीसी सड़क निर्माण स्वीकृत कराने का आश्वासन भी दिया।

नयापारा में 70 लाख के काम

इसके बाद विधायक ग्राम पंचायत बरबाहरा के आश्रित ग्राम नवापारा पहुंचे। यहां उन्होंने उप स्वास्थ्य केंद्र के भूमिपुजन के बाद ग्रामीणों की समस्या सुनी। मौके पर विधायक ने निराही माता मंदिर में सीढ़ी निर्माण और नवापारा-परसुली मार्ग में रपटा निर्माण की घोषणा की। लीला मंडली को सामग्री के लिए 15 हजार रुपए देने की भी घोषणा की। उन्होंने पूर्व स्वीकृति कार्यों की जानकारी दी। कहा दो साल में टीना शेड, सीसी सड़क सहित 70 लाख रुपए के विभिन्न विकास कार्य स्वीकृत हुए है।

कांग्रेस पर साधा निशाना, बोले- सवाल जरूर पूछना

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक रोहित साहू ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस केवल लोगों को बहकाने का काम करती है। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि कांग्रेस वाले आएं तो उनसे पूछना कि पांच साल में कितने लोगों को आवास दिया? कितने लोगों को हर महीने 500 रुपए दिए? उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने सुशासन और विकास को प्राथमिकता दी है।

नव नियुक्त जिला कलेक्टर जय श्रीजैन को देवरमाल सरपंच ने दी बधाई

विश्व केसरी

सक्ती। नव पदस्थ जिला कलेक्टर से देवरमाल के सरपंच योगेंद्र कुमार साहू ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कलेक्टर को पुष्पगुच्छ (गुलदस्ता) भेंट कर उनका जिले में आत्मीय स्वागत किया और नए कार्यकाल के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मुलाकात के दौरान सरपंच योगेंद्र कुमार साहू ने ग्राम पंचायत देवरमाल के विकास, जनसमस्याओं और स्थानीय आवश्यकताओं पर भी संक्षिप्त चर्चा की। उन्होंने उम्मीद जताई कि नए कलेक्टर के कुशल नेतृत्व में सक्ति जिले सहित ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा। कलेक्टर ने भी शुभकामनाएं स्वीकार करते हुए जिले के सर्वांगीण विकास और जनहित के कार्यों में पंचायतों की सक्रिय भागीदारी की बात कही।

दाढ़ी तहसील गठन की ओर बढ़ा सर्व ब्राह्मण समाज

विश्व केसरी

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। सर्व ब्राह्मण समाज, नवागढ़ विधानसभा क्षेत्र में संगठन विस्तार का अभियान लगातार गति पकड़ रहा है। इसी कड़ी में रविवार को उमरिया में दाढ़ी तहसील के गठन को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिलाध्यक्ष डॉ. शिरीष शर्मा, प्रदेश सचिव विकास धर दीवान एवं नवागढ़ विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा की उपस्थिति में संगठनात्मक चर्चा के बाद विभिन्न पदों पर नई जिम्मेदारियों की घोषणा की गई।

बैठक में सर्वसम्मति से राजेंद्र तिवारी एवं राजकुमार तिवारी को दुर्ग संभाग सचिव, संजय तिवारी को दुर्ग संभाग सह सचिव तथा शिशिर दुबे को जिला महासचिव बनाया गया। वहीं मनमोहन मिश्रा को जिला प्रचार सचिव, ऋषि तिवारी को नवागढ़ विधानसभा महासचिव एवं शिवा तिवारी को विधानसभा उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई।

दाढ़ी क्षेत्र में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए दीपक चौबे को दाढ़ी तहसील अध्यक्ष एवं देवदत्त तिवारी को दाढ़ी नगर अध्यक्ष नियुक्त किया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों को समाजजनों ने शुभकामनाएं देते हुए संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का आह्वान किया।

गांव-गांव तक पहुंचेगा संगठन - बैठक में तहसील, नगर, परिक्षेत्र एवं ग्राम स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया गया। सामाजिक जनगणना अभियान को गति देने और समाज के प्रत्येक परिवार से संपर्क स्थापित करने की कार्ययोजना पर भी चर्चा हुई।

समाज को मजबूत और प्रभावी मंच प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम - प्रदेश सचिव विकास धर दीवान ने कहा कि संगठन विस्तार समाज को मजबूत और प्रभावी मंच प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। दाढ़ी क्षेत्र में नई टीम के गठन से सामाजिक गतिविधियों को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों से सेवा, समन्वय और सक्रियता के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

जिलाध्यक्ष डॉ. शिरीष शर्मा ने कहा कि समाज की सबसे बड़ी शक्ति उसकी एकजुटता है। नई जिम्मेदारी मिलने के साथ पदाधिकारियों की जिम्मेदारी भी बढ़ी है। उन्होंने सभी से समाजहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संगठन को मजबूत बनाने की अपील की।

केना का मशहूर जन्माष्टमी महोत्सव 5 सितम्बर को

विश्व केसरी

बसना (अशोक प्रधान)। पूरे छत्तीसगढ़ में मशहूर ग्राम केना का श्री कृष्ण जन्माष्टमी का महापर्व 5 सितम्बर को बेहद हर्षोल्लाह भक्तिभाव के साथ धूमधाम से मनाया जाएगा। इस अवसर पर केना में विशेष भव्य महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिसकी पूरी तैयारी में समस्त ग्रामवासी जुड़ गए हैं। इस वर्ष गांव में नव निर्मित राधा कृष्ण मंदिर स्थापित होने के कारण महोत्सव को लेकर ग्रामीणों और आयोजन समिति में दुगुनी तथा भारी उत्साह है। सभी श्रद्धालु भक्तों से इस पावन अवसर पर सपरिवार, अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर पुण्य लाभ कमाने की अपील की है। उक्त जानकारी जन्मजय नायक ने प्रेस को दी।

स्मार्ट मीटर के विरोध में शक्ति जिला कांग्रेस कमेटी मुखर मासिक बैठक में सरकार के खिलाफ बनाई रणनीति

विश्व केसरी

सक्ती। जिला कांग्रेस कमेटी शक्ति की कार्यकारिणी की मासिक बैठक विश्राम गृह (रेस्ट हाउस) शक्ति में आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्य रूप से क्षेत्र में तेजी से लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर और उससे उत्पन्न हो रही जन-समस्याओं का मुद्दा छाया रहा। बैठक के दौरान कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने स्मार्ट मीटर के कारण बढ़ रहे बिजली बिलों को लेकर प्रदेश सरकार के खिलाफ तीव्र आक्रोश व्यक्त किया।

उपभोक्ताओं पर पड़ रहा अत्यधिक आर्थिक बोझः रश्मि गबेल

बैठक को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष रश्मि गबेल ने कहा कि प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार स्मार्ट मीटर के विरोध में व्यापक रणनीति बनाई जा रही है। जब से घरों में स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं, तब से आम उपभोक्ताओं को अत्यधिक बिजली बिल का भुगतान करना पड़ रहा है। जिस उपभोक्ता का बिल पहले 200 रुपए आता था, आज वही बिल बढ़कर 1500 रुपए से 1600 रुपए तक पहुंच गया है। इससे आम जनता और गरीब उपभोक्ता त्रस्त हैं। उन्होंने मांग की कि स्मार्ट मीटर को तत्काल प्रभाव से हटाकर पुराने मीटर बहाल किए जाएं। नगर कांग्रेस अध्यक्ष राकेश राठौर ने भी मामले पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि जब से स्मार्ट मीटर लगे हैं, उपभोक्ता अत्यधिक और मनमाना बिजली बिल भरने पर मजबूर हैं। सरकार जनता की जेब पर सीधा डाका डाल रही है।

भाजपा 'फूट डालो और शासन करो' की नीति पर चल रहीः बलराम सिंह पांडे

बलराम प्रसाद सिंह पांडे ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि जब से प्रदेश में भाजपा की सरकार आई है, जनता को रोज नए मुद्दों में उलझाकर रखा जा रहा है। एक समस्या का समाधान होता नहीं कि दूसरा मुद्दा सामने लाकर खड़ा कर दिया जाता है। भाजपा अंग्रेजों की 'फूट डालो और शासन करो' की नीति पर चलकर नागरिकों को बांटने का काम कर रही है।

ग्राम फुलपाड़ में 12 वर्षीय बालक की मृत्यु के संबंध में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने किया स्वास्थ्य परीक्षण एवं अन्य समस्याओं की ली जानकारी

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। अंतागढ़ विकास खण्ड के ग्राम फुलपाड़ के 12 वर्षीय बालक की मृत्यु संबंधी खबर पर तत्काल संज्ञान लेते हुए कलेक्टर कुंदन कुमार द्वारा स्वास्थ्य विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों की टीम को मौके पर पहुंच कर प्रभावित परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य परीक्षण करने के निर्देश दिए गए । जिसके पालन में सोमवार को स्वास्थ्य विभाग एवं प्रशासनिक अधिकारियों की टीम द्वारा ग्राम का भ्रमण किया गया। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अंतागढ़ राहुल रजक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.सी. ठाकुर,, तहसीलदार अंतागढ़ वीरेंद्र नेताम एवं खंड चिकित्सा अधिकारी अंतागढ़ डॉ. बी.के. रामटेके सहित टीम ने मृतक बालक हेमराज कुमेटी के परिजनों एवं ग्रामवासियों से जानकारी ली। इस दौरान स्वास्थ्य जांच एवं उपचार के साथ मलेरिया की जांच की गई, जिसकी रिपोर्ट निगेटिव पाई गई। ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी देने के साथ आपात स्थिति में 108 एंबुलेंस एवं 112 नंबर पर संपर्क करने की जानकारी दी गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंतागढ़ का आपातकालीन संपर्क नंबर भी उपलब्ध कराया गया।

इसके अलावा रावघाट प्रबंधन समिति के प्रतिनिधियों से चर्चा कर स्वास्थ्य संबंधी आपातकालीन स्थिति में त्वरित उपचार एवं आवश्यकतानुसार एंबुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में डी.ए.वी. मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता बेमेतरा का दबदबा

विश्व केसरी

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। डी.ए.वी. मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल, ग्राम जांता के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं ने खेल के क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। संस्था के प्राचार्य ने सभी विद्यार्थियों को बधाई व शुभकामनाएं देते हुए जानकारी साझा किए है कि विद्यालय जिला एवं राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद विद्यालय के कई खिलाड़ियों का चयन नेशनल, राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिताओं के लिए हुआ है। इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में हर्ष एवं उत्साह का माहौल है।

विद्यालय के खिलाड़ियों ने कबड्डी एवं एथलेटिक्स में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। विशेष रूप से विद्यालय की छात्राओं ने कबड्डी में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपनी खेल प्रतिभा का परिचय दिया। अंडर-14 बालिका कबड्डी टीम ने स्वर्ण पदक हासिल कर नेशनल लेवल, अर्थात राष्ट्रीय स्तर के लिए अपनी जगह बनाई। टीम की इस उपलब्धि ने विद्यालय को गौरवान्वित किया है।

एथलेटिक्स में भी खिलाड़ियों ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। अंडर-17 वर्ग में सीताराम ने 1500 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं 800 मीटर दौड़ में उन्होंने द्वितीय स्थान सिलवर मैडल प्राप्त किया। अंडर-14 वर्ग में मोहन साहू ने हाई जम्प में द्वितीय स्थान सिल्वर मैडल व 1500 मीटर दौड़ में तृतीय स्थान कांस्य पदक हासिल कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। कबड्डी में भी विद्यालय के खिलाड़ियों का राष्ट्रीय स्तर पर चयन हुआ है। जानकी एवं दिलेश्वरी का अंडर-17 बालिका कबड्डी के लिए चयन हुआ है। वहीं गोपाल एवं लिकेश का अंडर-17 बालक कबड्डी में राष्ट्रीय स्तर के लिए चयन हुआ है। खिलाड़ियों के इस प्रदर्शन से विद्यालय में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है।

विद्यालय की इन खेल उपलब्धियों में खेल प्रभारी अकलेश पटेल के मार्गदर्शन एवं खिलाड़ियों के नियमित अभ्यास का महत्वपूर्ण योगदान रहा। खिलाड़ियों ने अनुशासन, मेहनत और खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा साबित की। छत्तीसगढ़ डी ए वी संस्थान प्रमुख व रिजिनल ऑफिसर प्रशांत कुमार व असिस्टेंट रीजनल ऑफिसर सी जी जॉन डी, डॉ. बी पी साहू ने सभी खिलाड़ी व विद्यार्थियों की इस उपलब्धि हेतु बधाई व शुभकामनाएं एवं प्राचार्य ने सभी पदक विजेता एवं चयनित खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बसना में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का भव्य अनावरण, विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने किया लोकार्पण

विश्व केसरी

बसना (अशोक प्रधान)। ऐतिहासिक एवं गरिमामय माहौल के बीच बसना नगर में भारत रत्न, संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की भव्य प्रतिमा का अनावरण कार्यक्रम अत्यंत उत्साह और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। इस गौरवशाली एवं ऐतिहासिक अवसर पर क्षेत्र के जनप्रिय विधायक डॉ. संपत अग्रवाल मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने विधि-विधान और संपूर्ण आदर-सत्कार के साथ डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा का अनावरण कर उसे जनता को समर्पित किया। अनावरण के पश्चात पूरा प्रांगण 'बाबा साहेब अमर रहें' और 'जय भीम' के नारों से गुंजायमान हो उठा। इस ऐतिहासिक अनावरण समारोह में महिला मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद महासमुंद रूपकुमारी चौधरी,अध्यक्ष नगर पंचायत बसना खुशबू अग्रवाल, नगर पंचायत बसना उपाध्यक्ष शीत गुप्ता, जिला महामंत्री भाजपा महासमुंद जितेंद्र त्रिपाठी, वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ एन के अग्रवाल, पूर्व जिला उपाध्यक्ष भाजपा रमेश अग्रवाल, विधायक प्रतिनिधि निर्मल दास, एल्डरमैन नगर पंचायत बसना विकास बाधवा, सामाजिक कार्यकर्ता छोटेलाल टंडन,पार्षद राकेश डड़सेना, पार्षद आशीष साहू,मंडल अध्यक्ष बसना नरेंद्र यादव,पार्षद मुजम्मिल कादरी, पार्षद वीणा निर्मल दास, CMO बसना सूरज सिदार, स्थानीय जनप्रतिनिधि, समाज सेवी, प्रबुद्ध नागरिक और काफी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

सरकार के एनएम-आईसीपीएस मिशन से साइबर-फिजिकल सिस्टम नवाचार को मिली रफ्तार, 2.46 लाख से अधिक पेशेवरों को मिला प्रशिक्षण

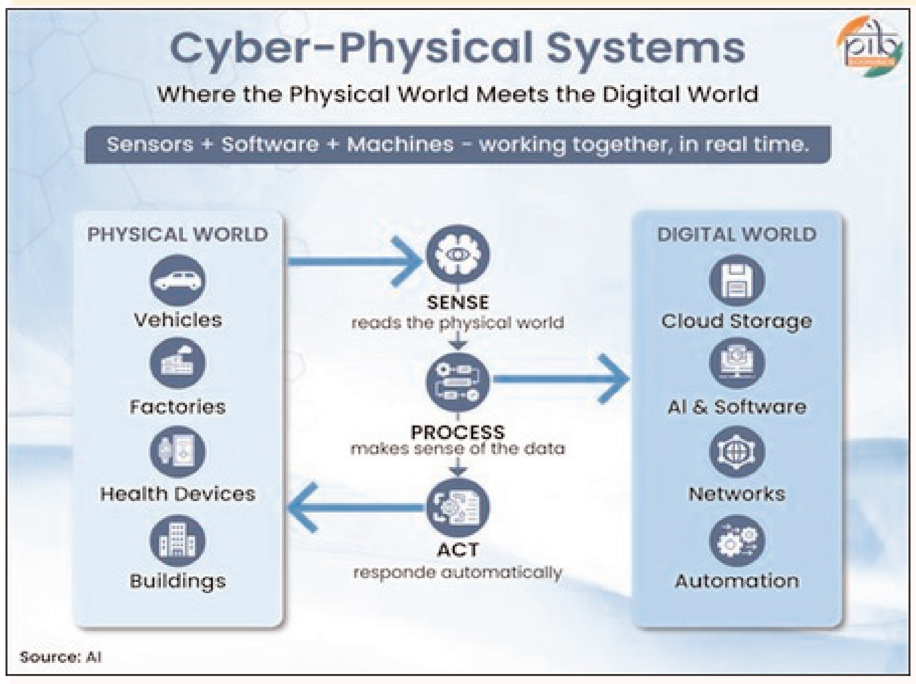

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। केंद्र सरकार का राष्ट्रीय अंतरविषयी साइबर-फिजिकल सिस्टम मिशन (एनएम-आईसीपीएस) देश में उभरती प्रौद्योगिकियों के विकास, नवाचार और कौशल निर्माण का प्रमुख आधार बनकर उभरा है। एक आधिकारिक फैक्टशीट में सोमवार को कहा गया कि इस मिशन ने अब तक 1,146 प्रौद्योगिकियों के विकास को सक्षम बनाया है और कृषि, स्वास्थ्य सेवा, खनन, साइबर सुरक्षा, उन्नत संचार तथा पोजिशनिंग जैसे क्षेत्रों में 1,329 प्रौद्योगिकी उत्पादों के विकास में योगदान दिया है।

फैक्टशीट के अनुसार, इस मिशन के तहत कौशल विकास पर भी विशेष ध्यान दिया गया है, जिसमें अब तक 2.46 लाख से अधिक पेशेवरों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। एनएम-आईसीपीएस, टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब (टीआईएच) और ट्रांसलेशनल रिसर्च पार्क (टीटीआरपी) के माध्यम से प्रौद्योगिकी, प्रतिभा और उद्यमिता को एकीकृत करते हुए एक व्यापक नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र विकसित कर रहा है। इसके साथ ही मिशन ने बौद्धिक संपदा के निर्माण और लाइसेंसिंग को भी बढ़ावा दिया है।

फैक्टशीट में कहा गया है कि मानव संसाधन विकास और कौशल उन्नयन के क्षेत्र में चाणक्य फेलोशिप कार्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जो साइबर-फिजिकल सिस्टम से जुड़ी वास्तविक चुनौतियों के समाधान के लिए परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इस योजना के तहत स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएचडी और पोस्ट-डॉक्टोरल शोधार्थियों को अब तक 5,824 फेलोशिप प्रदान की जा चुकी हैं।

मिशन का एक प्रमुख उद्देश्य अनुसंधान-आधारित नवाचारों को व्यावसायिक स्तर तक पहुंचाना भी है। इसी दिशा में एनएम-आईसीपीएस ने अब तक 1,136 स्टार्टअप और स्पिन-ऑफ कंपनियों को प्रोत्साहित और इनक्यूबेट किया है। इन पहलों के माध्यम से 24,000 से अधिक रोजगार सृजन हुए हैं।

सरकार ने मिशन के तहत देशभर के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में 25 टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब स्थापित किए हैं।

सेक्शन-8 कंपनियों के रूप में स्थापित ये हब नई तकनीकों के विकास, शोध को उत्पादों में बदलने और तकनीक-आधारित स्टार्टअप को बढ़ावा देने का कार्य कर रहे हैं।

फैक्टशीट के अनुसार, ये टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब चार प्रमुख क्षेत्रों पर काम करते हैं, जिनमें प्रौद्योगिकी विकास, मानव संसाधन एवं कौशल विकास, नवाचार, उद्यमिता और स्टार्टअप संवर्धन, तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग शामिल हैं।

एनएम-आईसीपीएस देश में साइबर-फिजिकल सिस्टम-आधारित अनुसंधान, नवाचार और अनुप्रयोगों को बढ़ावा देने के लिए एक राष्ट्रीय ढांचा उपलब्ध कराता है।

यह मिशन शिक्षा जगत, उद्योग, सरकार और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को एक साझा मंच पर लाता है, ताकि वैज्ञानिक अनुसंधान को राष्ट्रीय आवश्यकताओं, औद्योगिक क्षमताओं और उभरते बाजार अवसरों से जोड़ा जा सके।

बयान में कहा गया है कि यह मिशन अनुसंधान एवं विकास से लेकर उत्पाद निर्माण और स्टार्टअप स्थापना तक पूरे नवाचार चक्र को कवर करता है। सरकार का मानना है कि इससे भारत को साइबर-फिजिकल सिस्टम, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), स्वचालन और अन्य उभरती तकनीकों में वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ने में सहायता मिलेगी।

भारत में टोल संग्रह वित्त वर्ष 28 में 12 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद, स्थिर ट्रैफिक और दरों में संशोधन से मिलेगा सपोर्टः रिपोर्ट

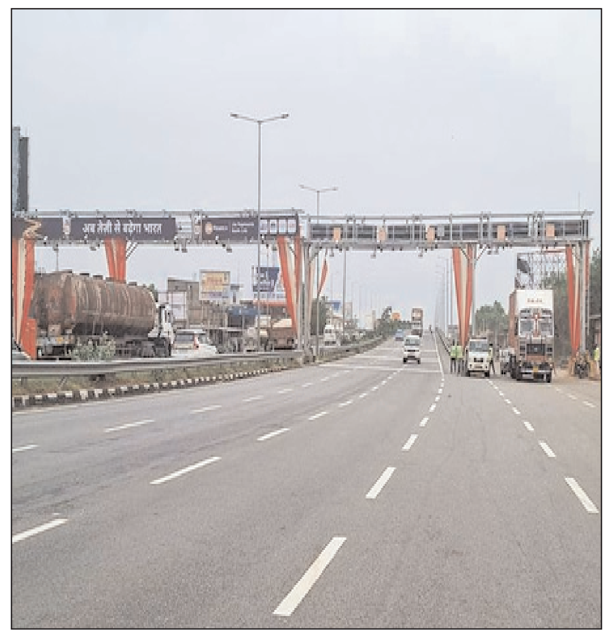

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों से टोल संग्रह वित्त वर्ष 2027-28 में 10-12 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। इसकी वजह टोल दरों में संशोधन और ट्रैफिक में 4-5 प्रतिशत की वृद्धि होना है। यह जानकारी सोमवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

आईसीआरए की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह अनुमान ट्रैफिक की धीमी ग्रोथ और टोल दरों में कम बदलाव के कारण वित्त वर्ष 2026-27 में टोल कलेक्शन की वृद्धि के आंकड़े 7-9 प्रतिशत पर आधारित है।

रिपोर्ट में बताया गया कि वित्त वर्ष 2026-27 में नेशनल हाईवे पर ट्रैफिक की वृद्धि 4.5-5.5 प्रतिशत होगी, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में यह 6 प्रतिशत थी।इस साल टोल दरों में 3.4-4 प्रतिशत की बढ़ोतरी का अनुमान है।

आईसीआरए के कॉर्पोरेट रेटिंग्स के को-ग्रुप हेड सुप्रियो बनर्जी ने कहा, 'नेशनल हाईवे पर ट्रैफिक में बढ़ोतरी काफी हद तक कंस्ट्रक्शन, माइनिंग और मैन्युफैक्चरिंग (सीएमएम) के ग्रॉस वैल्यू एडेड (जीवीए) के साथ-साथ चलती है।'

उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में सीएमएम जीवीए में 8.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जिससे नेशनल हाईवे पर ट्रैफिक में 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी और टोल कलेक्शन में 10 प्रतिशत की वृद्धि को सपोर्ट मिला।

रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2027-28 के लिए टोल दरों में ज्यादा बदलाव का अनुमान लगाया गया है, जिसे वेस्ट एशिया संकट के बीच होलसेल प्राइस इंडेक्स (डब्ल्यूपीआई) महंगाई में अनुकूल बदलाव से सपोर्ट मिलेगा। इसमें दिसंबर 2026 में डब्ल्यूपीआई में 8-8.5 प्रतिशत और मार्च 2027 में 4.5-5.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी का अनुमान भी लगाया गया है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि प्रोजेक्ट अवार्ड्स में लगातार सुस्ती के कारण, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा सड़क निर्माण का काम वित्त वर्ष 2025-26 में 9,380 किलोमीटर के मुकाबले वित्त वर्ष 2026-27 में 9,000-9,500 किलोमीटर के दायरे में रहने की उम्मीद है।

इसके अलावा, सड़क निर्माण के लिए प्रोजेक्ट अवार्ड्स वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 7,000 किलोमीटर से बढ़कर वित्त वर्ष 2026-27 में 8,000-8,500 किलोमीटर तक पहुंचने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, 'ईपीसी के जरिए प्रोजेक्ट अवार्ड करना पसंदीदा तरीका बना रहेगा, जबकि सरकार प्राइवेट सेक्टर की भागीदारी को फिर से बढ़ाने के लिए बीओटी (टोल) प्रोजेक्ट्स पर धीरे-धीरे अपना ध्यान बढ़ा रही है।

तकनीक समस्या नहीं, बिना उद्देश्य इस्तेमाल है खतरनाक! जानिए डिजिटल बैलेंस का मंत्र

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज के दौर में स्मार्टफोन और सोशल मीडिया हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुके हैं। पढ़ाई हो, काम हो, खबरें जाननी हों या दोस्तों और परिवार से जुड़ना हो, डिजिटल प्लेटफॉर्म ने कई चीजें आसान कर दी हैं। लेकिन क्या आपने कभी महसूस किया है कि आप फोन चलाने का फैसला खुद कर रहे हैं या फिर कोई एल्गोरिदम आपको बार-बार स्क्रीन पर वापस ला रहा है?

सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म हमें हमारी पसंद के मुताबिक कंटेंट दिखाते हैं। इससे हमें अपने जैसे लोगों से जुड़ने, नई चीजें सीखने और अपनी रुचियों को समझने में मदद मिलती है। लेकिन यही सुविधा कभी-कभी हमारी आदत भी बन जाती है। हम बिना किसी खास वजह के फोन खोलते हैं, एक वीडियो देखते हैं और फिर दूसरा अपने आप चल जाता है। देखते ही देखते कुछ मिनट कब आधे या एक घंटे में बदल जाते हैं, पता ही नहीं चलता।

कई डिजिटल प्लेटफॉर्म इस तरह डिजाइन किए जाते हैं कि यूजर ज्यादा से ज्यादा समय तक उनसे जुड़ा रहे। इंफिनिटी स्क्रॉल इसका एक बड़ा उदाहरण है। इसमें कंटेंट खत्म ही नहीं होता और हम लगातार नीचे स्क्रॉल करते रहते हैं। इसी तरह ऑटोप्ले अगला वीडियो खुद शुरू कर देता है, जबकि कई बार हमारा उसे देखने का कोई इरादा भी नहीं होता।

बार-बार आने वाले पुश नोटिफिकेशन भी हमारा ध्यान भटकाते हैं। मैसेज, लाइक, कमेंट या किसी नए पोस्ट की सूचना मिलते ही हमारा हाथ फोन की तरफ चला जाता है। धीरे-धीरे यह एक ऐसी आदत बन सकती है जिसमें हम जरूरत के बजाय नोटिफिकेशन के हिसाब से फोन इस्तेमाल करने लगते हैं।

सोशल मीडिया पर लाइक्स और फॉलोअर्स की संख्या, स्ट्रीक्स, रिमाइंडर्स और पर्सनलाइज्ड फीड भी हमें प्लेटफॉर्म पर बनाए रखने में भूमिका निभाते हैं। इसलिए जरूरी है कि हम इन डिजिटल हुक्स को पहचानें और खुद से पूछें—क्या मैं सच में यह देखना चाहता हूं या सिर्फ इसलिए देख रहा हूं क्योंकि स्क्रीन पर अगला कंटेंट आ गया है?

डिजिटल संतुलन का मतलब यह नहीं है कि स्मार्टफोन या सोशल मीडिया को पूरी तरह छोड़ दिया जाए। असली बात है कि तकनीक हमारे नियंत्रण में रहे। फोन उठाने से पहले खुद से पूछें कि इसका उद्देश्य क्या है।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह : स्वस्थ शरीर के लिए संतुलित आहार जरूरी, जानिए कैसी होनी चाहिए आपकी थाली

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। अच्छी सेहत की शुरुआत हमारी थाली से होती है। हम रोज क्या खाते हैं, कितनी मात्रा में खाते हैं और हमारे भोजन में पोषक तत्वों का कितना संतुलन है। इसका सीधा असर शरीर की ऊर्जा, रोग प्रतिरोधक क्षमता, विकास और लंबे समय तक स्वस्थ रहने पर पड़ता है। यही वजह है कि हर साल 1 से 7 सितंबर तक राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जाता है। इस दौरान लोगों को संतुलित आहार, पोषण और स्वस्थ खानपान की आदतों के प्रति जागरूक किया जाता है।

भारत में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह की शुरुआत 1982 में की गई थी। इसका मकसद लोगों को यह समझाना था कि खाना केवल पेट भरने का नाम नहीं है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए भोजन में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, वसा, विटामिन, खनिज, फाइबर और पर्याप्त पानी का सही संतुलन होना जरूरी है।

अक्सर हम मान लेते हैं कि घर का बना खाना अपने आप संतुलित और पौष्टिक होता है। लेकिन ऐसा हमेशा नहीं होता।

अगर किसी भोजन में रोटी या चावल की मात्रा ज्यादा है और दाल, सब्जी, दही या अन्य प्रोटीन स्रोत बहुत कम हैं, तो पेट तो भर सकता है, लेकिन शरीर की सभी पोषण संबंधी जरूरतें पूरी नहीं होतीं। इसीलिए संतुलित थाली में अलग-अलग खाद्य को शामिल करना जरूरी है। अनाज के साथ दाल या कोई अन्य प्रोटीन स्रोत, हरी सब्जियां, मौसमी फल और दूध या दही जैसे खाद्य पदार्थ भोजन को ज्यादा पौष्टिक बना सकते हैं।

हालांकि एक अच्छी और संतुलित थाली के लिए बहुत महंगी चीजों की जरूरत नहीं है। हमारे घरों में आसानी से मिलने वाले खाद्य पदार्थों से ही पौष्टिक भोजन तैयार किया जा सकता है।

अनाज: रोटी, चावल, दलिया, पोहा, उपमा, ओट्स या बाजरा, ज्वार और रागी जैसे मोटे अनाज भोजन का हिस्सा हो सकते हैं।

प्रोटीन: दाल, राजमा, चना, छोले, सोयाबीन, पनीर, दूध, दही, अंडा, मछली या अन्य उपलब्ध प्रोटीन स्रोत शरीर के लिए जरूरी हैं। खासकर बच्चों, किशोरों और बढ़ती उम्र के लोगों के लिए पर्याप्त प्रोटीन महत्वपूर्ण है।

सब्जियां: भोजन में हरी पत्तेदार और दूसरी रंग-बिरंगी सब्जियों को शामिल करना चाहिए। अलग-अलग रंग की सब्जियां कई तरह के विटामिन, खनिज और अन्य पोषक तत्व उपलब्ध कराती हैं।

फल: मौसमी फल रोज की डाइट का हिस्सा बनाए जा सकते हैं।

एफएसएसएआई की कार्रवाई के बाद जोमैटो ने एनालॉग डेयरी उत्पादों से बनी डिश की बिक्री पर रोक लगाई

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो ने सोमवार को कहा कि उसने अपने प्लेटफॉर्म पर लिस्टेड रेस्टोरेंट द्वारा एनालॉग डेयरी उत्पादों से बनी डिश बेचने के मामले में 'जीरो-टॉलरेंस' पॉलिसी अपनाई है और ऐसे सभी खाद्य पदार्थों को प्लेटफॉर्म से हटा दिया है।

खाद्य नियामक एफएसएसएआई द्वारा कई रेस्टोरेंट के खिलाफ कार्रवाई के बाद, कंपनी ने उन डिश को तुरंत हटा दिया है जिन्हें पार्टनर्स ने एनालॉग डेयरी वाली डिश बताया है।

कंपनी ने कहा कि इस कदम का मकसद ग्राहकों के लिए पारदर्शिता और खाने की क्वालिटी को बेहतर बनाना है। साथ ही, कंपनी ने चेतावनी दी कि जो रेस्टोरेंट उसकी शर्तों को पूरा नहीं करेंगे, उन्हें प्लेटफॉर्म से हटाया जा सकता है।

नई पॉलिसी के तहत, रेस्टोरेंट पार्टनर्स से कहा गया है कि वे प्राकृतिक डेयरी उत्पादों का इस्तेमाल शुरू करें। जहां तुरंत ऐसा करना मुमकिन नहीं है, वहां उन्हें निर्देश दिया गया है कि वे अपने मेन्यू से ऐसे आइटम हटा दें जिनमें एनालॉग डेयरी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल हुआ हो।

इसके अलावा, रेस्टोरेंट से यह भी कहा गया है कि वे आपूर्तिकर्ताओं द्वारा दिए गए प्रोडक्ट लेबल और सामग्री की जानकारी की जांच करें, ताकि इस्तेमाल हो रही सामग्री की पुष्टि हो सके और यह पक्का किया जा सके कि जोमैटो पर लिस्ट किए गए प्रोडक्ट्स की जानकारी सही है।

जोमैटो के सीईओ आदित्य मंगला ने कहा, 'जोमैटो का मुख्य मकसद अधिक से अधिक लोगों तक बेहतर खाना पहुंचाना है। ग्राहकों की सेहत का ध्यान रखने के साथ, यह पक्का करना है कि हमारे रेस्टोरेंट पार्टनर जो खाना लिस्ट करते हैं और परोसते हैं, वह साफ-सुथरे और तय मानकों के मुताबिक हो।

उन्होंने आगे कहा, 'यह पॉलिसी कंपनी की उस प्रतिबद्धता को दिखाती है, जिसे हम उन पार्टनर्स के साथ मिलकर पूरा कर रहे हैं

घर का खाना खाने के बाद भी बढ़ सकता है कोलेस्ट्रॉल, इन वजहों को न करें नजरअंदाज

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। कोलेस्ट्रॉल का नाम सुनते ही ज्यादातर लोगों के दिमाग में सबसे पहले बाहर का खाना, बर्गर, पिज्जा, समोसा और ज्यादा तेल वाली चीजें आती हैं। यही वजह है कि बहुत से लोग मानते हैं कि अगर वे घर का खाना खा रहे हैं तो उनका कोलेस्ट्रॉल कभी नहीं बढ़ सकता। लेकिन ऐसा जरूरी नहीं है। घर का बना खाना सेहत के लिए अच्छा हो सकता है, लेकिन खाने के साथ-साथ हमारी रोज की आदतें भी शरीर पर असर डालती हैं। कई बार अच्छी डाइट लेने के बाद भी रिपोर्ट में कोलेस्ट्रॉल ज्यादा आ सकता है। इसकी वजह ज्यादा वजन, कम चलना-फिरना या खाने में कुछ चीजों की ज्यादा मात्रा हो सकती है।

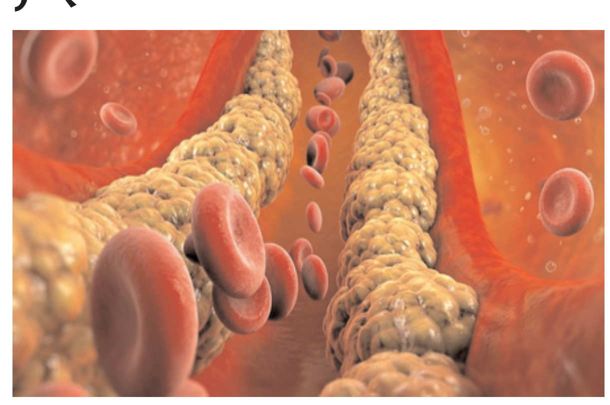

कोलेस्ट्रॉल शरीर के लिए पूरी तरह खराब नहीं होता। हमारे शरीर को इसकी थोड़ी मात्रा की जरूरत होती है। यह शरीर के कई जरूरी कामों में मदद करता है। परेशानी तब शुरू होती है जब खून में बैड कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) की मात्रा जरूरत से ज्यादा हो जाती है। लंबे समय तक ऐसा रहने पर खून की नसों में धीरे-धीरे चर्बी जैसी परत जमा होती है। इससे आगे चलकर दिल की बीमारी और स्ट्रोक का खतरा बढ़ सकता है।

कुछ लोगों में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की वजह उनकी जीवनशैली से ज्यादा उनके जीन हो सकते हैं। अगर परिवार में कम उम्र में हार्ट अटैक, स्ट्रोक या बहुत ज्यादा कोलेस्ट्रॉल की समस्या रही है, तो इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। कुछ आनुवंशिक स्थितियों में शरीर एलडीएल को खून से हटाने में ठीक से काम नहीं करता और व्यक्ति की डाइट अच्छी होने के बावजूद कोलेस्ट्रॉल काफी बढ़ा रह सकता है।

योग में विशेष है 'महामुद्रा' का महत्व, शरीर ही नहीं मन को भी रखता है स्वस्थ

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय परंपरा में योगासन, प्राणायम और मुद्राओं का विशेष महत्व दिया गया है। यह शरीर को शारीरिक स्वस्थ्य रखने के साथ-साथ मन को एकाग्र, शांत और संतुलित बनाने में मदद करता है। योग की विभिन्न मुद्राओं में 'महामुद्रा' भी अपना विशेष स्थान रखता है। यह शरीर को स्वस्थ्य रखता है और तंत्रिका तंत्र को संतुलति व ऊर्जावान बनाता है।

'महामुद्रा' हठ योग की एक बेहद महत्वपूर्ण और प्राचीन अभ्यास तकनीक है, जिसे 'महान मुद्रा' भी कहा जाता है। 'महामुद्रा' में 'महा' शब्द की उत्पत्ति संस्कृत से हुई है, जिसका अर्थ 'हावभाव', 'मुद्रा', या 'मानसिक स्थिति' बताया गया है। इसलिए, इस मुद्रा को 'महान संकेत' या 'महान मुहर' के नाम से भी जाना जाता है।

योग ग्रंथों में 'महामुद्रा' को 'अमृत का सोपान' कहा गया है, जिसका अर्थ है कि यह अभ्यास शरीर के विषैले तत्वों को निकालकर नई ऊर्जा से भर देता है।

आयुष मंत्रालय और योगिक परंपराओं के अनुसार, 'महामुद्रा' एक उन्नत हठयोग अभ्यास है, जो मानसिक शांति, शारीरिक ऊर्जा के संतुलन और आध्यात्मिक विकास के लिए अत्यंत प्रभावशाली है। यह तनाव कम करने और रक्त परिसंचरण में सुधार में सहायक मानी जाती है।

यह इडा, पिंगला और सुषुम्ना नाड़ियों के सामंजस्य का प्रतिनिधित्व करता है, जो आध्यात्मिक जागृति की ओर ले जाता है। इस आसन को करने से पाचन तंत्र से जुड़े सभी अंगों पर दबाव पड़ता है, जिससे वे ज्यादा सक्रिय और स्वस्थ होते हैं। साथ ही, यह मेटाबॉलिज्म यानी चयापचय क्रिया को तेज करता है, जिससे खाना अच्छे से पचता है और शरीर में ऊर्जा बनी रहती है। यह पेल्विक फ्लोर, रीढ़ की हड्डी और जांघों के पीछे की मांसपेशियों (हैमस्ट्रिंग) को स्ट्रेच और मजबूती बनाती है।

दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनलः कप्तान तिलक वर्मा का शतक, नॉर्थ के खिलाफ साउथ जोन ने बनाई लीड

विश्व केसरी ■

बेंगलुरु। साउथ जोन ने बीसीसीआई सेंट्रल ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड-2 पर जारी दलीप ट्रॉफी 2026 के सेमीफाइनल-2 में नॉर्थ जोन के खिलाफ अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। दूसरे दिन की समाप्ति तक साउथ जोन ने 90 रन की बढ़त हासिल कर ली है।

टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी नॉर्थ जोन पहली पारी में सिर्फ 195 रन पर ढेर हो गई। टीम ने 18 के स्कोर पर सनथ सांगवान (10) के रूप में अपना पहला विकेट खो दिया था। इसके बाद कामरान इकबाल ने आयुष दोसेजा के साथ दूसरे विकेट के लिए 53 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला। आयुष 5 चौकों के साथ 23 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

इस जोड़ी के टूटने के बाद टीम ने 95 के स्कोर तक अपने 4 विकेट खो दिए थे, जिसके बाद कामरान ने कप्तान कन्हैया वाधवान के साथ पांचवें विकेट के लिए 66 रन जोड़कर टीम को 150 के पार पहुंचाया।

कन्हैया 3 चौकों के साथ 35 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जबकि कामरान ने 10 चौकों और 1 छक्के के साथ 76 रन बनाए। विपक्षी खेमे से विद्वथ कावेरप्पा ने 66 रन देकर 4 विकेट हासिल किए, जबकि एमडी निधीश और तनय त्यागराजन को 2-2 विकेट हाथ लगे। कावूरी साईतेजा और श्रेयस गोपाल ने 1-1 विकेट झटका।

इसके जवाब में साउथ जोन ने दिन की समाप्ति तक अपनी पहली पारी में कुल 94 ओवरों का सामना करते हुए 9 विकेट खोकर 285 रन बना लिए। इस टीम ने 80 रन तक अपने 5 विकेट खो दिए थे। यहां से तिलक वर्मा ने श्रेयस गोपाल के साथ छठे विकेट के लिए 334 गेंदों में 175 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 255 रन तक पहुंचाया।

श्रेयस गोपाल छठे विकेट के रूप में आउट हुए; उन्होंने 11 चौकों के साथ 88 रन बनाए। कप्तान तिलक दूसरे दिन के खेल तक 7 चौकों के साथ 106 रन बनाकर नाबाद थे। विपक्षी खेमे से गुरनूर बरार 70 रन देकर 4 विकेट हासिल कर चुके हैं, जबकि अर्शदीप सिंह और अंशुल कंबोज ने 2-2 विकेट चटकाए हैं।

यूएस ओपनः जोकोविच को मारियानो नवोन ने हराकर किया टूर्नामेंट से बाहर

एजेंसी ■

न्यूयॉर्क। ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में सबसे सफल पुरुष खिलाड़ी नोवाक जोकोविच के लिए यूएस ओपन 2026 की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही। न्यूयॉर्क में जोकोविच को टूर्नामेंट के पहले ही दिन मारियानो नवोन ने हराकर बड़ा उलटफेर किया।

इस हार के साथ ही जोकोविच यूएस ओपन से बाहर हो गए हैं। नवोन ने जोकोविच को पांच सेट तक चले मुकाबले में 7-6(5), 5-7, 4-6, 6-2, 6-1 से हराया। ??उन्होंने आखिरी दो सेटों में बढ़त बनाई, जबकि बंद छत के नीचे जोकोविच को शारीरिक रूप से संघर्ष करना पड़ा।

24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच को साल 2006 के बाद पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के शुरुआती दौर में हार का सामना करना पड़ा है। चार बार के यूएस ओपन चैंपियन नोवाक जोकोविच इस मुकाबले में अपनी सर्वश्रेष्ठ लय में नहीं दिखे। यह मुकाबला 4 घंटे 36 मिनट तक चला, जो किसी भी ग्रैंड स्लैम (मेजर) टूर्नामेंट के पहले दौर का अब तक का सबसे लंबा मैच बन गया।

सिनसिनाटी में हाल ही में मिली हार के दौरान सर्बियाई खिलाड़ी को जिन शारीरिक समस्याओं का सामना करना पड़ा था, वे एक बार फिर सामने आईं; उनमें ऊर्जा और विनर्स की कमी दिखी। एटीपी टूर वेबसाइट के अनुसार, नवोन ने कहा, 'यह अद्भुत है। जिस तरह से हमने खेला, 'गोट' (सर्वकालिक महान खिलाड़ी) के खिलाफ पांच सेट का मुकाबला, मैं बहुत खुश हूं। मुझे नहीं पता, मैं क्या कहूं?'

आर्थर ऐश स्टेडियम में कई संकेत ऐसे थे जिनसे लग रहा था कि जोकोविच अर्जेंटीना के खिलाड़ी को हरा देंगे। इसकी सबसे बड़ी वजह यह थी कि चौथी वरीयता प्राप्त जोकोविच 2006 ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद से किसी भी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के पहले राउंड में नहीं हारे थे।

यहां तक कि जब जोकोविच ने चौथे सेट में 2-1 की बढ़त गंवा दी और मैच निर्णायक सेट तक पहुंच गया, तब भी इतिहास उनके पक्ष में था। पांच सेट वाले मैचों में सर्बियाई खिलाड़ी का रिकॉर्ड 42-12 था, जबकि नवोन का रिकॉर्ड 0-4 था।

फर्नांडीस की हैट्रिक, मैनचेस्टर यूनाइटेड ने इप्सविच को 5-2 से हराया

विश्व केसरी ■

लंदन। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने ओल्ड ट्रैफर्ड में प्रीमियर लीग मैच में इप्सविच टाउन को 5-2 से हराया। टीम की जीत के नायक ब्रूनो फर्नांडीस रहे, जिन्होंने तीन गोल किए।

मैनचेस्टर यूनाइटेड इस मैच में पिछले सप्ताह हल सिटी के खिलाफ मिली अप्रत्याशित हार के बाद उतरी थी। इसलिए टीम पर अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव था। टीम के लिए हालात तब और मुश्किल हो गए, जब 24वें मिनट में लीफ डेविस ने गोल करके इप्सविच को बढ़त दिला दी। फर्नांडीस ने हाफ टाइम से पांच मिनट पहले स्कोर बराबर किया, और ब्रेक के 10 मिनट बाद हैरी मैगुइरे के हेडर से यूनाइटेड आगे हो गया। यह गोल इप्सविच के डिफेंडर जैकब ग्रीव्स से टकराकर गोल पोस्ट के अंदर गया। इसके तुरंत बाद फर्नांडीस ने पेनल्टी स्पॉट से अपना दूसरा गोल किया और 68वें मिनट में अपनी हैट्रिक पूरी की। 'सिन्हुआ' की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रायन म्बेउमो ने मैच खत्म होने से आठ मिनट पहले मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए पांचवां गोल किया, जबकि चुबा अकपोम ने स्टॉपेज टाइम में इप्सविच के लिए दूसरा गोल किया।

चेल्सी ने ब्राइटन के खिलाफ घरेलू मैदान पर 4-3 से जीत के साथ सीजन की अपनी दूसरी जीत हासिल की।

हॉकी वर्ल्ड कप 2026: वर्ल्ड रैंकिंग में बदलाव, भारतीय महिला हॉकी टीम 8वें स्थान पर

विश्व केसरी ■

मुंबई। एफआईएच वर्ल्ड कप 2026 में 52 वर्षों में अपने अब तक के सबसे शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय महिला हॉकी टीम 'एफआईएच वर्ल्ड रैंकिंग' में 8वें स्थान पर पहुंच गई है। टोक्यो ओलंपिक गेम्स की सेमीफाइनलिस्ट रही यह टीम रैंकिंग में एक पायदान ऊपर चढ़ी है।

वहीं, टोक्यो और पेरिस (2024) में पिछले दो ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम का प्रदर्शन भले ही उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा, लेकिन वह टूर्नामेंट से पहले वाली अपनी आठवें स्थान की रैंकिंग को बनाए रखने में कामयाब रही।

महिलाओं की रैंकिंग में, साल 2010 के बाद वर्ल्ड कप में अपनी पहली हार के बावजूद, नीदरलैंड्स टूर्नामेंट से पहले बनी अपनी बड़ी बढ़त के कारण 4,083 अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर बना हुआ है। अर्जेंटीना की जीत ने उन्हें नीदरलैंड्स की बढ़त के अंतर को कम करने में मदद की है; वे 3,757 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर अपनी पकड़ और मजबूत कर चुके हैं। बेल्जियम 3,494 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर बना हुआ है, जो 48 साल बाद वर्ल्ड कप पोडियम पर ऐतिहासिक वापसी करने में सफल रहा। मेडल की उम्मीदों पर खरा न उतरने के बावजूद, चीन एशिया की सर्वोच्च रैंकिंग वाली महिला टीम बना हुआ है और 3,182 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है। उनके पीछे तीन यूरोपीय टीमें हैं। स्पेन (3,089) पांचवें, जर्मनी (3,063) छठे और इंग्लैंड (3,044) सातवें स्थान पर है, और इन टीमों के बीच सिर्फ 45 अंकों का अंतर है।

भारतीय महिला टीम एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 में पांचवें स्थान पर रही, जो बीते 52 वर्षों में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। इससे टीम एक पायदान ऊपर चढ़कर 2938 अंकों के साथ आठवें स्थान पर पहुंच गई। ऑस्ट्रेलिया 2,812 अंकों के साथ नौवें स्थान पर है।

टॉप-10 में यूनाइटेड स्टेट्स (2,612) भी शामिल है, जिसने वर्ल्ड कप में 10वां स्थान हासिल किया। इसके बाद जापान (2,476), न्यूजीलैंड (2,446), आयरलैंड (2,426) और स्कॉटलैंड (2,415) क्रमशः 11वें से 14वें स्थान पर हैं। इनके बीच कुल 61 वर्ल्ड रैंकिंग प्वाइंट्स का अंतर है। चिली 2,104 प्वाइंट्स के साथ 15वें स्थान पर है, उसके बाद फ्रांस (2,094) और कोरिया (2,066) हैं, जो वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई थीं। साउथ अफ्रीका 2,050 प्वाइंट्स के साथ 18वें स्थान पर है और वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने वाली टीमों में आखिरी है। इसके बाद इटली (1,995) और उरुग्वे (1,976) टॉप-20 की सूची पूरी करते हैं।

दूसरी तरफ, पुरुषों की रैंकिंग में, लगातार दूसरी बार वर्ल्ड कप जीतने के बाद जर्मनी 3,720 प्वाइंट्स के साथ शीर्ष स्थान पर है। जर्मनी की जीत ने बेल्जियम (3692) को दूसरे स्थान पर धकेल दिया, क्योंकि वर्ल्ड कप में उनका अभियान सातवें स्थान पर समाप्त हुआ था। ऑस्ट्रेलिया (3,583) तीसरे स्थान पर है। ब्रॉन्ज मेडल मैच में नीदरलैंड्स पर अर्जेंटीना (3,512) की जीत ने उन्हें वर्ल्ड रैंकिंग टेबल में चौथे स्थान पर पहुंचा दिया।

महिला एशिया कप में छाप छोड़ने को तैयार इंडोनेशियाई टीम

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। करीब 12 साल पहले इंडोनेशिया के पास महिला टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट का दर्जा नहीं था। देश में एक भी टर्फ विकेट वाला मैदान नहीं था और क्रिकेट का ढांचा भी लगभग न के बराबर था। क्रिकेट ज्यादातर प्रवासी समुदाय के क्लबों तक ही सीमित था।

हालांकि, अब हालात बदल चुके हैं। सोमवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में इंडोनेशिया की सीनियर महिला टीम अपने इतिहास का पहला महिला एशिया कप मैच बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी। इसके अलावा टीम को मौजूदा चैंपियन श्रीलंका और मेजबान यूएई से भी मुकाबला करना है। 17,000 से अधिक द्वीपों वाले दुनिया के चौथे सबसे ज्यादा आबादी वाले देश इंडोनेशिया के लिए यह 12 साल की मेहनत का नतीजा है। ये एक ऐसी उपलब्धि है, जिसकी उम्मीद देश के बाहर शायद ही किसी ने की होगी। टीम की कप्तानी नी पुतु आयु नंदा साकारिनी करेंगी, जो एक विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं और जिनका परिचय 2013 में इस खेल से तब हुआ था जब वह हाई स्कूल में थीं।

वे बैडमिंटन खेलते हुए बड़ी हुईं, क्रिकेट नहीं। उनके माता-पिता भी बैडमिंटन खेलते थे।

और बैडमिंटन इंडोनेशिया का सबसे प्रमुख ओलंपिक खेल रहा है, जिसमें देश ने आठ गोल्ड, छह सिल्वर और आठ ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं।

लियोनेल मेसी ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लिया

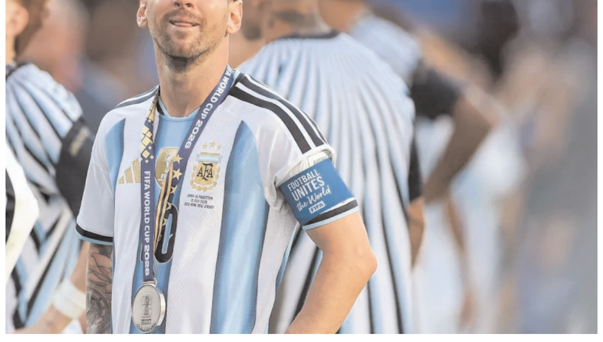

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेस्सी ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी है। मेसी ने अर्जेंटीना के लिए 207 मुकाबलों में 125 गोल किए। मेसी ने संन्यास की घोषणा करते हुए बताया कि उन्हें मैदान पर फैंस से मिला समर्थन बेहद याद आएगा।

लियोनेल मेसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' पर भावुक संदेश में लिखा, 'फाइनल के बाद बीते समय और काफी सोच-विचार के बाद, मैं सभी को बताना चाहता हूं कि नेशनल टीम से रिटायर हो रहा हूं। यह एक ऐसा फैसला था, जिससे मुझे दुख हुआ और अब भी अंदर तक दुख होता है, लेकिन मैं समझता हूं कि अब सही समय आ गया है। मैं कसम खाता हूं कि मैंने हमेशा अपना सब कुछ दिया—सिर्फ उन कुछ वर्षों में नहीं जब हमने सब कुछ जीता, बल्कि उससे पहले भी; मैंने हमेशा इस जर्सी के लिए संघर्ष किया और मैदान पर अपना सब कुछ झोंक दिया, ताकि आपको खुशी दे सकूं और फुटबॉल के जरिए अर्जेंटीना का होने पर गर्व महसूस करा सकूं।' 'समय तेजी से बीत रहा है, अध्याय खत्म होते हैं, और यह एक ऐसा अध्याय है जो मुझे बहुत दुखी करता है। मुझे नेशनल टीम का हिस्सा रहना पसंद है, हमेशा पसंद रहा है और हमेशा पसंद रहेगा। मैंने अपना सब कुछ दे दिया है; अब देने के लिए कुछ नहीं बचा है, और इसके अलावा, कुछ बेहतरीन युवा खिलाड़ी आ रहे हैं जो यहां होने के हकदार हैं। पिछले 20 वर्षों में मिले प्यार के लिए धन्यवाद। मुझे मैदान से आपकी आवाज सुनना बहुत याद आएगा। अब मैं आप में से ही एक बन जाऊंगा, बाहर से चीयर और सपोर्ट करूंगा (अच्छे और बुरे समय में—खासकर बुरे समय में)।

'मेरे परिवार का धन्यवाद जो हमेशा मेरे साथ रहे, इस सफर में मेरा साथ दिया, जो इतना खूबसूरत, फिर भी इतना मुश्किल था। हर उस कोच, टीम के साथी और अधिकारी का धन्यवाद जिनके साथ मैंने यह रास्ता तय किया। मैं अपने साथ कभी न भूलने वाली यादें और पल ले जा रहा हूं। मैं मन की शांति और इस गर्व के साथ जा रहा हूं कि मैंने—अपनी टीम के साथियों के साथ मिलकर—आपको ऐसे पल दिए जिनका हमने कभी सिर्फ सपना देखा था। आप सभी के साथ इसे जीना एक अद्भुत अनुभव था। मैं आप सभी से प्यार करता हूं।'

अपने शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर में मेसी ने अर्जेंटीना को 3 फीफा विश्व कप फाइनल में पहुंचाया। अर्जेंटीना साल 2014 और इसी साल खत्म हुए फीफा वर्ल्ड कप में रनर-अप रहा। इस फॉरवर्ड खिलाड़ी की कप्तानी में अर्जेंटीना ने साल 2022 में वर्ल्ड कप खिताब अपने नाम किया था।

भले ही मेसी का अंतरराष्ट्रीय करियर अब खत्म हो गया है, लेकिन वह इंटर मियामी के साथ अपना क्लब करियर जारी रखेंगे, जहां वह 2028 तक अनुबंधित हैं।

ला लीगाः रियल मैड्रिड ने मालागा को 4-0 से हराया, जूड बेलिंगहम बने जीत के नायक

विश्व केसरी ■

मैड्रिड। रियल मैड्रिड ने 2026/27 सीजन के शुरुआती दौर में अपना शानदार रिकॉर्ड बनाए रखते हुए हाल ही में प्रमोट हुई टीम मालागा को 4-0 से हराया। रियल मैड्रिड की ओर से जूड बेलिंगहम जीत के नायक रहे, जिन्होंने एक गोल करने के साथ-साथ एक असिस्ट भी किया।

बेलिंगहम ने मैच के 19वें मिनट में गोल करके रियल मैड्रिड की टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। इंग्लैंड के इस खिलाड़ी ने सात मिनट बाद दूसरे गोल में भी अहम भूमिका निभाई, जब मालागा के गोलकीपर अल्फोंसो हेरेरो से टकराकर गेंद नेट में चली गई। इसके बाद, आधे घंटे के खेल के दौरान ट्रेंट अलेक्जेंडर-अर्नोल्ड के बेहतरीन क्रॉस पर किलियन एम्बाप्पे ने सही जगह पर रहकर गोल किया और रियल मैड्रिड को 3-0 से आगे कर दिया।

लगातार आठ दिनों में तीन मैच खेलने के बाद रियल मैड्रिड ने दूसरे हाफ में खेल की रफ्तार थोड़ी कम कर दी। फिर भी टीम ने मैच पर अपना नियंत्रण बनाए रखा। इंजरी टाइम (स्टॉपेज टाइम) में अर्दा गुलेर ने टीम के लिए

मैच का चौथा गोल दागा। एथलेटिक क्लब ने सेल्टा विगो के खिलाफ उनके मैदान पर 2-0 से जीत हासिल कर एडिन टेरजिक के नेतृत्व में शानदार खेल दिखाते हुए अपनी पहली जीत दर्ज की। एलेक्स बेरेंग्वेर और रॉबर्ट नवारो ने पहले हाफ में गोल किए।

वेलेंसिया के लिए सीजन की मुश्किल शुरुआत जारी रही। टीम को डेपोर्टिवो ला कोरुना के मैदान पर 3-1 से हार का सामना करना पड़ा। मेहमान टीम ने सीजर टैरेगा और मौक्टर डायखाबी के जरिए दो 'ओन गोल' करके अपनी मुश्किलें खुद बढ़ाईं। घरेलू टीम के लिए पियरे-एमरिक ऑबामेयांग ने शानदार व्यक्तिगत गोल किया।

वेलेंसिया का गोल 26वें मिनट में घरेलू टीम की रक्षात्मक गलती के बाद उमर सादिक ने किया, लेकिन बाकी समय में वे प्रतिद्वंद्वी टीम से काफी पीछे रहे। डेपोर्टिवो के लिए एकमात्र नकारात्मक बात स्टॉपेज टाइम में एड्रिल अल्टामिरा को दिखाया गया रेड कार्ड था। एटलेटिको मैड्रिड ने जूलियन अल्वारेज के बिना सेविला को उनके मैदान पर 3-1 से हराया, जबकि लेवांटे ने रियल बेटिस को घरेलू मैदान पर 5-2 से हराकर चौंकाया। वहीं, रियल सोसिदाद ने एस्पेनयोल पर घरेलू मैदान पर 2-1 से जीत हासिल की।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415